

DPN 6443

Title : दशकर्मविधि / DAŚAKARMA VIDHI

Run. No. 7168

Cat. No.

Micro. No.

Subject *karmakāṇḍa*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 21 x 9

Folios 59

Lines (in a page) 24 / 26

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

रामानन्द उपाध्याय

Date: NS / SS / VS / KS 985, 913

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Together with Nāgavāstu yantṛa

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Direction is in Nepāla bhāṣā

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

7. दशक्रियाविधानं लिख्यते ॥ गम्भीरानं पुत्रवर्णं शीघ्रान्तोन्वयनं तथा ।
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥
इति दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥ दशकर्मविधिः समाप्तः ॥

2. खे देगुलि पूजा विधि ॥ 3 ब्रह्माध्यानं ॥ इति ब्रह्माध्यानम् ॥



श्रीमि॥ उं वृक्षा भायुष्मान्गद्वारक्ष
 नायुष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष
 मि॥ उं दव भायुष्मान्गद्वारक्ष नायु
 ष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष
 ॥ उं अथ य भायुष्मान्गद्वारक्ष नायु
 ष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष ॥
 उं यितन भायुष्मान्गद्वारक्ष नायु
 ष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष
 कनामि॥ उं यरु३ भायुष्मान्गद्वारक्ष
 दिद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष नायु
 ष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष ॥ उं समुद्र भायु
 ष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष
 नायुष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष ॥ ७॥
 ॥ पुनः क्रससुधियमं
 ॥ ॥ गायुष्मान्गद्वारक्ष नायुष्मान्गद्वारक्ष
 दिकाथगसर्वमायुष्मान्गद्वारक्ष
 वात्सप्रक्षोनमरिसुष्टरक्षग॥ दि
 वस्यनीत्यगस्यानवाकस्यागमाष्ट
 चंयनिष्ठिनष्टिउत्तमाष्टचंयनि
 रक्षवयदवक्षिष्टं गदासुमच्याग॥
 वाययाहृक्तनक्तमानया क्रसधि
 य. मनु॥ द्वादशी अचा॥ उं दिव
 स्यनिष्ठममम ३ ॥

निवसद्वितीयविजागवदा॥१॥
 कृतीयमयानुमनामृजयमिध्या
 नयनैकवगस्वाहा॥२॥ विद्यागं
 निगधनयाविधिभागधामः
 विरुगायनृगाविद्यागनामयन
 मंगुहायविद्यागमस्ययनमृज
 मंथ॥३॥ समुद्रत्वानृमधमम
 कर्तृवकायीधदिगमनउधन।
 कृतीयवाकमिगसुवा०ममया
 मयममदिवागवधन॥४॥ मृक
 ददनिमृनयनिवद्यो०कामावः
 विरुद्रावध०ममृनतामद्यायक
 नाविहीमिधोमृयादादमीरानना
 लयन॥५॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥
 नयीनोमन।वा०मत्याध०॥१॥
 म०मया॥१॥ वस०मृन०म० दिसाज
 मृनाडाविशालयगुडयमासिध
 न॥६॥ ०॥ विप्रस्यकउडुवनस्य
 गकृमावादमीमृयु०कायमा
 न॥७॥ ०॥ विददिमरिनयवाय
 ०॥ नायदनिर्मयजकय०॥८॥
 ०॥ निष्कधकाअवनि०म०मधम
 क०अनिनमृतामिधायि॥९॥

किधूममयकविउद कुकल॥
 विद्याद्यामितकम॥१॥ ०॥ ०॥ ०॥
 वक्तव्योद्योदमर्थमाय०विष
 वयान०मृनिनमृता मृरवद्यो
 गिथ्यदनीयोवडनयत्नवगा॥६॥
 ०॥ यममृद्रावडुद॥ ०॥ ०॥ ०॥
 वधुक्तम॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥
 मृकालिममृदवक०यविष॥७॥
 ०॥ मृगमृकयमीप्रव॥ ०॥ ०॥ ०॥
 क०उकृमृरडाल०मानाविष०
 मृथ०विषा०मृनी०मृवा०नहुगन
 रितददृकनिले॥८॥ ०॥ ०॥ ०॥
 जयमातामृनृधृविष्णवमदधि
 ववाथीवि।यया मरुदमित
 मिहमातावुड॥९॥ म०मृमृलिता
 विषव॥१०॥ ०॥ मृसाथानिन्न
 ०॥ मृ०वि०वि०मृन०मृवि०मृ
 म०मया॥११॥ मृदय०वा०वा०युधि
 वीरुवमदवा०ध० क०विममो
 मृवीन०॥१२॥ ०॥ मृयदनीवाल
 कया०म०सयवथ॥वायनय०
 यम०॥१३॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥
 ॥ ॥वायन०सा०यि०य०॥ ०॥ ०॥
 नि॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥ ०॥

20

15

10

5

उंमवानति ॥ यष्टिममार्थ ॥ उंउदा
 नति ॥ उंमवानति ॥ उंमवानति ॥
 मधुउदमर्वनवयाग ॥ ॥ बालक
 जागद्वरुमिमजलथ ॥ उंउदगद
 मिहदयदित्रिचन्द्रमसिधिरिधदा
 हंरमानकद्विद्याल्यलमननद४नर्
 जीवम४ननद४नर्गयवृवाम४नन
 द४नर्ग०पृ०याम४ननद४नर्गिह
 यष्टननद४नर्गाग ॥ ॥ यनवोय
 नकुमानजयस्य ॥ उंममाराव ॥
 उंयवमुष्टव ॥ उंदिनुममपुर्त ॥ उंम
 गदममर्मरवमिहयादेदशिक्षाया
 म ॥ ममावयुगनामासिमडीवण
 नद४नर्ग ॥ ॥ मथकमानयामा
 मलखनकाय ॥ उं००गामिमगाव
 नृणवीनवीनमडीउनाथ४मार्त्
 वीनवगीरुवयामान्वीनवगाकन
 ता ॥ मथमामयाउवदुदलखन
 मला ॥ उं००म०मनमूर्त्तुस्वक४न्य
 ययियीनम०ननवीनमम०धुउ
 र्मययस्वमधूमरुमवृग ॥ समदिव
 ०मदमाविणस्व ॥ ॥ स्ववदुदम
 ल ॥ उंयममन४न०नयामयाह
 योवन्नधावस्वविष्टा४स्वदगय

नत्रिप्रायस्यनिवाद्यानि ॥ मवमर्ग
 गमिहधवैरवक४उदयगिनिह
 मवगि ॥ ॥ जागद्वरुमिमजलथ
 वसंधवायस्ययन ॥ मावमगया
 १०॥ सामखिन०००॥ यमयाया
 वयं गयावधयादेवर्गय ॥ ॥
 दगसायिकनय मदगमाकलन
 व ॥ लखियायाउथन ॥ इदगममा
 ला ॥ ददनथगमिधययादिनयस्वय
 वीगतयक ॥ यउर्न ॥ कयन ॥ उंम
 यादववडागयथयथदववडाग
 थनवमस्या०मगिकायमियगि
 काजायद ॥ ॥ वायनडायिवाला
 कायावनादीकदनयाय ॥ उंम
 सिवाचनयिथग ॥ ॥ वायवा
 लकथियाया म०उं०य ॥ दानम
 मयकउभान ॥ वायनयुजाया
 य ॥ उंमयादि ॥ मृगिकानिह
 यनमियर्थ ॥ वाय ॥ उंममृक
 गि ॥ पुननमस्वव्यामाधया
 उयुजा ॥ रुकवा मालकाग ॥ ॥
 लायुजा ॥ ॥ मयगीनमाय ॥ उंम
 गयामीगि ॥ मयक ॥ उंयदवा
 द ॥ यानिमूर्त्त ॥ उंनमाक ॥ उय

हं मा

॥ ७२

20

15

10

5

लयन ॥ ॐ हि वरुण गुरु ॥ यम लिख
 ॥ ॐ सददस्य नि ॥ धन्यमसि ॥ धन्य
 मसि ॥ दयन ॥ ॐ वीरुयप्रम ॥ वी
 दियु कयन ॥ ॐ स्ववृत्ति ॥ काष्ठ
 रुणी ॥ ॐ ॐ धना स्वा ॥ सिंघन ॥
 ॐ गयग ॥ ॐ महिगुडमि ॥ मनी
 स्वायन ॥ ॐ ममीगिग ॥ ॐ धनावा
 काय ॥ मनिदूठन ॥ ॐ दृष्टादियु
 धामनिदृष्टिद्युष्टिदृष्टिदृष्टिदृष्टि
 धीवाविद्वन् ॥ ॐ धनमसहसाय
 धानि ॥ ॐ मनादिवा ॥ मनिदृष्टिदृष्टि
 कं ॥ ॐ दमासनादिमदवातन
 ॥ ॐ मनिमीठ ॥ ४ ॥ ॐ ददिलाक
 यालयुठा ॥ धनमिमि विधिदाय ॥
 ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ कर्गुष्टिदृष्टिदृष्टि
 ॥ ॐ दृष्टादियु ॥ ॐ मनिमसुखीक
 वरु ॥ ॐ धनवायमस्वाननन ॥
 ॐ वसंधनाय ॥ ॐ वसंधनामूर्ति
 य ॥ ॐ वसंधनामूर्ति यवर्तिगु
 दृष्टिदृष्टिदृष्टिदृष्टि ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ
 गंधादि ॥ ॐ वलिनेव ॥ ॐ कामदवम
 र्ति ॥ ॐ कामदवाय ॥ ॐ कामद
 वासनाय ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ य
 गलासंगमनाय ॥ ॐ युगलाय
 ॥ ॐ मनिगंधादि ॥ ॐ वलिनेव ॥

॥ ॥ गगनालकयालादिद्युतनादिति
 इदृष्टा ॥ ॐ लन ॥ ॐ कर्गुष्टिदृष्टि
 यन ॥ ॐ धनवालावकासमनु
 ॥ ॐ ॐ मनीउयवीरुलीलि
 कयउदृष्टितामलिल्लयाडावा
 मश्रवतानश्रगादिगं ॥ ॐ स्वाहा ॥
 न ॥ ॐ दमर्कमर्क ॥ ॐ स्वा
 दि ॥ ॐ दनवाकगिमनु ॥ ॐ मनिस्व
 ननिमिस्वकिवर्तनउयगुनिदृष्टि
 द ॥ ॐ कर्गुष्टिदृष्टिदृष्टिदृष्टि
 कीमस्व ॥ ॐ मनीदवावकाश्रवतानश्र
 गादिगं ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ ॥ यनधुमन ॥
 ॐ ॐ दमनिस्वयादि ॥ ॐ यनधुम
 मिसमिधवाय ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ कर्गु
 मनीदवाय ॥ ॐ वलि ॥ ॐ विद्वन्मर्क
 वरु ॥ ॐ दृष्टि ॥ ॐ दृष्टि ॥ ॐ मनी
 कर्त ॥ ॥ स्वाहा ॥ ॐ मनिगानियुग
 लायमनिमिदृष्टिदृष्टिदृष्टि ॥ ॐ वस
 धवादिमर्कयनमासुमंगलाध
 कं ॥ ॐ मनिगंधादि ॥ ॐ धनमसाय
 यागदामयायमाला ॥ ॐ नकदृष्टि
 कर्गुगा ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ मनिमिदृष्टि
 चर्तय ॥ ॐ ॥ ॐ वलिनेव ॥ ॐ मनि
 र्ति ॥ ॐ मनिम ॥ ॐ वलिमवाययास
 दमनयाववमनथायावमय

0

cmts.

5

10

15

20

॥ जय नमो ॥ ॐ कर्क २४ सकर्क २४
वालवंधुमाञ्चञ्चक नक सृजानम
स्रष्टुमुमीमेलालय नायक वन
स्रष्टुयक स्रष्टुमातागामी स्रष्टु
यिताग्रास्रष्टुलोयागनीञ्चञ्चक
नक सृजानम स्रष्टुमुमीमेलाल
य नायक वरुणिमृष्टुनितनामय
नितनवदगितनदृष्टुगितनदिष्टुगि
नग्लगितयगवयवदामायगव
रिमृष्टुमसिति ॥ धनार्थनित्या
माननामयगितनवदगितनदृष्टु
गिकमानं ॥ वालकयानमाध
कर्मयायं ॥ मन्त्रकमाधकर्म
समान ॥ ॥ वायभाउद्रुयमाल
कमानधियाया ॥ ॥ वाययि
हावयावयामासादीनखान
गर्भ ॥ सनार्य ॥ गायमादिदक्षि
ण ॥ तनावदार्चनं ॥ ॥ वायुने
यागदक्षिणविय ॥ लिधिविया
नदक्षिणतंयंगनगय ॥ यिधि
तिनियानदक्षिणगय ॥ वाचन
काय ॥ ॥ धनपुंथि ॥ चि ॥ धियि
वि ॥ गाय ॥ गाय ॥ गाय ॥ गाय
गायमादियानगयक ॥ वाच
नउलथाउयकलखडागरि

थंका॥ उं द व स्य न्वा ॥ बाल क या र्ग
 मा म या र्ग म लिल म ग न ॥ थंका
 दिय र्ग गिन म कल र्ग विय ॥ च
 न्द न मि द्द नो गी द्द द ॥ बाल क र्ग
 ग ॥ उं य न्द व ॥ मा म या र्ग थंका
 दि नी या र्ग थंका दि या र्ग माल क
 र्ग विय ॥ अ थ मि ध र्ग मा म क्क या
 र्ग य ना दि ग न म थि र्ग ल व द्द या
 ॥ मि व वि र्ग य न्द ॥ म थ व ॥
 ॥ दि र्ग मि थि वि याल व य र्ग
 ल विय ॥ ॥ म ग मा दि वि र्ग
 न ॥ उं द व म ग वि द ॥ म्थ र्ग
 ॥ अ क विय माल ॥ नि ग व र्ग
 क ॥ इ र्ग र्ग र्ग ॥ ॥
 ॥ गि ना न्दी म्थ दि य व द क र्ग
 ग क र्ग दि वि धि ॥ ॥ वा क
 ॥ ना र्ग र्ग र्ग म या य मा
 ल मि र्ग ॥ म न माल ॥ ॥

१ मथयद्गुक्कदितम ददतडा

लंगलकले ॥ वदलकहावद्वानस
घाहावर्गकविय ॥ उथाधव
मङ्गीतङ्कायाचक ॥ वनकावि
थिनियायडाविधानर्थयाय ॥
वाक् ॥ ३० यथीयागमर्जननिमिः
यर्थ ॥ वायनद्यनसयक ॥ थं
कादिस्ययिउतिविय ॥ वाक् ॥
स्यमिथयकविय ॥ चवथिडा
यधीधक्कविम्यनयक ॥ ३० ॥
सुनिकाविधनकद्वयथायिन
कागासगिकद्वनिम्यममाल ॥
मथ्यथानिवदला ॥ ३० ॥

यनककद्वयथायभाउद्वयक
॥ ३० यिववमनगियक ॥ ददन
मङ्गीतङ्कायाचक ॥ थंकादि
स्यथावदकयाय ॥ ॥ वध
यनयादागयावमन्धनाद्यदग
माउगुलिर्ममालकागदावद
दनयुजायाचक ॥ मानयाय
वममगुणादिय ॥ ददनवलम
ग १० दानमद्याचक ॥ दाकवि
य ॥ दवमङ्गीताथधनक ॥ ३० ॥

मथ्यदादगदियमलकायाय ॥

विधि

वालकमानयाचक ॥ ३० दिम्यथा
यकयाय ॥ ॥ वधयनयादाव
गयवसधनाद्यदगमाउगुलिर्म
गदावददनयुजायाचक ॥ विधि
थं ॥ ॥ डाक्कवसन्धनाद्यथय
नमयागसाथनगलमङ्गलमा
थयमायावजावमनया ॥ थ
मासखिल ॥ टीगचूर्णमस्य
मथाय ॥ तायनहाल ॥ काय
खलथंगय ॥ थवसन्धनाद्य
न ॥ थयादवनमलानवल
गय ॥ वसन्धनाद्यसलखगय ॥
दूदममाल ॥ वलंगगदल ॥ ३०
नधलिदमद्यादाववसन्धना
द्यसदिवकंग ॥ थयादवन
यवाकूड ॥ ३० गय ॥ दालमवी
दिगा ॥ ३० दववसन्धनाद्यदा
यकावत ॥ यूर्वादिन ॥ सानवा
१ ॥ गङ्गा २ ॥ म्वाग ३ ॥ मास ४ ॥ क
लीग ५ ॥ कयगुलि ६ ॥ मृग ७ ॥ उ
गि ८ ॥ यत्नामरे ॥ ९ ॥ १० ॥ वका
११ ॥ यका १२ ॥ मथवाकूडवसदा
थेतय ॥ गाङ्गी १२ दयकमा
ल ॥ चयनमिद्वनयज्ञायवीगय
यादिनगयावददनयुजाया

कृतं श्रीगणेशाय नमः
शिवो ४॥५॥

यन्निवृत्तानि विष्णुः ॥ ॐ विष्णु क
 र्मादियः प्रसिद्धा गच्छानि यः
 सः ॥ ॐ सुदृष्टः सर्वव्यापकः ॥ यः
 मया दत्तः ॥ ॐ यद्वा नन ॥ ॐ दिव्य
 गच्छः ॥ ॐ दत्तः ॥ ॐ मादृ
 कः ॥ ॐ १० ॥ ॐ गाना नमिन्दु ॥ ला
 कया लः ॥ १० ॥ ॐ वाक्कः ॥ म
 र्चि नजीवी ॥ ॐ ॥ ॐ गच्छ नमिन्दु ॥
 यच्च लोका लः ॥ ॐ ॥ ॐ सद्यः जा
 ना ॥ यच्च वक् ॥ ॐ ॥ ॐ अस्मा मासा
 यन ॥ मासादियः द्वादि ॥ वीहि ॥ ॐ
 वीर्यः प्रम ॥ वलि ॥ ॐ नवः ॥ ॐ
 अहता नाम दियः ॥ ॐ अस्म
 दाता ॥ ॐ यावत्तः ॥ ॐ
 विष्णु तः प्रकृतः ॥ ॥ दयः ॥ ॐ
 समितः ॥ मिधुमः ॥ ॐ श्रीः ॥ क
 ॥ ॐ दीर्घः ॥ अकाशः मालः ॥
 ॐ अस्माकमिन्दु ॥ ॐ अस्मिन् ॥
 वृद्धः ॥ ॐ ॥ धृतिः ॥ ॐ धृतिः ॥
 दीयः ॥ ॐ तः ॥ लिङ्गः ॥ नेव
 ॥ ॐ अन्तः ॥ रुलः ॥ ॐ या
 ॥ लिनी ॥ यगिः ॥ ॐ मन्त्रः ॥
 जायः ॥ ॐ ॥ विनाशिनः ॥ मन्त्रः
 गिताः ॥ ॐ ॥ कल्याणः

मा
१३

कृमात्रस्य कृन्धादिदमन्त्रन ॥
 पुर्णधादि ॥
 ददं न लिखिलकृद्गुया वास्यगया
 लोहाचा मोचाया ॥ चि व मन
 नकाव आलहासा सधदावव
 मधवायं हायकावलखायि
 वनेवाकगाथे ॥ ॥ तग ४ वा ५ म
 कृक ॥ वालकलथगन ॥ लगन
 ॥ ललनन रियकाव आनहासा
 मयूवाककृत्तागयाव थयादव
 नवालकगयाव थकादिनीनव
 मधवायं हायकां हाय ॥ थका
 लम थलिय ॥ ॥ सुखिधमया ॥ ग
 जानथया ॥ स्वत ॥ मलसनक ॥ ॥
 ससिभामिताय ॥ ॥ ॥ ॥
 थनधनकाडा ॥ मामन ॥ थकैकृत्ता
 जान ॥ मयन ॥ मलधालथालथका
 वजान ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 आकाव वालकवयाव थिहावयवा
 लकयायुगिन मियकावयानकाव
 थिमर्जनयाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वायकल कृया ॥ कायल्य ॥ ॥ ॥
 थालासा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यलनगाकययाव ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 लकयिगयन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

कया मानसदिचकंगय ॥
 बालीययादानम उव खेवम
 कलम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यागशतय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कलमाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कृत्ता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नका ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 लाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ययम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मतय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मनाहृगि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 थकावगया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नाहृगय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मयवत्तामा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 याथलिनसाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कावि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दगि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

लसामाचर्यासुविद्वद्वर्ग ॥१॥ उ
कन ॥ उं उदीचीमावाहनद्वयव
उर्वनोड ॥ सामेकविलसाम ॥ ल
नदल ॥ ४८ लं डविर्ग ॥ ४ ॥ गनदस
नयनद्वयमननयाललामानक
॥ उं उदीचीमावाहययकि स्वावउ
साकननवगसादिगिगवगुयगि
० लसामोदमननिलिनावृगुव
आडविर्गययसंतमच ॥ निन ॥ ७
॥ अथलासालावदयावदगयन
॥ हवयाउवमगयायकहायक
वन ॥ उं अमिनामिमीता ॥ लहस
॥ वालकयालहालावमूर्यकन ॥
उं गद्वेचद्वेदिगियनसाकुक्रम
चनगया ॥ अमननद ॥ लं डीवम
ननद ॥ लं ग ० पुगुयामननद ॥ ल
रमदीनाम्यामननद ॥ ४ ॥ धनलित
लवहाववालकथंकादिनधन
मयक ॥ उं लतायनमु ॥ अनामि
कादिमंमुष्टन ॥ ५ ॥ अथवमन्ध
नार्थवाकालवृडायाय ॥ थंका
दिन ॥ उं यडामानामुकस्यनिक
महायागानिमित्त्यर्थवाक ॥ ६ ॥
साद्यचन्दनयज्ञायवीनयय
धूपदीपमन्त्रसंकल्पददि ॥ ८ ॥

दानमलमायाकलनमकिर्क ॥
उं दवम्यला ॥ चन्दनमिद्वना ॥ निधि
द ॥ वालकयाग ॥ उं यगुवा ॥ ८ ॥
मालकामविद्य ॥ सूर्यमदिथ
य ॥ सामनवालकयादिन ॥ ९ ॥
मिथंकादियुगगिनलवकाया
ववयक ॥ ॥ अथथंकादियुग
गिनमामवालकयाददनकुन
वन ॥ वलकिहलसादावमलाने
वद्यवर्गगदलमालागदिंय
कुसामवायक ॥ वमन्धवाययक
तामनगय ॥ वमन्धवायमवाह
लखनवालकयकुनाममिचक
माल ॥ अगयातकुदमयात ॥ ७
यानखायागधम्यतय ॥ लव
वासगयालगकायलयाकत
यागमठामवालमयाकगयाग
मर्याताथंकाय ॥ धतिदलथवा
हानलका ॥ १० गिनिकमगयाग
विधि ॥ ११ ॥ ॥

अथनामकवर्ग ॥ द्वादलदिवस ॥
पुनयाय ॥ वाकगयातिथुम
वकद्व ॥ द्वादगियाथिकद्व ॥
वेष्टया ॥ उं कुद्व ॥ पुं डया २२ कु

नकात्त ॥ डं मनाइगि ॥ द्रुस्तन
माय ॥ दुखायिखाकाय ॥ मृ
र्थल्लदिधाय ॥ कोमावीकु
य ॥ वालककागावन ॥ मृथ
संगतर्क ॥ धनलि ॥ ददने
दाकजा नकाववर्लगाडा
नकावधानसथाइवविय ॥
वर्लगा कायइवसाधायया
जवसगतय ॥ साचइवसाख
वसघाय ॥ वालकतादाकवि
य ॥ वालकथगदयावकलस
सगुलमगजायक ॥ ददवलि
वर्लमकाय ॥ वाक्कगगार् ॥
निवाक्कगयातामकवर्ण ॥ ॥

य३

अथहेतीयमासंरुलयासेनवि
धिलिखत ॥ यादिनेनमजाता
र्थकलनयूजायाय ॥ डंयडामा
नम्यामूकस्ययगुल्लवर्लननि
मित्यर्थकर्तु ॥ वाक्क ॥ मिकिनीव
डंयाइवलेनी ॥ सगुलमगजाय
लिगमस कोमावी ॥ दुखायिखा ॥ द
दवलि ॥ सकगडिथंयूजायाय ॥ ध
यदीयजायसगुयथनधनक ॥

॥ वाक्कगयूजाअन्नसंकल्यसमा
ल ॥ ललिकयुष्टिक ॥ वालकमास
नवयावर्थकादिनीनलासाला
वस्वसिकसमान ॥ तिमिचनव
लि ॥ कलनयूजायाचकअगर्ग
धादि ॥ मंठलसधाइवाननकु
चक ॥ मगरुताउचानेलाय ॥
सिकिनलाय ॥ मालकाजोगनग
यावरुलयागनयाचक ॥ ददि
गदान ॥ वाचनकायावकलन
रिधक ॥ चंदनादिमालाविद ॥ स
रुमानगियुष्टिका ॥ ॥ दुखायि
खाकाय ॥ कोमावीकुडाकाय ॥
वालकनमृथनेंसात्रयाचक ॥
वाक्कगशयानेसुसधकिविया
वकाय ॥ धवश्यनयवागिन
याडाइमयाडाइ ॥ ॥ निरुलया
गनविधिइला ॥ ॥

अथप्रसूमासंअनयागर्ण ॥ काय
यागगदि१००चयकडु८१न
हा ॥ साचयागगदि१००दुजु
कुजा१नहा ॥ सानादिनियकमि
धनकाडाथंकादिमयावदक

म१०

याय ॥ वाय ॥ उं यजमानस्याम्
कस्ययुगस्यान्वयानननिमित्तार्थ
मयदेकंवेद्यवादकवृद्धिप्रद
॥ ॥ कलनमिदं वाय ॥ कलनम
गीर्णदकथंन ॥ समुल्लसत्तुजां
मममकोमानीतुजा जान ॥ स
मुल्लयादवने ॥ यवा यधि वया
वा मान मदन मंडलमाला
मरुतगदि ॥ कालमवागमल
नंद ॥ यदिल ॥ धनिकामगया
वसमुल्लमदं मय ॥ उतल
यकाय काखा कलनया मूल
यनिमनय ॥ ददवलि ॥ हवन
वदिवावाजनादि ॥ कर्मसिधुः
म ॥ कलनयात तलममिदि
ननय ॥ कायजलमामं कलमा
ल ॥ म्माचजनमाममाल ॥ चन्दन
यक्षयवीतययश्वलावनय ॥

वायनंनवर्थकादिनंनवकुल
लुकर्मयाय ॥ यथमश्विधिम
कुलकलनमवने ॥ ददवलिज
दिनमकलंयुजायाय ॥ धृयदी
यादिजर्गंधादि ॥ ॥ गतोथ
युदामाधन ॥ कर्मजवनमाध

नंविधनंन ॥ म्म (मर्दन) किय
॥ म्मादलममिधम ॥ म्मल
वन ॥ कलनममनीम ॥ उं गुरु
नयखाहा ॥ उं तं तं दति ॥ य
वाद्यावर्ण ॥ उरवाद्यावर्ण ॥ चद्र
दाम ॥ यदादति ॥ गिर्यवदाम ॥
यचवावर्णनं दामयाय ॥

मधविलमद्युगादति ॥ उं दवीवा
चमजानयतदवासां विष्णुया
शयलवादतिमानामकुयमूर्तद
हानाधनवर्गममानयमसुसुसुसु
हा ॥ घृतंनयान ॥ उं दवाय ॥
उं दवीवायं चमजानयमिद्युका
वाजानाद्ययसृतिवामंवाजादवा
मृउतिश्चकल्ययगिवाजादिमास
ववीउजानविष्णुमालवाऊयति
हं ययखाहा ॥ उं दवाऊवाजाय
यान ॥ ततश्चद्रदाम ॥ उं या जना
नमनीतिखाहा ॥ उं दवाजय ॥ उं
जयाननगन्धनमनीयखाहा
॥ उं दमयानाय ॥ उं श्रुयावृया
यनीयखाहा ॥ उं दं श्रुय ॥ उं
ममनयलमनीयखाहा ॥ उं
दं ममनाय ॥ उं यजायतयखाहा

ॐ दययाय गय ॥ ॐ मन्त्रय मृष्टि क
नय स्वाहा ॥ ॐ दमन्त्रय मृष्टि क
य ॥ ॐ दमन्त्रय मृष्टि क
दिसकल संध्या नृनि विद्य ॥ ॐ व
क्र ॥ स्वाहा ॥ ॐ यदीनाय स्वाहा
॥ ॐ स्वादिना ॥ ॥ गता दृमा नृनि
यूषु ॥ ॥ गिला नृनि विद्य सकल
नृनि विद्य सकल ॥ कल ॥ दि
य निमृदि ॥ गिला नृनि यूषु ॥ ॥

तनाय धर्मकर्मकाय ॥ वालक
मास नययकाय धर्मादिनी नला
सालावदेन ॥ ॐ स्वस्तिना मिमीता
॥ स्वस्ति कर्मयुर्वस्व चर्कतन ॥ यक
मिहामनया गिनी ॥ निर्मचुर्न ॥
ॐ नृदाहर्त ॥ वलि ॥ ॐ मृष्टि य ॥
मर्धया गादकनहाय ॥ ॐ स्वस्ति न
ॐ द्य ॥ वालक स्वानन चर्क ॥
ॐ द्यो ॥ नृनि ॥ वालक नकल ॥
दिमृजायाय ॥ ॐ मृष्टि कल ॥
य मृष्टि कल ॥ य मृष्टि कल ॥
महिताय ॥ गता दृमा नृनि
यमासर्न ॥ ॐ ववा ॥ नचनमि
द्वय ॥ यवी नयय धृयदीय न
नृनि विद्य ॥ ॐ ॥ ॥ धनमनरुता ॥

वानवाय ॥ गदं कर्म मनुजन
वाय ॥ ॐ स्वस्ति वाच नय ॥ ॐ
ॐ दमन्त्रय मृष्टि क
कालमेया गतं ललं नृनि चक
॥ स्वानन चर्क ॥ मिथ्या गिनि नवा
य ॥ धर्मिथ्या गिनि मयीता नय
॥ धर्माया दावकन ॥ ॥ धनमन
नि ॥ ॐ मागादकार्ग ॥ ॐ य ॥ वि
॥ याल ॥ ॐ वल ॥ नलि काल ॥ ल
दवा ॥ ॐ ॥ ॐ मदयक मगमक ॥
वायधनकावमालका मगमन
नन ॥ ॥ धर्मादिना मिथ्याव ॥
कथं नृनि मय मदिन मिथ्याव
॥ ॐ मागा नाय कुदावक ॥
ॐ द्य लया मन मृष्टि कल ॥
ॐ द्य ॥ ॐ लनी ॥ ॐ ममागादका
नक ॥ ॐ नधुनक ॥ ॐ स्वस्ति वाच
नय ॥ ॐ ॥ ॐ द्य ॥ ॐ मगमन नय ॥ गुल
कयकल ॥ ॐ ॥ ॐ मगमन नय ॥
कलकम वाचकल ॥ ॐ य
या ॥ लीव नया ॥ नीक मगमन
॥ मनुजन मदं कर्म मगमन
नयाव वालक नकायक ॥ यधि
आयनक ॥ वाननयक ॥ यवान
चर्क ॥ ॐ मगमन नय ॥ गिचक
॥ ॐ ॥ ॐ मगमन नय ॥ यधि

॥ ॐ वम ॥ ४ य विगमसि ॥ मा मनयवा
 कक ॥ १ था ॥ ७ न न लका वन ॥ ॥
 जा ॥ म क ता द का दो रा का व थ
 या द व न य न जा न या व जी व ता
 दि थ म द म ध न दा रा का व ग या
 जा ॥ न ता रा ॥ थ का दि नी न ॥ ॐ
 स मि नी ॥ स मि थ म द म ध मा
 म न था ॥ ७ न न लका व न ॥ य ल य
 मि थ म द म ध न जा रु द न न न क
 व न ॥ च गु थ म द म ध न जा रु क
 य क ग य ॥ जा न मा ल का म ग न न
 य ॥ क द क ग य ॥ ॥ जा ॥ ल र ख
 न हा य ॥ जा ॥ थि र य न ॥ ॐ न न न
 न ॥ व ल क न म च क ॥ जा ॥ च य
 च ल क म द न न द व न म ग न न
 य ॥ थ का दि न हा म स ध या च न
 जा ॥ म ग द न ॥ थ मा ता वा ला व
 र य य म का य क ॥ ॥ ॐ या ध म य
 खा हा ॥ ॐ या ता ना य खा हा ॥ ॐ या
 ना य खा हा ॥ ॐ द ना ना य खा हा ॥
 ॐ म मा ना य खा हा ॥ ॥ क जा न
 क ॥ ॐ म न य न न म म द क म म
 ॥ ॐ म न य न न ॥ ध नि रु ल क य क
 ना दि न य ॥ ला क क न ता या द थ
 म न या व न व य रु या दा व स थ
 ल क ॥ वी व क व ल म न ॥ ॐ रु क म
 न

मि स्ता हा द क मि रा ह क क न म न
 था ॥ व नि क र न र न द हा मा ॥ ७ म न
 वा या मा मि का म म य क री ड ल मा
 ७ म ना द का म म म मा रु व न का
 म म य क ता मा या म य म म म य म
 व क व र म क का म म म स र्व क
 म म य न र यी या वा ॥ ॥ ना मि च क
 ॥ जी व ता दि म धि जा न क इ का जा
 न क ॥ द य व का डा थ य म न र यी रु
 न ॥ वा ॥ वा ता म न या व क ल र य
 य क वा म न न ग या गु लि ॥ न का
 म ल क ॥ मा म न गु रु या दा व न
 य मा ल ॥ व य य ॥ ल र ख न हा य ॥
 नि न स वा न य ॥ म य गु धि वि य ॥

य रु द म य जा या दा व वा ल क या
 क रु थि य क म नि वि य ॥ म रु ॥
 ॐ ध मा ना म ॥ म लि क म ध मा म ॥
 म ७ म न व म मा दि य म य ७ मा ७
 नि मा डा न र य दा थि य दि य म त वा
 हा ॥ क ॥ क वि य वा व र म क य ॥ ॥

थ का दि र य ल र ख धा वा या य क ॥ ॐ
 म था द न म म ॥ ॥ य मा हि न न जा न
 ला र व न का या य क ॥ वा ल क ॥ ॐ न
 जा वि रु दा ॥ म य या गु ल र ख न हा य
 ॥ च न द न सि द न म गु न न र य क ॥

ॐ यदयक ॥ व्यादि ॥ अनीवो
द ॥ ॐ यगवा ॥ ता यनहाले ॥
ॐ मनाहृति ॥ यमिष्टा ॥ ॥ मथवा
यनं गव स्यातं गव ॥ वक्तव्यः
यावयितयन ॥ महुताधायागा
॥ स्वयं देवता मालका र्क खानः
कं येयगनक ॥ धनलित्वाधाव
दायका वलिगद ॥ ॥ ॥

अथ यज्ञसंज्ञा ॥ संख्यादृति ॥ दत्त
यागिक ॥ नानिकयष्टिक ॥ वाक्
वृत्त ॥ अन्नसंकल्यादि ॥ यवधा
न्यादि ॥ धृतदीयवृत्तिकाहारी ॥
वलिगद ॥ दक्षिणादार्त ॥ न
सवधृतयागन ॥ युगीनारिधक
॥ वृत्त ॥ नयूयुवाग ॥ नगसंयुग्म
॥ ॐ अथा यस्व ॥ अर्चसा ॥ उयम
धुलसंग ॥ अग्नर्ध्रदि ॥ ॐ तनु
या ॥ नमि ॥ अग्निनद्रादृति ॥ द्रसक
नगयावकलनारिधक ॥ चन्दन
सिद्धमनुजनीवोद ॥ ॥ वालक
॥ मरुमानति ॥ यमिष्टा ॥ वलिद
खारिखाकय ॥ कोमाजीवुडाक
या ॥ यद्रुविमरुन ॥ मृशन्नादिध
य ॥ वाक्कवय ॥ उउमाननको
मावीयागावृयकाय ॥ ॐ गिम्

नयानमविधिः समाप्तः ॥

अथ वृत्तकनककृष्णदाविधिः
॥ दक्षि ॥ ल्यंगव यिद ॥ ल्यंगव
द ॥ ल्यंगव ॥ ॥ नकर्मधकादिस्य
आवदकयाय ॥ ॐ अमकस्य वृत्त
कनककृष्णदनिमिरुक्काय
दे कयवीदकवृद्धिगद ॥ वाक्
मृशार्थागि विधिधयवादकया
य ॥ वाक् ॥ ॐ अमकस्य वृत्तकन
ककृष्णदगनगुननागमकन
निमित्तार्थ ॥ ॥ विधिधयमय
यनद्वन्द कावाय ॥ ॐ उयमय
मसवृत्त नद्रा मृगविधिक्रिया ॥
शकननगननुकोमाजीमृग
रित ॥ दक्षिणावर्कनीयमवासा
वर्कमिथः ॥ मृत्त ॥ आदिर्यादिक
मनेवया उयचक्रमालिक ॥ वि
गान ॥ यय ॥ अकावन्मृद्धिवा
दक ॥ यवृत्तनाविधानस्यामीन
यी ॥ नुस्वसिक ॥ ॥ नगवृन्दका
द्याय धनि ॥ ॥ आर्दलवर्धचय
उनडादीमदनमृध ॥ यागिमती
वमस्तानियुगलाजाममरुग ॥ ॥
मृशधिकनगमृगमवाचनविला
यथा ॥ वृत्तकवृत्तिवाहचया उय
मृहमो लिका ॥ ॥ यालचि ॥ न

नद नडा नडा ल मदन रु ल मरा
 नरु ल मरा नाय मदन ॥ धमिघा
 य ॥ दमयाय नकथ ॥ धवनयवाक
 गयावमलिमिलाय रु ल मरा ॥ ग
 यतिद मगुनी मी मी न विद ना गना
 जमी ॥ रु न न व र्ण मगुल उ व म व
 लिलाखवम ॥ हवनतलामकी
 मानी मगुल मदीनय ॥ ॥ यूज
 न ॥ डं मयादि ॥ ययराजनी ॥ य
 धमगुन उयद नयडा ॥ ने वेशवलि
 उडा ॥ यी विदुडा ॥ यिनायनिम
 कुतडा ॥ डं गज नाला ॥ डं वृ
 रु मयनी ॥ डं नमा मसथय्या ॥ डं म
 उद्यकलर्ण ॥ डं दधिकाथी ॥ डं दीघी
 यम्मा ॥ डं या रु ल नी ॥ डं यनस्त्रा
 दिता ॥ गुरुमालिका ॥ डं माकुथू ॥
 डं नम र्ण रुवाय ॥ ॥ ययुसमिप्र
 मिषा ॥ डायमागु ॥ गजयद्यादि ॥ म
 गुर्गंधादि ॥ री म न वलिथकादि
 नीलवक्राय ॥ कमानलखधाराथ
 म्यला मालावथ ॥ स्वमिकस्वत ॥ नि
 मकुतादि ॥ मर्धयागाम्बनामया
 ड ॥ म्बानगनक ॥ मगरुता उचान
 वाय ॥ कमलार्म ॥ कोमानीकाम
 ॥ कमानयाकलाय ॥ गनवृन्दका
 वाय ॥ निलिखरुत ॥ मयवउ

कायलमययगुदवानमचदावद
 मसनय ॥ कमानयालाहागमथ
 गनस्वमिकवाय ॥ गनवृन्दका
 लाहागमनय ॥ वाक्कावयुडा ॥ व
 क्रिष्णमिथका नीदीदयर्थनी ॥
 विमर्तनी ॥ ॥ मरु म्बानगियुनिष्ठा
 ॥ ॥ लामालावथममामधमया
 यक ॥ स्वमिकस्वत ॥ मगुलधवि
 वयनधियक ॥ ययकलकसक
 य ॥ चायडा क्का मालकमानया
 क ॥ कोमानीया म्बकुसकायाव
 गनवृन्दका ॥ मवायननक्रियक
 ॥ मदरावदविडावा ॥ दमनका इकि
 लकानधुनक ॥ ॥ गिदमन ॥ ॥

तनयागलादिनियकर्मकृत्वा ॥ य
 गिगयक ॥ वक्राष्टकलमयिनाय
 की ॥ नागयदयक नीलीलक्ष्मी ॥
 हथकक्रवायकमाल ॥ यिनायकी
 उमनिनिवाक रु निनीमायावका
 य ॥ ॥ वक्राष्टकलमउनागयक
 यदनीलीलक्ष्मीवली ॥ मउडा ॥ म
 मस ॥ मगुलमवक्रगय ॥ चन्दनम
 गुलमवाकरुनिगय ॥ रायिवरु
 मलनय ॥ समिध ॥ डं विल ॥ डलमि
 याहल ॥ वलंगन ॥ यिलकरुल ॥

वसिष्ठना॥ लज्जुलि॥ कलथा॥
 धर्मगुण॥ वक्राया॥ वदामस्य
 निनिगय॥ सनादयान॥ धनत
 वृद्धकाग॥ कोमावीयचलनग
 य॥ ॥ अथर्थकांश्य॥ ॐ अथादि
 ॥ यादयुदात्या॥ र्थकादिनयथा
 दकयाय॥ वक्रायागिन॥ ॥ म
 मसमूनयागुलिर्नमक॥ य
 रूयागुलिर्नम॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथजाचार्यनवकार्यनयायक॥
 यथर्क॥ कलन॥ धव॥ धमसगन॥
 गृह॥ यृष्टमपीवत्स॥ दक्षिणमय
 ल॥ यन्निममधुज॥ उरुवसकलन
 ॥ मधमर्णव॥ उरुमकृग॥ वक्राया
 जवमहा॥ स्ववमयामन॥ यदय
 कवीहचन॥ ॥ अथर्थकादिनीन
 वाक्कलवालासालावर्धकलिसम्वन
 ॥ नमस्तुत॥ ॐ नद्राहर्त॥ वलि॥ ॐ अ
 धवा॥ लखनदाव॥ ॐ अस्मिन् ॐ न्द्रा
 ॥ कुमावयाननानननक॥ वक्रा
 दिस॥ मधचन्दनययधूयदीयन
 यथादिमाग॥ ॥ यूलचवुवदाडा
 मकलवन॥ यिवनर्थकादिनीन
 लासालावदगयन॥ र्थकादिनी
 नमगदगाउवा॥ नलाय॥ मगुव
 नलाय॥ यवाक॥ ॐ न्द्रागमासध

दमतयावर्ध॥ ला॥ हा॥ कउथकनम
 सागय॥ धर्मनलाय॥ लनीर्धन॥
 मोक्षयमगुन॥ कुमावयाक॥ ॐ
 काकुंकाकुग॥ ललाटहृदयक
 सधयथादयथमृष्टिकमव॥ ॐ न
 र्थन॥ ॐ नकार्क॥ ३॥ कालयकन
 धनिधम॥ ॐ दीर्घायस्त्रा॥ चन्दमी
 नूनमगुवनीवीद॥ मरुजावनि
 युगिष्टा॥ मासधमृयाचकीधनय
 न॥ ॐ वन॥ कुमावउयगनयाय
 क॥ मो॥ कृ॥ यक॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अथकुलविक्रमयायविधिधुं॥ र्थ
 कादिन॥ ॥ ॐ कयानध्रिग॥ यवि
 सनवी॥ र्थिवाकायय॥ गताय
 था॥ विधिमकुलकलनीवर्न॥ ॐ व
 कल॥ यजायगिमूर्कथ॥ कलनम
 यगलययादिमा॥ ॐ य॥ ॐ मगलय
 विवावय॥ ॐ दमासर्त॥ यय॥ ॥
 नमी॥ दानावर्त॥ ॐ गतायासीत्ति
 ॥ ॐ वक्र॥ ॐ ॥ ॐ मासनाय॥ ॥ ॥
 न॥ यीनीयीनीचकुवा॥ वक्रा॥ ॐ
 युवानन॥ ॐ मयानिचविशार्म
 दमालाकमगुल॥ ॐ वक्र॥ ॐ ॥
 नयय॥ ॥ ॐ वद॥ ॐ वक्र॥ यस्तनी॥ ॐ
 वक्र॥ ॐ ॥ ॐ यजायगय॥ ॥ ॥
 मृष्टकलमयुजा॥ जीवत्सम॥ ॐ

क्रकं॥मिधुर्म॥लीलद्री॥मालका॥
 वयुस्वसि॥ध्वयदीयगगंधादि
 ॥जायसाय॥उयदयानिचयुर्म
 किमृष्टिस्तननिवासिग॥मृष्टिः
 कर्कसकातिर्यगमेवकनमा
 मुन॥मालकास॥मृगगंधादि॥
 ॥गताथयासाधनं॥मृष्टादल
 समिधकामं॥उयनुमनकनक
 सवदुर्न॥यूष्वाद्यामनं॥मणुला
 चनं॥उंस्वजीयथादि॥अग्निया
 नाम॥उंनखानथस्वाहा॥वदा
 इतिर्ययवान्धनं॥॥उयजाय
 गथस्वाहा॥॥वक्रायणीगवद
 लाकयालादिद्युनाइतिविय॥
 मंगवधुमयणीनिधाय॥द्युना
 इतिपूष्पं॥॥गगमिलाइति॥
 वक्रायणीगमगुणदि॥अनिनि॥
 लीलद्री॥मृष्टकलनं॥उंमृजि
 द्य॥ध्वकमिाक॥वदलाकया
 ल॥नमसमिधमदयनिष्ठनं॥॥
 गिलाइतिपूष्पं॥॥

गमायथकर्मस॥थकादितीनवा
 क्रवयालखलाधर्मलामाडाह
 न॥उरुमिहामनयाखवमवमा
 चर्कस्वसिकममन॥॥निर्मर्क

न॥उंनकाहनं॥वलि॥उंमृष्टावा॥
 लखनकाय॥उंस्वसिनं॥॥
 वाकादियाककगनक॥मृगयथ
 नं॥मगकगगुचानखाय॥मिधि
 लिनमादिनयाव॥उंमृसुननि
 ॥॥मिडलरंगमलखगयावय
 रूमकय॥धलि॥रायवदामलग
 याव॥॥थमाधनं॥मृष्टागिविनु॥
 उंनिवगत्वाधियनथमदालिवाय
 स्वाहा॥यूष्पं॥उंनम॥नकाय॥
 वाहिदाय॥उंविद्यागत्वायस्वा
 हा॥॥द्युना॥उंविद्यागत्वाधियन
 यविषूवस्वाहा॥यूष्पं॥उं॥द्वि
 यु॥॥यनवीका॥उंमृसुनगत्वाय
 स्वाहा॥॥द्युना॥उंमृसुनगत्वाधि
 यनथस्वाहा॥यूष्पं॥उंवक्रय
 कानं॥ध्वदय॥॥॥॥मयगीन
 ॥यूष्पं॥उंरुडक॥द्युगि॥यरूम
 क॥ककलखमस्वाहा॥लखनका
 य॥उंउयूनवायनदकनकनिक
 नानथगि॥॥उयमाननथका
 कलखनकमानयाडावकनीम
 थल॥उंमविगयसृगादया॥मृ
 यडदुगनन॥॥वमिचलानम
 खयमक॥उंदीघा॥युस्वा॥कनवा
 इतिमिममययमक॥उंउयध

गायस्वस्वधिरमेतद्वि०मी॥ ॥ व
रुद्रकारवन्धुर्वदक्षिणदक्षिणस्व
धाम। जगत्कंचरवदामयप्रिमयुद्ध
मवच॥ मवधुमदिकामधुदरोय
यममन्त्रिणी। मधुययनिखाका
नचूणकधुंतिस्मृग॥ वक्रधाम
वधमायुधविधुनालिकवठव। न
नारुयगिधधुमिलिखायविधुद
वता॥ ॥ आहूतिविद्य॥ ३॥ ॐ धु
धामगतायवक्रधामाह॥ यूधु॥
ॐ वक्रयज्ञानं॥ पुवानउवदानिख
मत्ताय॥ ॐ३॥ ॥ यन० मिलिवा
मयला॥ ॐ मविगयसूतादया॥
आयउदंनमन॥ चमिवलानख
या॥ ॐ दीद्यायस्त्रा॥ कनयिला
मिममद्याय॥ ॐ डायधगास्वस्व
मेतद्वि०मी॥ ॥ आहूतिविद्य॥ ३॥
ॐ आयतलायविधुवस्त्राह॥ यूधु॥
॥ ॐ वदविधु॥ मिलिवा मत्ताय॥

यन० खवमकाकलखनयम॥ ॐ स
विगाय॥ चमिवलानखय॥ ॐ दी
द्यायस्त्रा॥ कनवलंगनममद्याय
॥ ॐ डायधयगा॥ आहूग॥ ३॥ ॐ न
उसस्त्रायनिवायस्त्राह॥ यूधु॥
ॐ नम० रवाय॥ पुवानत्ताय॥

दक्षिणसई विनद्याय॥ ॐ०

यन० रुवनकाकलखनयम॥ ॐ सवि
गायसूता॥ चमिवलानखय॥ ॐ दी
द्यायस्त्रा॥ कनडलसिद्याय॥ ॐ
डायधगाय॥ ॥ आहूगि॥ ३॥ ॐ व
यगतायणीधुवायस्त्राह॥ यूधु॥
॥ ॐ वय० मम०॥ ॥ यूधुनेकया
लमत्ताय॥ यगिष्टा॥ ॐ०००॥

यन० चमयालमकाकलखनय
ल॥ ॐ सविगायसूतादया॥ आयउ
तंनमन॥ चमिवलानखय॥ ॐ दीद्या
यस्त्रा॥ कनवालमगुलिद्याय॥ आ
नमम॥ ॐ डायधगा॥ आहूगि॥ ३॥
ॐ आकांशगतायमदालिवाय
स्त्राह॥ ॐ लिवानामामि॥ यूधु॥ य
गिष्टा॥ पुवानयमयाउमत्ताय॥ ध
गिर्थकादिनयायकर्म॥ ॐ०००॥

तनामयायजाय॥ र्थकादिन॥ ॐ मा
युनीय० दमामन०॥ पुवानश्रुतच
नययज्ञायवीययदक्षिणविद्या
वालखाललमललवद्रा॥ ॥ लि
मिमयवाक० नय॥ र्थमासखिन
य॥ धलिमिवचन्द्रमधुलकाउना
यनिनिनऊनकमरुयक॥ ॥ न
गमवलायामयानखालऊन
का॥ ॐ वृणकधुसमदुकेममु॥ ॐ

लिवाता। मासिस्त्रिगिर्हयिगानमस्त्रि
मुसामादि०मी॥ नवयामधियामनु
॥३॥ निवर्क्यामाययनाशायय
जाननायनायमायायसयजाय
मायसवीयाय॥ कुदतमनु॥ ३॥
यनावयसविताकुवनासामस्याना
कावनगस्यावद्यात। तनवुक्ताभव
यनंदमस्याययउवेदक्षिर्यथामग
॥ धनाकधदागुल्लममनुमनग॥
धगिदक्षिण॥

यन० यधिमम॥ पूर्ववग॥ खालजा
न॥ ३॥ निवातामा॥ संधियामनु
॥३॥ निवर्क्यामाय॥ कुदतद्या
दगुलिम॥ ३॥ गायययमदग्न॥

यन॥ खालजान॥ ३॥ निवातामा॥ स
धिय॥ ३॥ निवर्क्या॥ द्यादगुलिक्कुद
म॥ ३॥ यनयययनादिर्वशाकयश्र
धिमृर्य॥ तनतवयामिवक्तागजा
वातकडाचनायम॥ लोकायस्यम
य॥ स० वमनुमन॥ धगिरवडासा॥

पूर्वम॥ खालजान॥ ३॥ निवातामा॥
सधिय॥ ३॥ निवर्क्या॥ कुदत॥ ३॥ गाय
यय॥ धगिद्वन॥

य० यमावी॥ ॥ मयानक्रमसलम
लनरावतायाय॥ ३॥ क० क० रुदमम
क० रुदमम॥ ३॥ रुदक० रुद॥ ॥ धन
नाधियालाकागमयतनमस्त्रिक
यायाव॥ थयुजायाय॥ यावदादि
० विरय॥ मयान॥ ३॥ म० रुदनयनि
वद॥ वाकगयालासालाव॥ थय
म० नडमसखाय॥ निखावादिक्कन
॥ द्यानवाचकमगद॥ ३॥ मृद्वीनदि
वाकनगिधुधियाय॥ धननमृगमा
योगमस्त्रिकवि० म० माडासगिथि
जानातामामनयागुजानयनद
वा॥ ॥ क० रुदकनिरवा॥ क० रुदकनिर
वा॥ क० रुदकनिरवा॥ धवश्याम
म० र्यागा॥ थि॥ ३॥ म० रुदनामिमी॥
धनखाकास॥ निनीनयनमधुल
गामरुय॥ ॥ म० रुदमसवन॥ ३॥ रु
दक० रुद॥ ॥ यागकायगगामन
क॥ धगिधनकाडावाकगयान
नड॥ ल० रुताम॥ धनवि० य॥ ॥ म० ल
रुनीवि० ॥ नड॥ न० रुदक० कन॥ वा
क० रुताम० रुदक० यक॥ ॥ थकादि
नीनलासालावमाचार्ययाडा
वममस्त्रिकमस्त्रन॥ ॥ म० गार्वद
ननगीखवुनमालमस्त्रिकवा
र्यकन॥ ॥ म० ग० रुतागुवानम

यादमुलियासकसतनाहनक
॥ निचुडाकधुमिदश ॥ ॥ ॥

अथवदुकर्मयनियानिलियात ॥
नकसक ॥ यथाकयायुजायादा
उवकाशाचक ॥ वानगखयक ॥ द
दनकमगयनियीरियुजायावदक
यायर्थकादिन ॥ अद्रुव ॥ वका
कलसनागनागयय ॥ यका
नीलीलक्ष्मी ॥ नायकायुमाद
यिगिनिलि ॥ स्यादकाय ॥ घनि
नानकाय ॥ वकासदधनधनि ॥
॥ मय ॥ मउ ॥ लचिकीधन ॥ वा
कादिमैल्यथाचक ॥ ॥ वाकेषया
कसदथला ॥ गकैतय्यादम ॥ द
गियाजकादमद ॥ वेधयादा
दमद ॥ धतिवयसडयनयन ॥
॥ ॥ दसनकद्रयादिन ॥ उमिआ
यार्थ ॥ धकादिधकादिनी ॥ कौश ॥
मालकामैलसियाचक ॥ नान
नियकमैआदिधनक ॥ ॥ धका
दिमैआवदकयाय ॥ कोमानीय
जामाल ॥ ॥ वाका ॥ उंयऊमाना
मकस्यडयनयन ॥ मोजिमध
नमयगीयुदानवदानैरुगय

निमिरुकमायदेवकयवादक
वृद्धिभद्व ॥ वायडा ॥ नायनिम
कनकाय ॥ ॥ आचार्यस्यदसन
याचक ॥ यथविधानत ॥ कम
ला ॥ मउ ॥ ॥ नगवृद्धकावाय
माल ॥ वाकैषयाददिध ॥ वा
चनजलनरियकाद्यालीवादा ॥
मरुमावगियुगिगु ॥ मासधया
दावला ॥ मिलावचन ॥ कोमानीय
जाया ॥ मकसवयनधियकाडा
नगवृद्धकागालन ॥ नगवृद्धका
मद्यायधनि ॥ आर्दलवर्ण ॥ ॥ वा
दिकम ॥ ॥ मासनवम ॥ शिव
कक्षिय ॥ निगन ॥ दसनकाईक
लिकान ॥ ववानिगंधाकनिचा
लावदन ॥ धतिदुधकद्र ॥ ॥

सतिक्द्रुघनिगयक ॥ यगनादि
नियमैकला ॥ वकादिमक
लगनगयकयकनीलीलक्ष्मी
मालकायाय ॥ यहुमपुल ॥ ना
यकउ ॥ मय ॥ मलधनद ॥ म
निनिकाय ॥ मल ॥ मय ॥ शकतिनि
॥ धमागालमास्यदकाय ॥ याव
दकयायर्थकादिन ॥ आचार्य

विधिधुवक्रावेन ॥ यथन ॥ म
कलनधवशममगय ॥ वृणक
मधायो ॥ नागयकयदीनी
लकीधवशमसदन ॥ ✱ ॥
वाक्रवयाशनमायनचगुवडा
माक्रय ॥ माक्रयंहुवक्रावेननि
याय ॥ ॥ यक्रमयुयसयंकलम
वाक्रवयालासालावस्वसिकम
स्वन ॥ निनयन ॥ निमिचन ॥ उं
नक्रावन ॥ चनयनितल ॥ उंअध
वा ॥ वाचकअधयागलखनहा
य ॥ उंस्वमिन ॥ उं॥ वक्रादिया
कस्तानगनक ॥ चन्दनयवधूय
दीयमागययनैधनक ॥ ॥

गगयलवगुडावावमाक्रालड
न ॥ ॥ थकादिनदवयूजायाया ॥
धधनकडावाक्रवचोनिमज
चानिमिचनयादावदगयनला
सालाव ॥ यूर्वालिमखनस्वसि
कमस्वन ॥ येननिमिचनदि ॥
वलितवाचक ॥ दवस्वकगनक ॥
चन्दनादिमार्ग ॥ उंउत्कुलाम्बुज
॥ मतकगुवातमगुवनलाय
॥ चन्दमगुवनकानलाय ॥ उंस्वमि
वाचनयथ ॥ ॥ यनदवयाक

निमाक्रय ॥ मयन
चकनगय ॥ उंकागुग ॥ वाक्र
वचायाकंक्रय ॥ मृदुललाउ
रुक्रदुदिउंघया ॥ यंदया ॥ मृ
दिकमय ॥ यादमृदुनंमिचय
न ॥ यगधमसिकागय ॥ आउंदी
घीयस्वा ॥ ॥ चन्दनमिदुनमना
लीवीद ॥ मयआवगियगिदु ॥ उं
मनादुगि ॥ मासधमृयाय ॥ ला
सालावदवडागुकावचुवग ॥ उं
मस्वसिकमस्वन ॥ नउयूजाया
डाउंखालकुलनदकिनाक्र
य ॥ चगुमगुलममय ॥ मखा
चक ॥ लमियाचक ॥ माउक्रय
क ॥ अक्रवमनगयकावन ॥
धनिमाक्रयविधि ॥ ✱ ॥

गगवाक्रवाथाथकाठिनीनला
सावयक्रमयमयकलिमस्व
सिकमस्वन ॥ वमाचक ॥ निमि
चन ॥ उंनक्रावन ॥ वलि ॥ उंअध
वा ॥ अधयागदकनहाय ॥ मग
रुतागुवागुनलाय ॥ मगुवनला
य ॥ वक्रविय ॥ उंवसायविग ॥
थकादिनरुनीक्रय ॥ उंगाग
नमिदु ॥ गगवृन्दका ॥ नकावा

[illegible]

अथ गुप्तस्य किं लक्षणं कुरु मण्डलमय
 य ॥ ॥ अथ मन्त्रविधानं नतकलनाद्यने
 ॥ नताथ यदा माधनं ॥ उयनमनकुरु
 मादाय ॥ नताग्नर्द्वेण किया ॥ ध्वनि
 यर्थकता ॥ ॥ नतः कुमानवानासि
 चकाडाथकादिनीनला माला डाय
 रुया र्यकलिमयष्टिमासि मुखन
 खनं ॥ कुमानवाना मालादिमू
 लकनवननित्यमाल ॥ ध्वनगुनः
 यवैमास्यवान ॥ ॥ कुमानवानगु
 नमधुनमयुजायाय ॥ ॥ कुमानः
 वान ॥ ॥ उमयादि ॥ उं यडा मान

वडावयनयनाङ्गमोक्षवचनमय
गीयदानवदानंरुगुत्रात्रामकुलमः
धुलार्चननिमित्तार्थं॥सूर्ययाक
तन॥ॐआकृष्ण॥आसाध्यागुयू
जा॥गाढावयाम॥आत्मयूजा॥गु
म्भआसनन॥यूववद्वानन॥ॐगु
नमृकथं॥दमामनं॥यय्यं॥या
दाद्यदसाद्यचन्दनयङ्गायवीनयय
धूयदीय॥मृगगंधादि॥माग॥कला
उलिवध॥ॐगुनवृक्षागुनवृक्षगु
नवृक्षमृगगुन॥गुनवृक्षगुनमृग
जितमृगीगुनवनम॥ॐमृगगुन
धुलति॥गुनयूजाचनविधिमृग
धादि॥॥गुनात्रगुमधुलकावय
न॥चनन्दनादं॥आदकनरुमि
मिचयत्॥ॐमधुकटलमदनयू
विनामिवमृधना॥गदायनमनाध
यमिवामिगंधवानि॥वामक
नाद्यदरुमयमानवकुलमधुलका
वयत्॥तमाकनकृच्छिनकथल
॥ॐल्लधितायुथिवीयतलयिता
गंधवानि॥यूवजन्मकृतायार्थ
दृष्टगमकृतायवत्॥ॐरुजन्मस
यत्यायमिदंजन्ममयत्॥गद
तकर्ममृगजन्मजन्मानकवय

॥ उं क न वृष्टां लिं कृत्वा यामयं वं
 क न य न मां अख गु म धु ला दृ य गु ना
 न य नि व द य न ॥ उं य ध य वि वि
 का धां न उा य गं वि वि ध क लं म त स र्वं
 दृ म य तां द व न द नु लि त स र्व द ॥ ॥
 र म य दृ ल्या मी ग वृ (धु न म धु लं क
 न य न ॥ त गु ल उा वि क य नं ॥ य व
 क न य च ल न य यि ध म ॥ ॥ धं दृ
 ॥ ॥ धं दृ ५ ॥ ॥ धं दृ ३ ॥ ॥ धं दृ १ ॥ च न्द
 ना दि य रू य वी ग य य ग य ॥ ग व म
 ग म उ न य ॥ आ धु न व म ग य ॥
 त ग य उ य न ॥ यि ध म ॥ क न न ॥
 उं वृ द्वा य २ ॥ उं म य २ ॥ उं य मा
 य २ ॥ नै मृ य २ ॥ उं व न व य २ ॥
 उं वा य २ ॥ उं क व न य २ ॥ उं व
 ग न य २ ॥ उं म म स २ ॥ उं उ द्वा य
 २ ॥ १० ॥ ॥ धं दृ ॥ उं आ दि त्या य २
 ॥ उं सा मा य २ ॥ उं म न य २ ॥ उं
 व धा य २ ॥ उं वृ द्वा य २ ॥ उं गु क
 य २ ॥ उं ग नै य २ ॥ उं वा द व २
 ॥ उं क न व २ ॥ ॥ धं दृ ॥ उं मृ य
 दा य २ ॥ उं य दृ द्वा य २ ॥ उं सा म
 व दा य २ ॥ उं अ थ र्व व दा य २ ॥ ५ ॥
 ॥ म ॥ ॥ उं च न्द म धु ला य २ ॥ उं
 मृ य म धु ला य २ ॥ उं अ नि म धु
 ला य २ ॥ ३ ॥ ॥ ग न म धु ला य

२॥ ॥ उं गु न म धु ला य च न्द न न म
 ॥ ॥ उं व वा य न च न्द न मि दृ न ज न
 य य धृ य दी य ग म धु ल अ ग र्ग
 धा दि ॥ म ॥ ॥ उं म धु ला य न मृ य
 म र्व न ला धि या य च ॥ उं व ४ म ४
 मृ य य वि ध नृ य य न न म ॥ म धु
 ला र्व न वि धि अ ग र्ग धा दि ॥ ॥ क
 मा व न क ल धि लि व धा य ॥ १० ॥ उं
 न म ग न व ॥ उं व क च र्थ ला धि का
 नं द हि म ल क य कि न ॥ वि ध नं च
 व गु र्व य गु र्व रू यालि गं म य ॥ उं
 अ रू न य गु यि गु य रू नं म द हि
 र कि न ॥ वि गु र्व क न म द रं वा य
 म च य य नि ग ॥ उं व न व ध न ल म
 रं च द हि म म क र च य ग ॥ ली ल
 ली च म मा य कं वि य स्य व ग म रू
 म ॥ अ ग र्ग धा दि ॥ म धु ल वि स रू
 न ॥ उं उ द्वा य न म ॥ म धु ल म च द
 म मा दि गु न ल व रू य ॥ द हि न वि य

गु न य ॥ १० ॥ उं व क च र्थ मा ग य
 ॥ ॥ क मा व न व रू लि ना य ॥ १० ॥ उं
 व क च र्थ मा ग मि ॥ ॥ गु न य ॥ उं व
 क च र्थ मा नि ॥ ॥ क मा व ॥ उं व क
 च र्थ मा नी ॥ ॥ गु न य क मा व याल
 र ग मा ल उा य व र्व च र्व न ॥ क

मानवाकूणमनयाचक ॥ ॥ गुन
वलयिमागिमखयाडाडातामि
य ॥ गुनवगुनमानवायाडाडा
यणीनन्याय ॥ कमानया निन
मिजयग ॥ मयगीतधन १० ॥
लीगुनगोळ ॥ गुनवकमानया
यावमुलखतदाय ॥ डंयविग
॥ गुनवमकर्तामयगीनजय
लयाडाविय ॥ ॥ इयागुनवक
मावाअधवामतककुतितति
यक ॥ मनु४ ॥ डंयनन्दायवृहस्य
गिर्वाम४यर्थदधदमृगं। गन
न्यायविदधस्ययुषदीर्घायः
म्हायवलायवचम ॥ मूननम
कुणमयलावद्वयग ॥ तग४म
वलायां कमानवामंजनयय ॥
मयलामोक्षीगदागवकुणमया
वाकूणमधनगुणमयीनाडंय
स्यमोडालगाविलेखमयविन्धः
स्यमाविनीगुणममामृष्टाकार्या
॥ ॥ यविगुलखतदायावमोक्षी
मयगीनजयग ॥ मंजुगंधिः
थिय ॥ चगुलिगंधिदादिदिदाः
डामालगियक ॥ थंथिगंधिदागु
लिदयक ॥ ॥ कमानवानकुण

गिलजलधृत्वागुथिडादाडान ॥
 मनु ॥ ॐ ॐ यद्वनकं यत्रिवाधमा
 नायर्गुयाविर्गुयनेगी मग्नागन
 ॥ या जयानायाविलमादधाना
 स्वमादधीसुगममखलर्य ॥ ॐ
 गम्य (मगुमगर्जलेलरानद्वडा
 निवदवानस्ययययवलमा
 धान्दिनगखावाडागनेश्वनध
 यणीमसुकदवगम (वावक्रध
 वक्रवर्चसाय ॥ एवंगर्कियागे
 धृत्वागिलकमडालर्यडाग ॥ ॐ
 वयनः ॥ ॐ ॐ यद्वनकं यत्रिवाधमा
 मंजवामवियमनु ॥ ॐ यवामवा
 सायनिवीगमग्नाग ॥ मउ (प्रयारि
 वगियायमानः ॥ गंधीनामः ॥
 वयउन्नयगिसा (धमनसादः
 वयन ॥ ॥ ज्ञानाविय ॥ कर्वक
 यक ॥ पुन्यनयनीनन्यासया
 य ॥ ॐ कर्वयधर्मननुद्वितीयदेव
 तं ॥ गृणीयनागदेवत्यचतुर्थमास
 दवगा ॥ यत्रमंघिरदेवत्यषष्ठमं
 पडावति ॥ सकर्मवायदेवत्यसु
 र्यदेवगंधाष्टमं ॥ नवमं सप्तद्वय
 ॐ ॐ गनवगनुक ॥ ॥ ॐ ॐ यद्वनकं

20

15

10

5

यज्ञानं ॥ ॥ नमो निवृत्तयनिवृत्तय ॥
 ॐ ह्रीं क (श्रुति ४) मृगया मदवा र
 इय (४) मादु क्रियेयग ॥ मित्रे न
 लमुयुवा ० समनृ निविममदिद
 वरं यदायुं ॥ ॥ मित्रा नारा विरय
 ॥ ॐ दीद्या यम्बा ॥ कर्ण खाला विन
 ॥ ॐ मंदरा ॥ ॥ तादा नया विन
 ॥ ॐ स्वमि नन्द ॥ ॥ तामुका ग
 लविन ॥ ॐ समुदं श्रुता मलिनस्य
 मधुनायना नायुन विष्मना
 ॐ दायावडी वृषरा ननायगा
 ॥ माया दवा विमदमारु वसु ॥ ॥
 कृष्ण मंगुलि विरय ॥ ॐ य विरुषा
 ॥ ॥ कृष्णान वान मयी धि चि यव
 कपी धिन ॥ ॐ व कृष्णानी ॥ ॐ
 दं विष्णु ॥ ॐ नमः ॥ गुरुवाय ॥ ॐ
 तं विष्णु सह मा वि निवृष्ण गानि
 वासु येना ममद सा वि निखा
 र्धक वा म्यादं ॥ ॥ कृष्णान वान न
 गमृलिका लाहा तमशाल ॥ ॥ ॐ
 वासुदवा श्रुगं कृष्ण विष्णु नानाय
 र्धं र्नि ॥ नतना ममसुवा श्रुधर्ष
 यकि यमृलिका ॥ ॐ मधुका कन
 थका क विष्णु का कवमध्वन ॥ ३

हुता मित्रा रुत कृष्ण नग वा रुता ॥ मृ
 लिक वक्र दल चका म्भय ना रुवनि
 का ॥ मृलिक रुत मवा र्धन स्यादसु
 र्दित ॥ त्रयाद ततयाय तमद्येयाय
 ४ यमश्रुत ॥ य (ध) वा नय ततयक
 ॥ ॐ यदयक ॥ ॥ ॐ मृद्विललाटक (७
 चदयक यथा नयि ॥ वादुया म्भ
 दया वीयि ना रोयुष च द्वा दली ॥ ॐ
 ललाटक गवा विद्या ना नाय वम
 ॥ मदन ॥ माधवा ददय नमसा ॥ द
 विन्द ॥ कृष्ण कृष्ण ल ॥ ॐ विष्णु च दनि
 ॥ क (७) वा हो च मधुमूदन ॥ या म्भ
 दयार्थ वा ना रु ॥ ना रो च वि वि क
 म ॥ ॐ यदना र ॥ यदय (७) क क
 दा मादवा रुत ॥ ना नाय र्धन मम
 द्वितिलक स्या विधीयत ॥ ॥ वि
 र्धं मृन विद्या र्धं विन्द ॥ स्या नृत्य व
 म्भया ॥ मधु च ददु मृगुदा र्धं तिलक
 स्या विधीयत ॥ ॥ पुन वान कृष्णान वान
 मित्र मित्रयत ॥ ॐ मृनि वनय तव
 मवा विर्य ददे र्णकं ॥ तमवा धी दम
 रुय वामि मा मि ॥ ॥ पुन वान कृ
 मा नया लाहा गमल विरय ॥ कृष्ण
 नतथ मल खन द ॥ ॥ ॐ मृदि स्या
 मया रुव ॥ मित्र मि ॥ ॐ स्नात उरु

0

cmts.

5

10

15

20

दध्नागन॥ **याद** ॥ मदनवलयचक्रस
॥ **हृदय** ॥ **उं** याव॥ निवगमानम॥
॥ तस्य राजयनरुत॥ **याद** ॥ **उं** ॥
ताविममार्ग॥ निवसि॥ यदुदया
यकिन्त॥ **हृदय** ॥ **आ** याजनय
थचन॥ **याद** ॥ ॥ **यन** ॥ **गुन** ॥
लखविय॥ **क** मानवशास्त्रलिता
मृयाईकानयन॥ ३॥ ॥ **क** मान
वमृयाईकानयन॥ **उं** उदयंजागवः
दसंदयवदुक्तिकतव॥ **हृ** लविष्णु
यमृयाई॥ १॥ **उं** विगदवातामदम
दनीकं चक्रमिगस्यवृणस्या॥ १॥
आयाद्यावापृथिवीमृक्तनिद्रु
यमृयाईकानयन॥ **उं** गयः
दुदवदिनयवसाकुकमृचन॥ य
॥ मृमनवद॥ गं डीवन॥ वद॥
ग॥ गृण्यामनवद॥ गं यवृवाम
नवद॥ गं मदीनाम॥ मृमनवद
॥ गं गय॥ गं नवद॥ गं गान॥ मृया
क गनक॥ लखनमृध्वदने॥ ॥
गुन॥ **क** मानयादयं देमधिस्यति॥
उं ममवतं हृदयं दध्नामिममचिह्न
ममचिह्नं ग॥ ॥ ममवाचमृक
मनाइवमृवृदमृगिनिमृनिमृ
वकुमृयाई॥ ॥ **आ** वाथनकमा

नयालाहागडाडातामयवतः
दत॥ **उं** कानामासि॥ **क** मानव
॥ **उं** गमृय॥ गमृयं चयवतलीमृ
मृकतामममृदं॥ ॥ **गुन** ॥ **क**
मृवकचय्यासि॥ **क** मानव॥ **ग** व
ग॥ **गुन** ॥ **उं** मृनिनार्थसि॥ **क**
मानव ॥ **ग** वग॥ ॥ **गुन** ॥ **उं** ॥
दमृवकचय्यासि॥ **क** मानव॥
उं गवग॥ ॥ **गुन** ॥ **उं** मृहमाचा
यमृवासी॥ **क** मानव॥ **उं** गवग॥
॥ ॥ **आ** वाथनकमानयाडावला
हागडाडाडाडय॥ **उं** गय॥ य
विदध्नामि॥ **उं** यडायागयवयनि
दध्नामि॥ **उं** दवायवामविगयनि
दध्नामि॥ **उं** यावापृथिवीयान्ता
यनिदध्नामि॥ **उं** वि॥ ययवद
वय॥ यनिदध्नामि॥ ॥ **उं** य॥ **उं** म
वय॥ यवगय॥ यनिदध्नामि॥ **मृ**
निमृयागडि॥ ॥ **हृ** वनरुलक
मवलिवि॥ **ग** गयाग॥ **गुन** ॥
क माननवदुं जलियाया॥ **व** यादि
मादि॥ **गुन** ॥ **क** मानवाअनिकः
धु दयकाडा॥ **गुन** ॥ **आ** डावममृन
॥ **गुन** ॥ **क** मानडाकननधियकं
॥ **आ** वाथनकमानयाडावला

मं॥ उयमनकलानरुसवद्वय
॥ अग्निद्यानाम॥ उं समरुवान
य॥ सयायसर्ग॥ उं गतं द्वावी
र्यम॥ उं नवाद्यानन॥ चद्रुहामं
॥ सकडिद्रुहामं॥ यचवावर्ण॥
वक्रायुगीनवदलाकयालयजा
यगिअरुकलननागयकयक
दीनीलक्ष्मीनदकगयालमभ
समरुक्तमाकुमानीअग्निनीधु
गाद्रुगिर्मणवधुगयधीतनिधम
य॥ अग्निधुगाद्रुगियूधु॥ ० ॥

थनमायाययुडन॥ कुमानव॥
दमासनादिदेसाद्यचननयक
यवीनययधुयदीयदक्रिणदान
॥ योदियागुद्रुय॥ धुगाद्रुगिकम
वमकलमंगिलाद्रुगियूधु॥ कम
॥

नगगुनवमकुमानवदलनाकन॥ अ
वाथं वकधन॥ कुमानवमसवगवा
रुधय॥ गुनवमसमधम॥ ॥ गुन
ववक्रचयसीति॥ कुमानववरा
वीति॥ ॥ गुनवम॥ उं अयासानक
न॥ वदना॥ उं अमामि॥ ॥ गुनवम॥
उं अवाथकर्मकन॥ कुमानव॥

कनवामि॥ ॥ गुनवम॥ उं दिवासर्ग
माकन॥ वदना॥ नसूकामि॥ ॥ गु
नवम॥ उं वायं यच॥ वदना॥ यच
मि॥ ॥ गुनवम॥ उं निलयसोयीरव
॥ वदना॥ उं वारु॥ ॥ गुनवम॥ उं नि
संधायासर्नकन॥ वदना॥ उं वा
रु॥ ॥ गुनवम॥ उं मधुमामिर्वर्तनक
न॥ वदना॥ उं वारु॥ ॥ गुनवम॥ उं
अगम्यागमनवर्तनकन॥ वदना
॥ उं वारु॥ ॥ गुनवम॥ उं अचययिक
न॥ व॥ वारु॥ ॥ गु॥ उं गुनगुनव
वर्तनकन॥ व॥ उं वारु॥ ॥ गु॥ उं दव
धमवर्तनकन॥ व॥ वारु॥ ॥ गुनवम
॥ उं वदयावर्तनकन॥ व॥ उं वारु॥ ॥
गुनवम॥ उं यावद्रादयमामगाव
धनचनमि॥ व॥ वारु॥ ॥ गुनवम॥
उं गुनवमनउयाननचुगलिजयः
दादिवर्तनकन॥ व॥ उं वारु॥ ॥
गु॥ उं गुनवमनउचाववादनउचात
वाथवर्तनीयकन॥ व॥ उं वारु॥ ॥
गु॥ उं मासर्गदिवर्तनीयकन॥ व॥
वारु॥ ॥ गु॥ उं लयालयनसुगम
नवर्तनकन॥ व॥ वारु॥ ॥ गु॥ उं
अदकादानवर्तनकन॥ वदना॥ उं
वारु॥ ॥ नगायद्रुयायकलिमक

[illegible]

स्य ८

[illegible]

दि ८५१

20

15

10

5

दधुडाडडयउथ॥**उं**रुवगिरिः
 कामिददि॥**खाला**सचादलखग
 लग॥**उं**स्वमि॥**मा**मनयमाननकः
 लसीरिखाकय॥**गुन्या**नवच्छिवि
 यमाल॥**व**चिनवदयागडाथय
 ॥**रि**कामिदकिनाउन्य॥ ॥**रि**का
 मंदकिरुवगिनाउन्य॥ ॥**यन**४स्त्र
 तकस्यनियमागवर्कमि॥**गुन्य**॥
 यावइडयदमाभेतावमोर्तितु॥
वदनावारं॥ ॥**गुन्य**॥**उं**अधनय
 तंकन॥**व**वारं॥ ॥**गु**॥**पि**वागमदा
 नलवनवर्कनंकन॥**व**वारं॥ ॥**गु**॥
 कामादीगननृयगीनवाद्यादीनन
 क्योग॥**व**वारं॥ ॥**गु**॥**का**मिदुः
 गीतमयगीतवगीयनवावतनग
 क्कमि॥**व**वारं॥ ॥**गु**॥**अ**यनकम
 नकंगामानननगकु॥**व**वारं॥ ॥
गु॥**न**चधवतुडयानानाथदद
 वृकाभारुलपययगसंधिमथ
 वविदुनस्रानविषमलधनसूयव
 दनसंधादित्ययदगरेकनानिनक
 थोग॥**व**वारं॥ ॥**गुन्य**॥**न**रुव
 स्रानेरिदंडयतिः॥**गि**धुनव्वयः
 पावतीयुडयमवडायायानमय
 दनादित्यकुत्माननावदताकागला
 मिदिषुमी॥**व**दचतायदमनयग

कृगर्हनीमिउन्यगिबुयासकूलमि
 गिनकूलरुगालमिगिकयाल॥**व**॥
 वारं॥ ॥**गुन्य**॥**म**दिधनूविगिदधन
 न्दधननीयनीयमेनाचदीगाचला
 यामनगहितायारुमावुस्यगिबु
 नमूगयनीयक्योग॥**व**वारं॥ ॥
गुन्य॥**स्व**ययवीर्ककाधनमूडीगवि
 कृतीवाभानाकृदयीगदगवेतावध
 ग४स्यासर्वगआत्मानं॥**म**ययसर्व
 थामियमिय॥**व**वारं॥ ॥**ध**
गिधनकाउ॥ ॥**स**काकन॥**उं**अ
 मरिगागा॥**व**नयागि॥**म**निक
 थोधिक॥**व**ाकनयूडा॥**दि**नयूनी
 ॥**उं**यूवृदययनायग॥**म**मीसा॥ ॥
काग॥**उं**मुपेदा॥**अ**गुगंधादि॥
रुगिदिनयूनी॥ ॥

ग४सूर्यविचक॥**न**गगिमलवल॥
वदसयनाक्रमंधायाचक॥**उं**यूवृ
संधामनदगामधमक्रानकमीवि
मयनाक्रमुयासंधासूर्यनदग
वर्कित॥ ॥**गुन्य**॥**म**हायाहगिनम
रुगिविय॥**व**दआचोथयाउवम
गयावमाक्रानिकर्मयाचक॥ ॥**मि**
हाकादाय॥**उं**अनेमपुव४मपुवम
माकवृत्ता॥**उं**यधत्वमनयस

0

cmts.

5

10

15

20

ॐ उवमहंमनूयानां वंद्यनिविद्याह्वयाम ॥ स्वाहा ॥ ४

पुत्रासुमिस्वाहा ॥ ॐ उवमा० सुप्रव०
सोपुव० स० माक० न० स्वाहा ॥ ॐ यथैत
म० (नेदयानां यदुनिधियासुमिस्वाहा
॥ ५ ॥ अ० नि० य० य० ॥ समिध० द० ल० उ० द०
य० ॥ ॐ अ० (ने० सु० मि० धि० नि० ॥ य० न० ॥ मि० द०
का० दा० य० ॥ ॐ अ० (ने० सु० प्र० व० ॥ ध० न० लि० ॥
॥ ॥ स० र० या० द० नि० ॥ द० ल० म० या० नि० ॥ ल० म० नि०
क० यो० धि० क० ॥ वा० द० क० यो० द० ॥ य० व० ध०
या० दि० ॥ व० लि० य० द० ॥ ने० व० यो० द० न० ॥ व०
का० यो० अ० न० म० क० ल० ॥ धृ० न० दी० य० व० क० रि० का०
॥ या० य० धि० रु० हा० म० ॥ व० लि० रु० न० व० ॥ दे० दि०
म० दा० न० ॥ व० द० क० यो० यो० यो० द० द० ॥
य० वि० य० मा० य० न० ॥ स० प्र० व० य० म० न० ॥ ॐ
य० व० द० वि० य० ना० य० न० ॥ ॐ अ० या० य० स्व० ॥
अ० म० म० ॥ ॐ म० क० र्थ० ॥ जा० य० क० र्ण० ॥ ॐ
मृ० य० द० य० स्या० ॥ ॐ व० द० क० न० न० म० ॥ ॐ
क० व० न० गे० ला० अ० स्वा० मी० नि० खि० ल० ज० न० गु०
॥ स० व० न० म० क० व० क० ना० ना० या० यो० ल० क०
र० व० क० ल० य० रु० ना० द० व० व० क० यो० यो० ॥ द०
रु० ने० क० रु० ना० य० व० म० नि० ज० न० म० ग० व० दी०
ग० मृ० क० र्थ० ज्ञा० ना० मा० दि० द० वा० व० ल० व० य० न०
च० दु० न० यो० द० क० न० मा० मृ० ॥ स० गु० व० दि० मा०
ल० का० ॥ अ० गु० न० धा० दि० ॥ ॥ ध० मि० धृ० न० क०
ॐ य० व० व० द० न० (ने० रा० द्वा० न० व० ॥ अ० नि०
ना० नी० वि० ॥ अ० रा० र्थ० नी० वी० द० ॥ व०
का० यो० जी० ग० वि० म० रु० न० ॥ वा० च० न० डाले
ना० रि० ध० व० ॥ च० न० न० सि० न्द्र० न० स० गु० व०

नी० वी० द० ॥ ॐ न० नृ० या० (ने० मि० ॥ य० रु०
वि० म० रु० न० ॥ (ने० म० या० रु० मि० ॥ ॥
॥ मि० व० ग० व० ध० न० स० मा० क० ॥ ॥

व० द० रा० य० न० क० ॥ व० द० गि० ना० च० म० य० व० द० न०
य० व० रि० म० ख० न० क० यो० मि० म० द० द० डा० द० धुः
क० थि० का० र्वा० ला० जा० द० डा० ॥ रि० खा० रु० न०
मा० म० या० क० ॥ ॐ मा० ग० ॥ मा० क० न० मा० ह०
म० न० र० व० गि० म० द० रि० ॥ ॥ र्वा० ला० म० र्थ०
ल० र्वा० व० स० ना० ल० ग० ॥ ॐ स्त्रि० मि० ॥ ॥ रा०
या० ग० ल० म० ल० र्वा० न० य० क० वा० या० व० ध० रा०
क० द० य० ॥ ॥ ल० र्वा० डा० डा० य० य० ॥ ॐ
स० र्थ० मि० च० न० ज्ञा० न० ग० न० व० म० मि० ॥ ॥ व० लि०
वि० य० ॥ द० या० च० ल० ॥ ध० ल० र्वा० न० ॥ ॐ
य० धि० यो० स्वा० हा० ॥ ॐ य० धी० ना० जा० य० स्वा० हा०
॥ ॐ वि० य० स्वा० हा० ॥ ॐ ल० यो० स्वा० हा० ॥ ॐ स०
व० र्थ० या० द० व० र्थ० स्वा० हा० ॥ ५ ॥ न० ग० मि० व० लि०
॥ ॐ र० य० ग० य० स्वा० हा० ॥ ॐ व० व० न० य० ग० स्वा०
हा० ॥ ॐ रु० ता० ना० य० ग० य० स्वा० हा० ॥ अ० न०
जा० य० ॥ ॐ अ० न० य० ग० न० ॥ ल० र्वा० हा० न०
का० व० ना० न० ॥ ॐ अ० न० ध० न० रि० र० ग० य०
गु० हा० या० वि० धृ० ना० म० र्वा० ॥ व० र्थ० र्थ० र्थ० व०
य० द० न० मा० या० अ० मि० न० मा० मृ० र्थ० स्वा० हा० ॥
य० य० ग० म० का० य० ॥ अ० गु० ना० न० ॥ ॐ यो०
व० म० य० स्वा० हा० ॥ यो० ला० न० ॥ ॐ अ० या० ना०
य० स्वा० हा० ॥ द० ला० न० ॥ ॐ या० ना० य० स्वा०
हा० ॥ यो० ला० न० ॥ ॐ उ० वा० ना० य० स्वा० हा०

॥ हायचिदं ॥ उं समानाय स्वाहा ॥
 यूनर्लखनान ॥ उं अमृताया धन्यो म
 सिद्धा ॥ ॥ यथेष्टं राई कृता ॥ सुला
 काय ॥ नासिया ॥ यथकाय ॥ मस्व
 धुद्विविद्य ॥ ॥ गिरिस्थारुनविधि ॥

नाथो कृष्णं डितनयनं ॥ यथा कृष्ण
 लङ्का सिद्धा ॥ संध्याया यलाच
 कसाल ॥ ॥ कालत्रावदिता मध्या
 मा संध्या हलदायिनी ॥ अकालं व
 दिता संध्या संध्या वंधावधुविद्य ॥
 स्नानविधि धनका डामध्या कृष्णकाम
 ध्या ॥ अग्निं कृष्णमहा मया चक ॥
 अक्रान्तिकर्म रिकानं ॥ स्वयाना वि
 चकनमगव ॥

गगाय कृष्णं यदार्कविधि कृष्ण ॥
 वदयानि यस्मान् अक्रान्तिकर्म संध्या
 धनका ॥ ॥ पुनर्या निर्यकर्म धनका
 उं ॥ यथा दकया यमालहया ॥ वा
 द्या उं यदार्कमा गृष्णद्वारयदेकवृद्धि
 मद्ध ॥ ॥ निययिदवा कृष्णचात्रिया
 ॥ दक्षिणं गव ॥ स्वला मगव ॥ डिमृ
 सगव ॥ उकृष्णं गव ॥ स्वचायद्रुमगव
 ॥ वददीका मयणी यदान ॥ ॥ पुनर्या
 ॥ उं अद्यादि ॥ यथराडन ॥ वाक्काष्ट
 कलणवलि ॥ मगडा ॥ मगमसमगुद
 वदिदा ॥ मदिस्ववदमयूजा ॥ ॥

पुनरा कृष्णलोक मया य ॥ ॥ यथ
 रविधिमं कृष्णकलणार्जन ॥ अथय
 दासाधनं ॥ पुनरा कृष्ण ॥ पुननाम
 उं समकृष्णनेय स्वाहा ॥ पुनरादना ॥
 यिद्यथेष्टं नानावेका दिद्युता कृष्णि
 दद्या ॥ ॥ पुनरा कृष्णि यूर्ण ॥ पुनरा कृष्णि
 कर्मगिला कृष्णि कोत्रयत्यूर्ण
 ॥ ॥ अथयथ कर्मस ॥ कमाने पु
 न्याय वसस्विक मयी ॥ मनया
 चवयुवा रिमस्वतवान ॥ आचाय
 वचा मया यमयगीन ॥ कचा गिआ
 दिनवमूलखनहाय ॥ मयगीनज
 यल्ययुवक मगवत गय ॥ कृष्णमुनि
 यथीनी ॥ ॥ वदलखनहाय ॥ धमह
 यायाथ ॥ उं अद्यादि कृष्णदि ॥ यथव
 त्मयार्थ ॥ उं उदर्यताग ॥ ३ ॥ हदया
 लरनयुववत् ॥ उं समवतगि ॥ धगि
 धनका ॥ ॥ पुनरा कृष्णमालिमुख ॥
 वदयुवा रिमस्वतवान ॥ वदतगुन मधु
 लयाचक ॥ हवयाथ ॥ मधुलवाय
 हानगुनदागर्थ ॥ ॥ पुनरा कृष्णमादि
 यायामयगुद्धि ॥ वदतया मया
 चक ॥ वदतनयया वयदेदीका वि
 य ॥ उं अद्यादि ॥ स्वगत्त विद्युत्रियादि नि
 यज्ञं गृणीयय ॥ उं वृत्ता कृष्ण ॥
 अथवा ॥ उं कृष्णाय वन ॥ उं समिधा
 मि ॥ ३ ॥ धगिकन ॥ मालीवादि ॥ उं

20

15

10

5

वृत्तनदीक्षा॥यू०॥ ॥आचार्या
 अवसनयाववेअङ्गनिकर्मयाच
 क॥ॐ॥अ॥नस॥ॐ॥अ॥नस॥मि
 ध॥३॥ॐ॥अ॥नस॥पू०॥५॥यू०॥
 वृत्ताय्याविधिधर्मअङ्गनिकर्मया
 य॥रिखायदानर्त॥नमयानवर्ण॥
 ॥॥नमोआचार्याहोमंदाङ्गनि॥द
 भायागि॥नमिकयोधिक॥वाक्का
 युजा॥यवधुन्यादि॥वलियुदानं
 ॥नेवद्वेददर्शनं॥वाक्कागनसंकल्प
 ॥धृत्तदीयवृत्तिकाहामं॥वाक्काह्यदि
 धृत्तंरुद्रयाग॥१०॥वलिविसर्जनं
 ॥दक्षिणदानं॥नमिषव्यापनं॥नम
 ॥यू०॥ॐ॥यू०॥द्वेदयनायग॥ॐ॥अ
 यायस॥ॐ॥मं॥वदित॥४॥कमसनश
 रुनन॥आमसि॥ॐ॥मकुध॥जाय
 साग॥ॐ॥मृ॥वृदा॥अगर्गध्यादि॥॥
 वद॥नमरात्रावर्ण॥ॐ॥नम॥नम॥अ
 न्नीवीद॥ॐ॥अ॥निमृषियवमानः
 याचरुनययदाहितंनमीमहमहाव
 र्य॥ॐ॥अ॥मृ॥कर्म॥गुनव॥ॐ॥वृत्तन
 दीक्षा॥वटव॥॥धनवद्वयागरिषा
 कृय॥ॐ॥उनिष्वक्का॥॥वृत्तायुगी
 तविसर्जनं॥युगीनारिषकं॥॥ॐ॥
 तनूया॥नमि॥मंधकनवर्ण॥वृत्त
 यावरुमनवद्वनय॥ॐ॥ग्रायूष॥
 वृत्तायुलिषकं॥चन्दनसिद्धनसुः

पुष्पलीषाद॥समुद्रकलसा॥रिषक
 वृत्तायगमनव॥॥कलसेकाचक
 ॥यङ्गविसर्जनं॥॥वृत्तायकृत्त
 समामसादाउल्लिखलस्यहृ॥धर्म
 खना॥रिषकयाय॥यिनायकाउ
 कृय॥वाक्कागन॥ॐ॥वृत्तायय
 क॥ॐ॥निषदावर्णविधि॥॥॥

नमो॥वदितकर्म॥पुष्पलीषादिसह
 धृत्तवाक्कागनवद्वयागमसुसमसा
 चक॥मनिकृत्त॥मानविधियूवी
 दक्षकर्मध्यायायक॥अङ्गनिक
 मधुनक॥॥अ॥रिषावनमनय
 याव॥वाक्कागनेलकृत्तियाव॥या
 सउयाकर्मविधिध्याया॥॥
 खासयूजायादाकललिहावया
 वाडाकलसधायल्य॥द्वेदायाग
 निवृत्तुमहामयाय॥रुलकनमा
 लकागनगुनमालकागय॥आचा
 र्यवद्वामयाय॥गुनधमयादि॥ॐ॥
 अक्कीकर्मवृत्तवर्तनतिमिष्यर्थ॥
 वाय॥॥वृत्तवाक्काकलनमवर्तन॥अनि
 नाम॥ॐ॥ममृद्रवागनेयखाया॥वृ
 ताङ्गनितिलाङ्गनिकावयग॥यू०
 नं॥॥नम॥यथकर्मसवदेगुन
 याखडाससमिकसखन॥गुनन

कामवपुर्ववगमधवासादिकल्प
मुलियर्थीति विदयागविय ॥ अ
धवद्वरुसमगयावमयवाक्रमर्ध
याचक ॥ वल्लहलदडा ॥ धनादा
यमाल ॥ वदन्तुक्रुनिकमयाच
क ॥ उंमू (नगुपुव ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
युववग ॥ अवाथेव ॥ संखाइगि
दगयागि ॥ धूनक ॥ वृद्ध ॥ उंमू
य ॥ अमसा (नगवावेदीरिका
कय ॥ ॥ यरुविमर्हन ॥ कलेन
रिथक ॥ चन्दनायाणीवाद ॥ ॥
वदरायचक ॥ वाक्कमदिशार्थ
॥ ॥ गिल्लवदीकर्मविधि ॥ ॥

अथसमावर्तनविधि ॥ वदस्माना
दिनियकर्मधूनक ॥ धकादियरु
गिनधूनक ॥ यावदकयायमाल ॥
उंममावर्तनार्यदेकयवावदकवृ
द्धिगम ॥ वाक् ॥ अष्टकल्लमधु
वकाधगिसीर्थयाल्लयधन ॥
माइइकव ॥ गारुलयास ॥ मयुदान
ययगि (नगमवलिवदिद्वानाइन
दि ॥ रुलकनगयमालक ॥ ॥ उंम
यादि ॥ यरुगजान ॥ गुनूवकल
मर्हन ॥ गुनूस्मनवनासाधयाग

आमयुजा ॥ गमाद्वानाचन ॥ उंम
वायामि ॥ विलयाष्टकल्लयुः
जा ॥ यथम ॥ उंम ॥ १ ॥ उंम
य ॥ ॥ उंम ॥ विष्णु ॥ २ ॥ उंम
॥ उंम ॥ नावगी ॥ २ ॥ उंम ॥ २ ॥ उंम
वपुगी ॥ ५ ॥ उंम ॥ निलाय ॥ २ ॥ उंम
ईकवीयादिवाचय ॥ ४ ॥ वाथिवानि
विममनजा ॥ मिथा ॥ स्करायदक
न ॥ मधम ॥ विचकमा ॥ म ॥ धनूग
याविष्णुवत्ता ॥ ५ ॥ उंम ॥ नलाय ॥
उंम ॥ दिवावाविष्णु ॥ ५ ॥ उंम ॥ ययुवाय
२ ॥ उंम ॥ यगद्विष्णु ॥ १ ॥ उंम ॥ ययुमाय
उंम ॥ विष्णुल्लगा ॥ ६ ॥ म ॥ ॥ उंम
॥ २ ॥ उंम ॥ वदन्त ॥ उंम ॥ वदन्त
॥ उंम ॥ वदन्त ॥ ॥ उंम ॥ वदन्त ॥ उंम
गात्रमिद ॥ उंम ॥ वाक्कमसविगन ॥ म
॥ मवलिल्लममसादिल्लवदन्त
युजा ॥ मासादियकादिधूयदीयक
लनेवेडा ॥ चरुम्वमि ॥ उंम ॥ म्वमिन
॥ ५ ॥ उंम ॥ मनाइगि ॥ यगिद्व ॥ ५
यकाग ॥ अयगधदि ॥ धमिधून
काडा ॥ गुनूवकल्लिुकर्मयाय
॥ युववयधयधमविधिमकुवक
ल्लमर्हन ॥ ॥ वदय ॥ गिमकु ॥ ॥
उंम ॥ वदन्त ॥ चयोरु ॥ ॥ गुनूव ॥ उंम
यामि ॥ वदन्त ॥ गमाधयदासा

धनं ॥ अष्टादशमसिद्धिहारी ॥ डयन ।
 मनरुसुवदयन ॥ अनियाताम ॥
 डं सुयोनयसाहा ॥ ॥ मणुलाचन
 ॥ वदोदगि ॥ यद्वानुर्ण ॥ घृणाद
 गि ॥ घृणादुनियुष्म ॥ निलानुमि
 निमिनादुनियुष्म ॥ कलमिदय
 निष्ठा ॥ ॥ वदतम ॥ निविकर्मयाय
 ॥ यद्वतमसकुण ॥ डं सुन ॥ सुप्रव
 ॥ ६ ॥ कलनमिया ॥ डं गु ॥ यययय
 नं धूनक ॥ वडाया ॥ धमकागि
 ला ॥ धनलि ॥ ॥ यद्वयाखेवमवा
 दावगुनयाकवदनगुनमणुल
 दयाया ॥ ध ॥ गुनमुनिजाकावि
 लय ॥ वदकल ॥ डं लि ॥ धमपा
 डं वदकचयवग ॥ वदवगानां चारु
 मवग ॥ वगदादलवकाखिखधुन
 चवगमया ॥ डं कानवृद्धिर्वददहमा
 नीर्वादीददायुम ॥ युगयरांसर्वका
 वगमादकनवम ॥ सुगर्धदि ॥ गु
 वम ॥ डं सुमि ॥ ॥ यद्वमिदामनया
 यविनमसुसिकसकयगिमवद्व
 माचकन ॥ निर्मचुन ॥ डं वदकहनी
 ॥ वलि ॥ डं सुधवा ॥ वदवसनया
 यावग ॥ गुनवम ॥ सुदकलनयाल
 खकायाडागमुयागमरुमिरुमिगु

॥ डं अ ॥ सुगन ॥ यनिष्ठा ॥ ॥ यथम
 ॥ डं ग ॥ सुग ॥ दिगीय ॥ डं दयगुध ॥ व
 तीय ॥ डं मयूखा ॥ चयु ॥ डं मनाहा
 ॥ यद्वम ॥ डं सुवल ॥ वदम ॥ डं विने
 ड ॥ मयम ॥ डं गनदय ॥ सुदम ॥ डं
 वृद्धि ॥ धलखवदयादवतल
 म ॥ मनु ॥ डं ताद्विजहोयि ॥ यद्वम
 मडसुविष्ट ॥ ॥ यनवदसुदकलन
 यालखनमिडलरुम ॥ धमकाया
 वदय ॥ डं वदानकायावकलन
 या ॥ वलननधूनक ॥ मनु ॥ डं यावा
 चनसुमिवगुका मि ॥ धलखनकाय
 ॥ डं गनेलरिधिचामिलिययनम
 वदक ॥ वदकवद्वसां ॥ ॥ लखन
 हा ॥ डं यावाचनसुमिवगुका मि ॥
 लखनकाय ॥ डं मायादिदमया

॥ सुवसानडुदध
 गनमदवमयचदम ॥ ॥ लख
 नकाय ॥ डं यावाचनसुमिवगु
 का मि ॥ लखनकाय ॥ डं याव ॥ निव
 नमावमसुसागुयगदुन ॥ ड
 लमीविमामन ॥ ६ ॥ यनलखन
 हा ॥ डं यावाचनसुमिवगुका मि ॥
 लखनकाय ॥ डं गमा ॥ सुवनेमाम

हा। यस्यादयाजिनधस्यायाउनय
 थअचन॥५॥ गृष्मीनहाय॥६॥ यून
 लेखनहाय॥७॥ यावाचनसुमिव
 गृहमि॥ गृष्मीनहाय॥८॥ यूनलेख
 नहाय॥९॥ यावाचनसुमिवगृहः
 मि॥१०॥ ॥ यस्यागयाकायउका
 य॥ गमनलेखनकाय॥ ॥ मज्ज
 गास्यकाय॥ वदनसुखला॥ मज्ज
 उदकधिसयिन॥ उदकसुखन
 दयागमसमदवाधमविमधु॥ य
 थय। सुधवेयमादिर्यवगतवा
 नागमासुदिनस्याम॥ कवठमि
 चकिर्मियागवागिकागायावचु
 रितन॥ ॥ वदमववमुनयय
 क॥ वदनामियावसूयाद्यया
 य॥ उदयडाउरुयुविन्दुमनूहि
 नरुयागयावहिनरुगदलनि
 नमिदगमनिमीकवमिदिदमाय
 मय॥ यून॥ उदयडाउरुयुविन्दु
 मनूहिनरुमदमुममिर्मिसरु
 यनिमीकवमिदिदमगमय॥२॥
 वदननानवाचक॥ मामवानक॥
 वदिसिनधियक॥ कामसलखल
 खक्य॥ धकाकलखसरायव
 कामलधनितय॥ ॥ नडवान॥ न

उदयडायाय॥ दक्षिणचन्द्रम
 लकोविय॥ धलखंलावमालः
 समखाचक॥ लमियाचक॥ यिव
 नयडाउरुयुयक॥ उदकनव॥
 दविनसिनवावयक॥ मल॥ उदय
 नायाययुदध॥ सामावाडायमा
 गमन॥ सममखयमाकनयसा
 चरुगनच॥ तामिचक॥ उदयस्य
 न॥ वदयागनसाकविय॥ कवय
 क॥ चन्दनादिगृहकंकुर्मवाना
 मिकयामिखरुसुद्ययनसर्विड॥ उ
 याधयाधेमनययग॥ उदयकर्म
 ययग॥ उदयगमनययग॥ लाहा
 तसिय॥ ॥ वायदतसा॥ उदका
 जलिर्वसगय॥ उदकसुधध्व॥ ॥
 वायमदतसासुयसयनगिलाद
 कगय॥ दक्षिणरिसुखन॥ उदय
 थगमगामुकयिगुयधनामगमि
 गिलादकयिगन॥ सुधध्व॥ उदयस्य
 न॥ ॥ लाहागमिचक॥ यूनचन्दनवि
 य॥ वदनयय॥ उदयचक्राहमीदि
 यारुयास॥ सुवर्चासुखन॥ सुधग
 कर्ण॥ यारुयास॥ सुवर्चासुखन॥ सुधग
 यून॥ यूनययचक॥ सुधकललन
 ॥ वदधवशुलिनी॥ उदयगमन

मया कर्माणां काय ॥ लासाह गजाक
 रूलक ॥ लकृह कर्मका ॥ कलवगः
 काथया ललका मकृचिडा उडानक ॥
 थकृह वगस्य दलन कनडा न ॥ ह ॥ थ
 याधयना ॥ वायनय विविध धाम्य
 गडा उडान ॥ गय मिधुजान कन
 हा मालका मविच ॥ वाधावदायका
 उलिह उडान ॥ ॥ दान मलमि मूल
 ख अलाधस्य दतयन ॥ यरु सिहा म
 न मजव मस्य मिक मस्यन ॥ ॥ गग
 पुनका दलन यागि ॥ मस्या दूत ॥ वा
 क्कण यूजा ॥ गगनिक योष्टिक ॥ यव
 धन्यादि ॥ वलियु दान ॥ नेवशा दिव
 र्गन ॥ वाक्कण दिम मून मकल्य ॥
 घृता दीय वृत्तिका हाम ॥ घृता दूति
 ॥ १५० ॥ गग १५० यष्टिक हाम ॥ गि
 यष्टु वाक्कण ॥ यष्टुया दि ॥ गग यगी
 ॥ उड वकृगस्य ॥ याग मद्रुति ॥ यष्टु
 स्वमि ॥ यवधान्या दिवृत्तिके वलिय
 याग ॥ मणव घृगयागन ॥ दक्षिण
 दान ॥ वाचन ॥ उम मिगी यान ॥ यगी
 गारिथक ॥ यविगु ॥ उम यम यान
 वति ॥ वक्कण यष्टुयाग दल ॥ ॥ उव
 मवक्कण याग याव मयूयु दनि ॥ उं
 दवाग मयु ॥ उं मयुया यष्टु ॥ मयु मयु ॥
 उं मयु मयु मयु ॥ जाय मयु ॥ उं मयु

का ॥ मयुग मयुदि ॥ दव कलन मयुचा
 र्थाणी वीद ॥ वक्कायुजीन विमर्हन ॥
 वक्का कलन मयुन ॥ गग कलन मयुजी
 गारिथक ॥ वक्का का वक्का यष्टुयाग
 ॥ उं नयुया मयु ॥ उं गुया यष्टु ॥ मयुन
 दा कमानवा दिनतय ॥ यष्टुया यव
 मवाक्कण याग याव निमिहन ॥ उं
 नकाहन ॥ वलि ॥ उं मयुया ॥ वाक्क
 कलन मयुथक ॥ चन्दन मयुन म
 गुजीनी वीद ॥ मयुमान गियुगिष्ट
 ॥ ॥ वलि उडा दिवा चकल काय ॥
 यष्टु विमर्हन ॥ मयुहाम ॥ मयु
 मयुयाग ॥ धाम मयुथक ॥ मयु
 मयु ॥ ॥ मयु मयु वरुन विधि ॥

वदयकृता मयुथक मयुव ॥ यष्टु दकृ
 मयुमान यावक ॥ ॥ धर्तलिल वरुन
 यष्टुयावका तादय ॥ कागाल मलखत
 यावयुजा यादडा ॥ वरुन मयुन मयु
 र्थायाचक ॥ उं मयुयादि ॥ वाला कल्य ॥
 मयुथक मयुन मयुन मयुन मयुन
 वयामिददि ॥ मयुथक मयुन मयुन
 ॥ ॥ मयु ॥ मयुग मयुदि ॥ गगल मयु
 थक ॥ मयुजी वीद ॥ धन मयुथक
 क ॥
 मयुन मयुन विधि ॥ वाग मयुथक ॥ ध

यथादकसनावजनिन

वहवयाचनिनिथं॥कायनाययू
जा॥दमुलियूजा॥यगुजागमदिको
मानियूजा॥॥रुविनगवृन्दका
॥यसादयिमिति॥दामनयाकम
ला॥लमास्य॥दत॥कमावचान॥ध
दोकाधमुलिसदय॥चन्दननिद्र
नमगुणमीवोद॥सक्रयतनोरु
न॥गयकलकार्क॥॥गिवुतव
धनविधानमयूगु॥ ॥६३॥

शुनमावका॥अथविदोवोवि
धिलिष्टा॥दीनकंवावतयक॥
यथादकयाय॥एकविंशतियक
विवाहदण्डिदिन॥गिनयचवगाद
ल॥लमास्य॥दत॥कमावचान॥ध
दोकाधमुलिसदय॥चन्दननिद्र
नमगुणमीवोद॥सक्रयतनोरु
न॥गयकलकार्क॥॥गिवुतव
धनविधानमयूगु॥ ॥६३॥

नववजिन. क. म. पु. तावजिन

नववजिन. क. म. पु. तावजिन

याया॥यितायानिमकुचय॥चायूजा
काय॥गुनिचक॥॥वक्रनिचाय
कूहवदकाय॥दसवदथककगव॥
माचाथगदसवयायमयाता॥॥
वाकगवाया॥यूजा॥वाकगवाया
वक्रनिचाया॥गवृन्दकायूजा॥जा
यकाय॥थकादिनीनवाकगवाला
मालावसमिकसखन॥निर्मकन
॥वलि॥मलासशखानगनक॥मा
ययर्थनधूनक॥मगरुताउचान
वाय॥सगुणनवाय॥गवृन्दका
नवाय॥वाकगवाया॥गवृन्दका
कावाय॥वक्रनीचाया॥गवृन्दका
कावाचकलकाय॥वाकगवृजा
दकिगन॥वाचनजलनागिअ
क॥चन्दननिद्रनमगुणमीवोद॥
सक्रयतनोरुन॥गयकलकार्क॥॥
गिवुतवधनविधानमयूगु॥ ॥६३॥

सतिककूयागनादि॥घटितयक॥व
काकललनागयकयकदी॥लकी
सगुणग॥लवलि॥गयमसवदिवा

कय

20

15

10

5

0 cmts.

5

10

15

20

नाम्नादिमालकारुलकन॥**धिकादि**
आदिन योनिकमधूनक॥**यिनाय**
काय॥मलकं२॥**मयशममाला॥**मू
 निनिमध॥**धिकादि**कय॥**रुनिनिधस**
तलिमास्यदूकाय॥॥**धिकादि**याव
दकयाय॥मयरायवकाचन॥**ध**
वशययकायनागयकयद्विणी
 गीलक्रीद्विह्यरुन॥॥**यनचदि**
डाडामाकनडानमरुना॥**ध**॥**म**
नलिकाययाव॥॥**यकमठयय**
यकलिमस्रसिकमस्रन॥**लासाव**
निर्मकनन॥**डन**काकन॥**वलि॥**
डंमधय॥**लखन**काय॥**मस्तिन**
रुन्दा॥वकादियाककननक॥**मा**
व॥यययानिप्रुमूर्कि॥**मूर्कि**
ननिवासिन॥**मृष्टिक**कीमकानिः
नमेवकनमासुन॥**मगर्ग**धादि॥
मगरगाठयानमगुननवाय॥**डं**
मसननि॥**यय**मगुलशनयादिन
निविनवाय॥**वका**दिस्त्रयादि॥**मा**
कय॥डंकादिग॥**मृष्टा**दियादानं॥
यनय॥**या**दिमूर्द्राकंमृष्टि॥**मृष्टा**
दियादानंमिनि॥॥**ध**॥**धिका**नन॥
डंदीदीयुक्ता॥॥**यन**नादिसगु
मनीदीदी॥**म**रुमाननियुनिवृ॥

मासधय॥**या**चकावलामालावयदा
डाचरिनन॥**क**वूयक॥**म**उयूडाया
डाडाद्विणविद्यावलसियाचक॥
मालकयक॥**म**रुवृम॥**ग**यक॥**ध**॥
मिमाकयविधि॥०॥**म**विनक
ल॥**म**लीवगुठ॥**म**रुकलनन॥**म**सु
वलि॥**म**लजा॥**माल**कारुलकनन
यावगय॥**य**धविधिनाकलनध
न॥**जा**यमगययनंधूनक॥**ध**किदि
नीनवकूदिचालामालावस्रसिक
मस्रडाडानिर्मकन॥**व**लि॥**म**ग्नि
नारुनका॥**या**दिनलिमिचयमगुल
मसगुननवाय॥**मा**कयद्ववय
ध॥**य**ननायालीदीद॥**म**रुमान
मियनिवृ॥**मा**सध॥**या**डाडालाः
मालावचरिननयावकवाय॥
लमियाचकनानयाचक॥**म**रुवृ
म॥**ग**यक॥**ध**मिगुनिचायामा
यविधि॥**ध**कलनध॥**ध**न॥॥

मधवाकूठचाधिकादिनीनलामा
 लावयकमगुययायकलिमस्रसि
 कसम्रडाडानिर्मकन॥**व**लि॥**म**ग्नि
नारुनका॥**म**गुनसदकायवाहन
याशनदामनिकचिलकचिदानन
य॥धधलनविच॥**डं**वसायवि

॥ यमादयितिनिसनावसरुनिनिन
 यागश्लोकवृद्धकामस्यन्ताय ॥ ॐ सुमि
 मःमिमी ॥ ॐ गानात्रमिदु ॥ रुनिनिदुय
 ॥ ॥ लगवृद्धकानकुरवायक ॥ ॐ सरु
 साठि ॥ सनावयागश्रविय ॥ ॐ यजा
 यगन ॥ लवगनगचगैक ॥ ॐ हिनय
 गक ॥ धमकल्लल्लल्लल्ल ॥ सननावाय
 ययदनामकुरय ॥ ॐ हृदविषु ॥ स्वा
 नविय ॥ चन्दनाशालीवृद्ध ॥ वादा
 वनकुरय ॥ अनितिनवाय ॥ ॐ नमः
 गीरवाय ॥ हामानगल ॥ ॐ गववा
 य ॥ सरुआनगियगिष्ट ॥ मासध
 याय ॥ लामालावटायकजीवसगु
 वधविशालायक ॥ वाक्कगचा ॥
 ययकल्लककुरय ॥ लगवृद्धकासुनि
 नितासगिय ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥
 ॥ अथयितिनिसिन्दुवृद्धायाचक ॥
 ॐ जाम्बीनिलगुञ्जगुञ्जगीरुचा
 डक ॥ लवगनमकुरकालाडाद्वृद्धक
 कुमगय ॥ धमिमिधुक्कयसवाय ॥
 धकादिन ॥ ॐ अडादि ॥ ययगजर्न ॥
 दवकुरनयधविधाननकल्लमवृद्ध
 ॥ चन्दमगुलसवाल्लमचन्दन ॥ यि
 गितिमनवयद ॥ कल्लगयाववम
 सगुलयादवगननिकि ॥ चिद्रमृदव
 लममिधुमृदचिद्रमृगुलियोगक
 कागनयस्यगय ॥ कल्लगयाडा

वसमगुलसमिन्दुविमानयानमृदगव
 धमिधुमृदयागमृगुलिसिन्दुविनव
 मतक ॥ दवदुल्लल्लयग ॥ वकिवृज
 न ॥ गववलिदहिद्वानाङ्गनादि ॥ य
 जा ॥ धूयदीयजायकाग ॥ वाक्क ॥ ध
 दिवृजा ॥ अन्नमकल्लयावाक्ययाय
 मतव ॥ वाक्क ॥ लनगनिकयद्विक्
 य ॥ ॐ ॥ धकादिनीनकन्यालामाला
 वस्त्रमिकमनन ॥ निर्मकुरन ॥ स्वन
 गनकमगुलमगुलययर्न ॥ मगकग
 उवातनिकिसानवदक्कयावसगुन
 वाय ॥ निकिसानखववाकावसया
 कुरयर्न ॥ चिद्रमिधुमृदनवाय ॥
 यातकुरगनगलाल्लिदिन ॥ चिद्रमृ
 गुलिविय ॥ मिधुक्कय ॥ चन्दनादि
 सगुलमगुलवृद्ध ॥ सरुआनगियगि
 ष्ट ॥ ॥ वकिविय ॥ यदुलिगय
 कुरय ॥ दद्विगदार्न ॥ ययमाल
 वग ॥ गक ॥ गयविय ॥ कल्लगयि
 यकचन्दनायादिसगुलमगुलवृद्ध
 सरुआनगियगिष्ट ॥ द्वाविवाका
 य ॥ कल्लगसगुलयितिनिकुरय ॥ च
 न्दमगुलसवादिमिधुविय ॥ मास
 धमृयाचकाडालामालाडायन ॥
 गिमिधुक्कयविधि ॥ ॐ ॥

अधकन्या आकाशं हि या यमोऽन॥
 साक्षलयादाकलपयाच्छवनस्वसि
 कसमान॥ निर्मलकुनादि॥ मगरुता
 चानसगुणयसादयितिनिरुतिनिग
 नवृन्दकातायावत्ताय॥ रुतिनिच्छाय
 ॥ गतवृन्दकालवर्गसलावद्विय॥ अ
 रिषकचन्दनाया॥ जीर्वादि॥ वंदावन
 छाया॥ सरुम्भानगियगिष्टा॥ मामनव
 दावनकृयमाल॥ मामधमृयादाडा
 करिनगयावस्वसिकसमान॥ गा
 यवजिसगुणध्वितकवक्त्रनचारु
 नीनिगनवृन्दकाकातायावनय॥ वृति
 वक्त्रनचायारुतिनिच्छायविधि॥ ॥

१॥ तद्गन्धो जामाता मम न विधिः ॥ ध्वज
नमः ॥ ॐ यथादि ॥ यथा राजन ॥ गुन नम
स्तुते ॥ न्यासाद्यथा यथा ॥ ॐ जामाता
विष्णु मूर्ति यथा दमा सनन मः यथा ॥
मामा न्यासादाद्यथा साध्य चन्दन
यथा वा धुन धूय दीय मृग गन्धवि
॥ जामातुन यम तुलका नयन ॥ यथा
द्वर्गगुहीला ॥ ॐ यथा नन्दन वज्र
हता दद्यामहा मना ॥ मदा सकयुनि
नायुधीनया यथा यक्त कर्मसु ॥ ॐ म
मृकटय मदन यन्निगन्धनी गलाग
रादाय विगुहार्थं मिवा मिगन्धवा

[illegible]

उं बुधाय ॥ उं वक्राय ॥ उं नू
 दाय ॥ उं गद्यय ॥ उं गुनय
 नय ॥ उं दानया लाय ॥ उं हृदया
 लाय ॥ उं भावनय ॥ उं भू
 ननाय ॥ उं स्कन्दाय ॥ उं नाला
 य ॥ उं यज्ञाय ॥ उं यज्ञाय ॥ उं
 कल्याणाय ॥ उं कर्तुकाय ॥ उं
 हृदयय ॥ उं प्रताय ॥ उं
 ॥ उं दाय ॥ उं गलिय
 य ॥ उं मृगदाय ॥ उं य
 र्वदाय ॥ उं सामवदाय ॥
 उं अथर्वदाय ॥ उं ब्रह्मा
 ॥ उं माह ॥ उं कोमा
 उं वक्राय ॥ उं वक्राय ॥ उं
 दाय ॥ उं वक्राय ॥ उं म
 हाल ॥ उं भूनिमधुलाय ॥
 ॥ उं सूर्यमधुलाय ॥ उं मा
 धुलाय ॥ उं वक्रिमधुलाय ॥
 उं जामाहमधुलाय ॥ उं हृद
 याय ॥ उं भिनम ॥ उं शिखाय
 ॥ उं कवचाय ॥ उं नृपयाय
 ॥ उं भूमाय ॥ ॥ प्रव चन्द
 नासिन्दु न यक्षाय वीग पृष्प

वाञ्छादन. रुल. गाम्बूल. भवेय.
धूप. दीप. दक्षिध. प्रणिष्ठा.
स्तोत्र ॥ ॥ ॐ जामाह मधुलाय
नमः ॥ ॐ मधुलाय नमस्तुभ्यः. स
र्वगत्वाधिपाय च ॥ हस्तुवः स्वः
यकाहभय. मधुलाय नमः
॥ भूयगन्धादि ॥

गतः स्वधुनधवधकुलिनाप॥
 ७ ॥ उं नमाजामाय ॥ उं सर्वदव
 मयस्त्वं हि सिद्धगन्धर्वकिन्नरा
 : ॥ ॐ न्यायालीकयालाब्धः ज्या
 याब्धमाष्टकाः ॥ सयाजामा
 दियक्षस्यः वक्रविष्महध्वरा
 : ॥ जामागविष्महध्वराः सामा
 कानिलमधुलम् ॥ हर्षवः स्व
 ध्वलाकेशः दिक्कालादिवज्र
 र्णवः ॥ गवदहस्थितानित्यं
 नमाजामाष्टदेवता ॥ ॥ भूय
 गन्धदि ॥ ॥ ॥

स्वशुभं वध्वं कुलिनाय १०॥
ॐ यदित्वं यतिमानस्य ॥ दृष्टादा

20
षविर्जितः॥ वृत्तं कन्या प्रदास्यामि
दवाग्निगुप्तसन्निधौ॥ ॥

जामाताय॥ ॐ यदि कन्यायु
रक्षयतां दक्षदायविवर्जितां॥
गदाहं प्रणिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निधौ॥ ॥ ॥

15
स्वर्गुत्तम॥ ॐ भ्रामन्निधौ कन्या
कस्मिन् सुशीलसुमना एवः॥
यश्च ह्यगात्मकः साक्षी दक्षयं
कन्यकामया॥ ॥ ॥

जामाता॥ ॐ उलथा कलशुद्ध
र्थः सुव्यामयिकन्यकां॥ भूव
रक्षम्युनिगृह्णामि दवाग्निगु
प्तसन्निधौ॥ ॥ ॥

10
स्वर्गुत्तम॥ ॐ शुभहनिस्तन
रुग् सुव्यागकन्यधन्वितां॥
गस्मिन्निधौ समावाहक गदि
नविजयी एव॥ ॥ ॥

सूर्य॥ ॐ भ्रामन्निधौ॥

गद्ययति॥ ॐ गद्यनोत्ता॥

नृपध्वन॥ ॐ नमः शिवाय॥

चामुत्तम॥ ॐ यागवदक्ष॥

हनूमन्॥ ॐ तीव्रानुधाया न॥

गद्ययति॥ ॐ नृवाह॥ ॐ गद्यनोत्ता॥

प्रिलिखध्वन॥ ॐ नमः शिवाय॥

ॐ वात्सल्य॥ ॐ यागवदक्ष॥ ॐ समर्थ॥

लीमस्तन॥ नमः शिवाय॥

मधिकुमान॥ ॐ ॐ संभवतु॥

कृत्तिका॥ ॐ भ्रामन्निधौ॥

वृंग॥ ॐ भ्रामन्निधौ॥

वेद्यवी॥ ॐ विद्यावतामसि॥

स्थान॥ ॐ नमो वत्स॥

पंचाग्नि॥ ॐ भ्रामन्निधौ॥

भूलिमल्लकेश्वर॥ ॐ ॐ दंवि॥

धनं ॐ ध्वन॥ ॐ नमः शिवाय॥

मानसवत्स॥ ॐ भ्रामन्निधौ॥

विश्वनाथाय॥ ॐ श्रीशिवदा॥

रुमान॥ ॐ यदस्कंद॥

सिद्धिलक्ष्मी॥ ॐ हिनक्षत्रध्वन॥

पृथ्वीनामध्वन॥ ॐ यागवदक्ष॥

गृहलक्ष्मी गणकमग्नक॥ धनं

वृत्तायादक्षयिनि॥ ॥

20

15

10

5

0

cm's

5

10



अथर्वदयाश्रवणमासयाश्रवण
नरुयकू उयाकर्म ॥ ॥
यशर्वदयाश्रवणपूहिमाकू
कू उयाकर्म ॥ ॥
सामर्वदयाश्रवणमासयाश्रवण
नरुयकू उयाकर्म ॥
अथर्वदयाश्रवणमासयाश्रवण
यायेवमिकू उयाकर्म ॥ ॥
प्रागसंध्यनरुया मध्यमनवि
मरुके अयनाकू गुयासंध्य न
विनरुयवर्जिता ॥ कालनिर्याय ॥
कालसंवन्दितासंध्य सासंध्य
रुलदायिनी ॥ अकालवन्दिता
संध्य संध्य बन्ध्यवधूनिव ॥
कालव्यागिक्रमदायः ॥ ॥

गतः स्वर्गं नमः पुनस्तु यमं गृ
हीत्वा य १०७ ॥ ॐ भूमिभूमि
जामातः स्मयापुस्तनवर्द्धिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूमि
विजयी एव ॥ ॥ भूमिनाद
यादि ॥ भूमिनादि ॥ समर्प्य ॥
ॐ कन्यादानं प्रदास्यामि ॥

जामाता ॥ ॐ भूमिभूमि
मि ॥ ॥

स्वर्गं नमः पुनस्तु यमं गृ
हीत्वा य १०७ ॥ ॐ भूमिभूमि
जामातः स्मयापुस्तनवर्द्धिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूमि
विजयी एव ॥ ॥ भूमिनाद
यादि ॥ भूमिनादि ॥ समर्प्य ॥
ॐ कन्यादानं प्रदास्यामि ॥

जामाता स्वर्गं नमः पुनस्तु यमं गृ
हीत्वा य १०७ ॥ ॐ भूमिभूमि
जामातः स्मयापुस्तनवर्द्धिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूमि
विजयी एव ॥ ॥ भूमिनाद
यादि ॥ भूमिनादि ॥ समर्प्य ॥
ॐ कन्यादानं प्रदास्यामि ॥

गवधः ॥ यहा नाशानि विनिर्दिष्टं
घृगस्थिता ॥ यमं यमं ॥ गिरि
दना घृगस्थिता ॥ यमं यमं ॥
कन्या ॥ ॐ विनाशानामकामं
घातं भूमिभूमिनाः ॥ विनाशाना
मभित्तं देवताः ॥ यमं यमं ॥
नामरिचूपाकयक यथ यथ
नामगदाचक यमं यमं ॥ यमं
यावर्त्तं नाथलाकं यमं यमं ॥
यमं यमं यमं ॥ स्थलहिमवाना
मिभूमिनाद यमं यमं ॥ विनाशाना
माकर्वं गंगामानम यमं यमं
गं च ॥ गंगा दक्षिण ॥ यमं यमं ॥
यमं यमं यमं ॥ यमं यमं ॥
गदना विनाशः कन्या दक्षिण
नाहिविनाशमधुघा भूमिभूमि
नाः ॥ गिरिदना कामधुघा भूमिभूमि
मानाः कन्या ॥ ॥ दक्षिण ॥ ॥
भीर्वादि ॥ स्वर्गं नमः पुनस्तु यमं गृ
हीत्वा य १०७ ॥ ॐ भूमिभूमि
जामातः स्मयापुस्तनवर्द्धिता
॥ कन्यादानं प्रदास्यामि भूमि
विजयी एव ॥ ॥ भूमिनाद
यादि ॥ भूमिनादि ॥ समर्प्य ॥
ॐ कन्यादानं प्रदास्यामि ॥

गतः कन्यादानविधिः ॥ वहिः सा

लायजिमतमादायाह॥आसनसु
ययन॥प्रमवगकधन॥उंसाधूर
दानासामयिआमाशवर्क॥
जामा॥उंमृचय॥॥प्रमवगविम
नदयगृहीत्वाय०ग॥उंविमवाः
विमनयिगृह्णतां॥

जामा॥उंविमनयिगृह्णतां॥
उवनिष्ठासिममानानामयगामिवसु
य॥ममगिनिष्ठासिमाकप्रिदा
सगि॥उकमासनयननवयादामन॥
प्रमवगयाइगृहीत्वाय०ग॥उंयाइ
याइयिगृह्णतां॥०॥जामा॥उंया
इयिगृह्णतां॥उंविमजादाहामिवि
नजादाहसमीय॥मयियायायेविः
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥
जामा॥उंविमजादाहामिवि
नजादाह॥१॥

तग० धर्मसूत्रेण जासुवमंदाययता
धवतिविय॥ ॐ मूमडातादिवगनिच्छेत्
१४ यदातानमाविस्ते ॥ ॥ जानाविय ॥
ॐ यरूयवीतं ॥ ॥ लविय ॥ ॐ यनि
यल्लेखीदीर्घायुस्त्रायजदक्षिन्नन्ति१
नर्तयजावामिसनेद४यूनवीनायम्या
यमरिसंघायिष्ये ॥ ॥ जानियविय ॥ ॐ
यनंदायवृहतिर्वास४यर्थदक्षमृग
त॥ नतव्यनिदक्षम्यायवदीर्घाय
स्त्रायवलायवस्त्रे ॥ ॥ नविय ॥ ॐ

[illegible]

नतः ४४ मन्त्रकन्यां गृहीत्वा जा माः
 गृहकन्यायां द्वादशस्य नतमस्तु ४॥ कन्या
 या खवस ॥ जिनया उवस ॥ ॥ उं स
 मं ३ यनु विष्टदवा ४ समाया हद
 या निमो । सुमान निस्वासेधा ता सम
 वृहीदधा उतो ॥ २ ॥ द्वायाय ० दिने सम

उही गमलाचा वरुण ॥ अर्धो जामा ॥
यश्वरूपसूत्र ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

गणकन्यादानं कथ्यते ॥ श्वशुरवत्कूलद
दिगर्भं ॥ इत्यादि वृत्तनाडादय
मादित्यदेवता विद्यामोविष्णुनृत्यलय
निगृह्णत्वयं विधिः ॥ अग्नौ विष्णुकल्पि
तज्जायं सालिका न सहिता यत्रालिका न
रहितकन्यादानदागर्भं ॥ ॥ ॐ

[illegible][illegible]

20

15

10

5

ता॥ॐ॥अथयदयददगिकामेनेवगददाः
 तिदंमयामूडामदिमिनगुयथनिकादाः
 कमादाकामादाकामायादाकामादा
 गिकामयुगिपुहीगाकामेनक००॥तिगई
 वतायाअतिदिनगितदाकृन्नेदवताया
 अतिदिनदिदमेजादवता॥ॐ॥समिधमा
 दीशमानाध०॥यसीरवतीदमेज
 सिन्ननावयोदधनिसदीशमान॥वपुः
 पुन्यांरवनिध०॥वहवेपुयारवतिय
 एवविद्यान्युगिपुक्रातिगयथासमिधइ
 रुयादवमगांरुहागिजामधीयतददा
 गितमादधीयतागिदिन॥॥ॐ॥ध्रुव
 मि॥ॐ॥अथेवमरियद्यवाचयगिध्रुव
 सिध्वार्ययजमानामिन्नायतनयुजाया
 रुयादिगिमपुगिनिगिर्वयंकामयन
 सामेकाम०॥मृधुत॥॥ध्रुवगदकि
 णविय॥ॐ॥नतर्कन्यादानकृतयगिपु
 र्थदिन०॥मनिदवर्गजामगुदकि०॥पु
 र्यमईसंयदद॥अगुनंधादि॥॥जाम
 गदकि०॥वधुजयित्वा॥ॐ॥अ०॥०॥लिप्त
 नावृष॥ॐ॥अ०॥०॥लिप्तनावृषेरातरीमा०॥
 येन्यागिपुयाद्वानदरुवगिद्वदनमामा
 ०॥संवत्सरेमध्वसाराजिथीवानाजिथीव
 ययमगगावनेवेगदकि०॥गामूनव
 दा०॥मि॥॥जामागाम०॥मिथक॥ॐ॥य
 वमयत्वा॥ॐ॥यालागंरवतिगतवाकृ०॥
 रिथिवगिपुक्रवेयनासोवक्र०॥०॥येन
 मदंतदरिथिवति॥यध्वककल्या०॥इहा

गिया०॥विकल्यामृगमवृया०॥अमृग
 नेवेनमगदरिकिंयगिसव्ववामवका
 म्वायअवदाना०॥०॥मायत्सामसव्वका
 मवगददाना०॥०॥सनारिथिवति॥॥च
 दन॥ॐ॥अदइक॥मिन्दुन॥ॐ॥वृजविष्ट
 दा॥अ०॥ली०॥दी०॥ॐ॥कन्या०॥वहनुमता
 उअघना॥रिवाकलीमि॥यगिसामसूर्य
 गयययक॥युगस्यध्वनामृगिवत्यवक
 ॥ॐ॥वमाकन्या०॥वहनुमता॥वकृ०॥
 त्तामृजानामरिवाकसी॥यगिसामसूः
 यतयगुयक॥युगस्यध्वनामृगिवत्य
 वक॥ॐ॥अरिवर्वसथगिपुसुमेतिगिपु
 सुगिवा॥जानमृमान्कडादविनातिधर्त
 ०॥मनयतदवगानामध्वमतीमध्वव
 तिवकि॥॥ॐ॥द०॥रुवि॥॥धिया
 मकदवीनिधुमनमकु॥ॐ॥यदेधिम
 नसादुर्न॥दे०॥नयवमानावा॥रिजव
 वरु०॥वैक०॥सु०॥वामेनसाकगामि
 ॥अमृकदवी॥०॥मिधननामगुह०॥
 र्कनिधुमनमकु॥॥जामागया०॥
 सुलि०॥पु०॥ही०॥वासावधूनिविद्वत॥ॐ॥अ
 धानवक्रनयगिधुतिनिवायगुय०॥
 सुमना॥सुवर्वावीनसूद्वकासास्था
 ना०॥नारवयुद्वियद०॥०॥युयत॥
 साम०॥यथमाविविदम०॥यव्वीयग
 धर्वादददगनय॥नयिध्वगुग्रादा
 दनिमृम०॥०॥०॥सा०॥०॥यथा०॥
 वगसामेनयसात०॥वृ०॥गतिविद्वत॥

ॐ

यस्यामूलकं यदुवा मन्त्राय यस्यामका
मावहवानि विष्णवे ॥ ॥ सावधूनि नि
कनामिति यियुः ॥ यजमानो गान्ध
र्वा सुर्वपृष्टीत्वादक्षिणा वर्तन दक्षिण
स्त्वधूर्वा मन्त्राणि ध्याय ॥ ॥ तगाव
क्रान्त्युजा ॥ दक्षिणादानं ॥ यजमाना
नीष्टीद ॥ अगस्त्यानविश्राम ॥ मसलवि
श्राम ॥ गालविश्राम ॥ नितिकन्यादानविधि

[illegible]

धनदया ॐ मृतायाः मृगधामानिर्गम्य
वैः सनः दिव्यं दयया युतं सखाहा

वाह॥ ॥ॐ सुगाथाह सुगंधासा निर्मल
 र्धसुखोपधया इत्यनसामुदात्तामगा
 र्थः स्वाहा॥ ॐ दमोअधीत्यः॥ अयमन
 सत्यः मरुतः॥ ॐ स० किताविष्णुसामासु
 र्धोगन्धर्वः समस्तमनीषिषया इत्यन
 सगायवानामगात्यः स्वाहा॥ ॐ दं
 मनीषित्यः यमनीषित्यः मायित्यः॥ ॥
 ॐ सुवसन्तः सूर्यनभिमिश्रित्य सागन्धर्वः
 सन० दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह
 ॥ ॐ दं सुवसन्तः सूर्यनभिमिश्रित्य स
 मगन्धर्वीत्यः॥ ॥ ॐ सुवसन्तः सूर्यनभ
 थचन्द्रसागन्धर्वसुखेन द्रुगान्यय
 नारुक्लयातामगात्यः स्वाहा॥ ॐ दं न
 दं गुंया सुनायारुक्लित्यः॥ ॐ ॐ वि
 नाविष्णुयचावागागन्धर्वः सन० दं
 वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥ ॐ मे
 विनायविष्णुयचमवागायगन्धर्वी
 य॥ ॥ ॐ विनाविष्णुयचावागागन्धर्व
 सुखायायमनउद्गयातामगात्यः
 स्वाहा॥ ॐ दमयमनत्यः उन्नत्यः॥ ॥
 ॐ त्यञ्जः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सन०
 दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥
 ॐ दं तुष्टवसूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः
 य॥ ॐ त्यञ्जः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सन०
 दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥ ॐ दं
 दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥ ॐ दं
 दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥ ॐ दं
 दं वक्रदं गुंया युगमे स्वाहा वाह॥ ॐ दं

[illegible]

श्रुत्या यन्मन्त्रायामस्मिन्कर्मण्यस्यान्धवदू
 र्याऽस्वाहा॥ॐ दं यमाययुधियाताम
 धियतथ॥ॐ वायुर्नग्रीकानामधिय
 तिः समावर्त्तस्मिन्वक्त्रं धूमितकगुस्या
 मानिष्यस्यायिनाध्यामस्मिन्कर्मण्य
 स्यान्धवदू० र्याऽस्वाहा॥ॐ दं वायुव
 नन्निनिद्वानामधियतथ॥ॐ सुथदि
 वानामधियतिः समावर्त्तस्मिन्वक्त्रं
 धूमितकर्मण्यस्मिन्कगुस्यामानिष्यस्या
 यन्नाध्यामस्मिन्कर्मण्यस्यान्धवदू
 र्याऽस्वाहा॥ॐ दं सुथयदिवानाम
 धियतथ॥ॐ वृक्षानामधिय
 तिः समावर्त्तस्मिन्वक्त्रं ॥ॐ दं वृक्ष
 मर्त्तनद्वगुणमधियतथ॥ॐ वृक्षस्य
 तिः वक्त्रं धूमितधियतिः समावर्त्त॥ॐ
 दं वृक्षस्यतथवक्त्रं धूमितधियतथ॥ॐ
 मिणस्यानामधियतिः समावर्त्त॥ॐ दं
 मिणस्यानामधियतथ॥ॐ व
 न्मन्त्रायामधियतथसमन्ति॥ॐ
 दं वन्मन्त्रायामधियतथ॥ॐ स
 मूडः धूमितानामधियतिः समावर्त्त॥ॐ
 दं समूडायधूमितानामधियतथ॥ॐ
 मन्त्रः समावर्त्तानामधियतिः समावर्त्त
 ॥ॐ दं मन्त्रायसमावर्त्तानामधियत
 थ॥ॐ सामाषधीनामधियतिः समावर्त्त
 ॥ॐ दं सामायडोषधीनामधियतथ॥
 ॐ सवितायनवानामधियतिः समावर्त्त॥
 ॐ दं सवितायसवानामधियतथ॥ॐ

नृपयन्तु नामधियनिःसमति ॥ ॐ दं नृडा
 ययन्तु नामधियगथ ॥ ॥ मृगादकस्य
 न ॥ ॐ वृक्षनृयातामधियनिःसमति ॥ ॐ
 दं वृक्षनृयातामधियगथ ॥ ॐ विष्णुयव
 गानामधियनिःसमति ॥ ॐ दं विष्णुयव
 गानामधियगथ ॥ ॐ मन्त्रागणनामधि
 यनिःसमति ॥ ॐ दं मन्त्रागणनाम
 धियगथ ॥ ॐ विगत्रयिगामहययिग
 म्हायनय ॥ गणनामहा ॐ हर्मिस्त्रिभि
 वृक्षनृयस्मिदगस्यामानिष्टायायुवाध
 यामस्मिन्कर्मयस्यान्वदक्या ॐ स्वाहा ॐ
 दं विगृह्य ॥ यिगामहय ॥ यनयान्व
 य ॥ स्त्रय ॥ सगा ॥ म्हाय ॥ ॥ ॐ यस्यान
 ॥ ॥ ॐ यस्याधान ॥ ॐ अग्निवक्रु ॥ यथ
 मादवताता ॐ सास्त्रियजाम् ॥ ॐ यमृयया
 न्म ॥ तदय ॐ नाजावन् ॥ नमन्यता
 य ॥ य ॐ स्त्रीयोगमश्निवादास्वाहा ॥
 ॐ दमनय ॥ ॐ ॐ सामनिष्ठायातागिर्ह
 यय ॥ यजानस्येनयदुदीर्घमाय ॥ अग्
 न्यायस्त्राजाविगाम्मुमातायोगमोनन्द
 मरिर्विबधतामिय ॐ स्वाहा ॥ ॐ दम
 य ॥ ॐ स्वास्तनाअग्निदिवायुधियाविष्णु
 मिगधक यथाजगंये ॥ यदसामिदिवि
 विजागिषस्तदस्मासूदविर्धरिवि
 र्ध ॐ स्वाहा ॥ ॐ दमनय ॥

सर्गवत्कथयति सन्न न किञ्चातिव्याध्या
काउनर्गमायुः। अथ यमसूत्रेन नूतनमा

मद्येवस्वनानामूरयक्रितानुस्वाहा॥
दंसुयव॥ ॥उयस्यर्त॥ ॥उयनमृथा
अनयनरियल्लयसुअन्य॥ वगनादव
जानाग॥ चक्रमगृष्टततववीमिमान
४प्रजा॥ नीविद्यामागवीनानम्वाहा॥
दमृथवववस्वतायपाग॥ ॥उयस्य
र्त॥ ॥उयजायनथस्वाहा॥ ॥अन्यथ
स्वाहा॥ ॥गगावक्रायेवीतवदलाक
यालवक्राकृकलनागयक्रयक्रि
वीलीलङ्गीगलगुनूविलिगयसस
गुणसर्वधृगाकृति॥ धृगाकृतिधूर्धु॥
ॐधूर्धुद्वय॥ ॥तगसिलाकृली॥
रियागुलधर्न॥ यवाकृगतिर्लमि
र्धयचामृगसमन्तिर्न॥ समिधयक्र
लंययनिकवक्राकृमालिका॥ एतनि
धय॥ गयगुजायत॥ ॐ॥ द० रुवि
॥अनाकृप्रुडान॥ सकिल्य॥ धृगाकृ
निकमगगिलाकृतिममिधशक्रया
ग॥ समिधशक्रयात॥ स्वस्ववद॥ धू
र्धु॥ विक्रादिस्युगेन॥ यतिष्ठा॥ ति
लाकृतिधूर्धु॥ ॥ ॥तगानज
अलासठवागयावमीयनूयगस्व
थालदाय॥ ॐअर्थमनदवकन्यानि
मयकृत॥ सनार्थमादव॥ युगाम्चयु
मायनस्वाहा॥ चयुवानधलदय॥
॥दममय॥ ॐअर्थनार्थयवेगला
जानामययनि॥ का॥ अयुष्मानमृ
मयनिप्रधर्लाकृनयाममस्वाहा॥

॥ दमनय ॥ धृगन ॥ ॐ मां लाजानां
वयास्य गोमसवीकनगतवामसमुद्र
वसंवदनगदनिननसत्यतामिय ७
खाहा ॥ दमनय ॥ २ ॥ एतत्तुमकुप
लाजाहाम ॥ ॥ जामागकन्यायाका
७ दहाडायउयमकु ॥ ॐ गृहामिन
सोरुगमयत्तायदरुमयाययाजन
दष्टिथधमशरुगमयथामासविता
यनधिर्मथीत्तायुगमरुयथायदवा
॥ अमादममिमात्त० मात्तस्यमाद
सामादममिमुकुंघीनहृयधिवीर्ता
दहिविवदावरुममनगादधवरुवद
नागसिपुजानदष्टय० मयिथानाविष् ० म
मनस्यमानो० यत्तमलनद० गंजीव
तलनद० गं० पु० यामलनद० गं
॥ ॥ एरिमकुगदरुमनयदुनमवविवा
द ॥ ॥ अथकुपुमकनय्यादुखीममान
मावाहंरुयत् ॥ जामागादद्विजयाद
नवधूवामयादनावाहयत्तायाग
॥ ॐ आवाहमंममानमलेवत्त० कि
नारुव० मरिगिस्वयुगन्यागाववाधस्व
धृगनायग० ॥ जामागाय० नीय ॥ म
लेमहाल ॥ आवृदाभववनाग० धममय
गिगमथा ॥ ॐ मवस्वगीयागमिवसुगवाजि
नीवति ॥ यत्तिविष्मययतस्ययजाया
मयाग० ग० यस्याविष्मिदंजगताम
यगमथ० मय्यामियासुतामरुमेयग०
० गिगमथा ॥ ॥ गगावधूय० जामा

गाजमिषुगीतवक्तासहितयदक्षिणक
थीग ॥ ॥ ॐ लानयनीनिनेडक्ष्णाय ॥
थकादिनीन ॥ ॐ नम० गंरवाय ॥ यत्रि
कमयायस्वानगडाडावन ॥ हासान
गाल ॥ ॐ गवेवाय ॥ जामागाय० नीय
॥ ॐ ययम० नयथीमदग० मूर्यमरुय
नामद० यन० यगिथ्या० जायहा० न० य
जायामद० ॥ गगावय० कित्वायुववत
लाजाहाम ॥ २ ॥ साधुवृंयदगानिकुथी
ग ॥ ममानावाहन ॥ मगिषुदक्षिणक
कुत्वायुववत ॥ ॐ लानयनीनिनेडक्ष्णाय
या ॥ जामनयसंमनावनत्ताया ॥ नम० य
स्यहासानगाल ॥ ॐ य० ययम० नयथी
वरुति ॥ २ ॥ यववतमिहासनकिता
लाजाहाम ॥ २ ॥ साधुवृंयदगानिकुथी
मानमावाहयत् ॥ यववकलमयनी
निनत्ताया ॥ गगावेनत्ताया ॥ हासानगाल
॥ ॐ ययम० नयथी ॥ ३ ॥ एतत्तलाजाहा
मं ॥ ॥ ययथे ॥ मूर्यमगिषुदक्षिणक
कुथीग ॥ मूर्यको० नलाजाद्विगम
कु ॥ ॐ रगमयखाहा ॥ ॐ द० रगमय ॥
गग० मिहासनायविष्म० अनादुमि ॥
ॐ यजायगयखाहा ॥ ॐ द० यजायग
य ॥ ॐ गिषुजाविथी ॥ ॥ गगा० यय
नदिलिगामूलयुगमदमययदका
य ॥ मकु ॥ ॐ ययविष्मिदंजगताम
॥ ॐ द० य० विष्मिदंजगताम ॥ ॐ गिगिना
यस्यायविष्मिदंजगताम ॥ ॐ चत्वाविमा

यारुवा विष्णुस्त्वानिययु ॥ ॐ यश्च यत्पुत्रा वि
 ष्णुस्त्वानिययु ॥ ॐ यश्च यत्पुत्रा विष्णुस्त्वानिय
 यु ॥ ॐ सखसकयदारुवसा मानये गार
 वविष्णुस्त्वानिययु ॥ १ ॥ गगावधूमृद्धि
 विष्णुगियन्वयस्क धस्तिगकम्हादकना
 स्तादियन्वे ॥ ॐ वृक्षालखनहायय
 न्ययवध ॥ ॐ अयं निवा निवगमा ॥ १
 गमा ॥ १ ॥ नमास्तु कृष्ण नु यय ॥
 ॐ अथादिष्टा ॥ ॐ याव ॥ निवगमा ॥ ॐ त
 स्मान्नगमा मया ॥ ॐ तितितृष्टि ॥ ययक
 सिवत ॥ ॐ वधूमृष्टकन ॥ ॐ तश्च दृष्टवदि
 गियन्वगच्छकमृष्टनय ॥ ॐ मलनद ॥
 लगति ॥ यमलनद ॥ १ ॥ ग ॥ १ ॥ यमल
 नद ॥ १ ॥ गयवयामलनद ॥ १ ॥ गय
 यमलनद ॥ १ ॥ ग ॥ १ ॥ गय
 ॥ ॐ ममवगते दृष्टयदधामिमम
 चिकमनचिकमन ॥ ममवाचमकमना
 इयस्ययजायगिस्त्वानियनकुमर्क ॥
 गग ॥ सिधुक्कयवध्यातयन्वयन ॥ म
 गरुगालचासुगुणनममपुललतस्य
 वाय ॥ ॐ स्वस्तिनामिमीता ॥ लयासु
 य ॥ ॐ वस ॥ यविग ॥ सिधुमृष्टनवाय
 ॥ ॐ ग्रीष्म ॥ सिधुक्कय ॥ ॐ सिधुना
 नाकनममृष्टकममृ ॥ ॐ ममृष्टलीनिय
 वधुविमा ॥ ॐ ममतय ॥ ममृष्टममृ
 दन्वाजाधस्त्वानियनगन ॥ ॐ सिधुवलि
 नसाधार्थस्वामिनादीर्घजीविन ॥ धन
 कानका मायवधुर्वममृष्टलायच ॥ य

[illegible]

यक्षसिद्धासनसनक्रीयान् ॥ क्षतसंस्था
 कृति ॥ नाडादल ॥ लक्ष्मिकथोष्टिक ॥
 वाक्त्रयवृजा ॥ यवधन्यादि ॥ उं अन्नः
 अमृष्टिकृत्तय स्वाहा ॥ ॥ वलियूजानं ॥
 धृगदीयवृत्तिकाहामं ॥ घ्रायत्रिरुहं
 मं ॥ वलिह्रनं ॥ दक्षिणादानं ॥ वाच
 नं गृह्णमं वधृगखालनं ॥ यूयं ॥ उं
 दवाग्नये ॥ उं आयायस्व ॥ आसमा ॥
 जायसा ॥ उं अग्निवधा ॥ अग्नं धाम्नि ॥ वा
 क्नाग्निमग्नीर्वाह ॥ उं गनूया ॥ नमि ॥

वाचलनाशिकी॥चन्दनसिंदूराना
 धौ॥सकृत्प्रणमिष्यमिदम्॥उमनादु
 ति॥॥वैद्यवचनकथय॥यत्नविमर्श
 न॥पूजापिशाचकथय॥वृक्षाष्टकल
 णविमर्शनमया॥संगीत॥थंकादिनी
 नम्रियन्मन्त्रालासावस्वसिक्कसस्वभ
 ॥निखाजलमरुशजनीयाचक॥ना
 र्तिनकलयालयनयाचक॥वृ
 निविवाहाविधिसमाय॥

गतः सति कङ्क यङ्क मठियन पिथिकादि
 नीतलीयूय ला सा ला वयङ्क मठिय सङ्
 गयत ॥ स्वस्तिके सखन ॥ इति तीनय
 गक ॥ गतवृद्धका का वायक ॥ हव
 या ॥ गतवृद्धका नका वायक ॥ स
 नावकानक हव या ॥ निर्मयुत
 वलि ॥ वाक्का सखा तगतक ॥ धूयद
 यमुग ॥ अगगन्धादि ॥ ॥ मगरुनाउ
 चानत्वाय ॥ सगुणनत्वाय ॥ चन्दनस
 गुणलीर्घदि ॥ वृदावनङ्क ॥ सरुमा
 नयि यमि ॥ मासधमृयाय ॥ लासा
 लावचु रितम्वस्तिक सखन ॥ महरु
 ऊनयाचक ॥ निखावण ॥ कलकड
 य ॥ धनिमाला गाला इल ॥ ❀ ॥

ध्वजधनलिखासमुद्रयाककन

दानकालवडाइनमानद्वीयकृमिदि
 सनसवाढवगधियागगयविअ
 ॥धवादियागमागगनयाववाजाइ
 नसादालकंदलाकगनठयकाववा
 गनयामाल॥गमसवदयानचिद्रमूढ
 निधिमिद्वनमानयनयनइअ॥सिंधु
 यधितितिन॥धमिद्रयधनक॥कन्या
 याकयनयगयवृष्टियाचक॥सि
 दूनडाग॥वक्रालंघनमरिषक॥ल
 जादुलारिषक॥अष्टकलनडाच
 क॥यादितादिस्त॥जीवकयनादिग
 याग॥यमबूडीसियाग॥धउधंका
 दियाग॥कलनधंकादिनी॥चामन
 नाकार्थकादि॥मच्छमाचायया॥कृ
 त्रिगकानयाग॥नखनडया॥व
 क्रावकूनीचायाग॥॥कलनलख
 वक्रालखमूढडाथसमासलडाडव
 क्राचगलाय॥मूनग॥वक्रालिषक
 याचक॥॥पुनुरगयवामून१द१
 दकस्यन॥धवकूनिचादकस्यन॥
 पुनुरयादमुलिन॥॥जिनयादमुलि
 नकाकायक॥धयादामुजिनयादमुलि
 याग॥॥धनसमलंगजाग॥॥धयादा
 डावय॥मनितिरुजिहासासगनवृद्ध
 कावसादयितिनिकतकंययसिंधु
 वगाववय॥वधुआहाडाजामानामा
 लावरा॥सिद्धनमाननिकिसानचि

20

15

10

5

क्रमद्वयागमूढनायथास्यहृत्तु॥मुः
 यूनयउखडानकायकमाल॥यून
 यथाद्वानमर्थकादिनीनलमास्यला
 मालावउक्तममानननक॥साग॥
 धनलिखसिकासनयाचकाडावा
 सहयानमाकवगविय॥वधूडामा
 गायादियाग॥पुनयाकहयास
 पुनवियक॥गहियागवियकय
 य॥यूनययामपुनवियर्थकादिनी
 न॥॥नरितयासपुनधनिसहका
 जन॥आगतमालकागयाव॥वाक
 वनस्वसिवाचनय०त॥ययकल
 ककाय॥वाकगयूडा॥वाक॥उंय
 मानस्यानामकस्यसमवलंगजाग
 सहकाजनमियर्थ॥यजमानापी
 वीद॥धनिसवलंगजागविधि॥ ॥

धनामनिकूकवयाथमालागाला
 याय॥सहकाजनकलकयर्थकधूनक

एतथवयुथीकर्मयाय॥तजदोयवाक
 कवा॥थकादिन॥॥यूनयकाकलनिभी
 कर्मयाय॥अचय॥उंययादि॥उंयडा
 मानस्यविवाहादलत्रयुथीकर्मवधू
 कलवधनसिधूवावाहननिमियर्थ
 वाक॥॥यथमविधिमकुणकलन

धन॥वकाहलनसपुनसदकया
 सथादयासकयवमु॥वलियपुडा
 गममसादिवहिद्वानासादिसुवध
 वनयूडान॥धूयदीयसापुयथीनक
 लाननार्थयदासाधन॥चनसाधन॥

आथकलीचनकलीमूयकदी॥
 पुनयदी॥समाहृत॥आथकलीमिय
 निधाय॥यूनयदी॥उंधानमसि॥उं क
 कदासि॥कूटन॥उं वरवद्वनि॥धूला
 मगय॥उं वनायूग॥यथादत॥उं द
 वमविगनि॥ववगदिदत॥कगव
 लिसन॥उं ववाहृत्वा॥नतामिसक
 य॥उं मयहनगि॥सर्वकलपुवग॥
 अकदलममिधहाम॥अनियानाम
 ॥॥लिखितामानय॥स्वाहा॥॥यूवाद्या
 नउरुनाद्याटन॥वदाकनियेकयवान
 नार्क॥उं यजायतयस्वाहा॥अनिकपु
 याहवममलिलामलखन॥थयाग॥
 उं कयालायस्वाहा॥उं अणन॥यायथिरु
 लंदवानियायथिरुनसिवाकगस्वाना
 थकामडयधवासियास्ययनिधीगन
 कामस्येनालयस्वाहा॥॥दमनययाय
 थिरुकाय॥उं वायायायथिरुलंदवा
 नियायथिरुनसिवाकगस्वानाथक
 मडयधकामसियास्ययपुधानीन
 कामस्येनालयस्वाहा॥॥दसूयाय
 यायथिरुकाय॥उं वद॥यायथिरु

20
15
10
5
0

तद्वद्वानायायप्रिकुनसिवाकृण
स्वानाथनामउयधमियास्येगुरुधु
ननूस्नामस्येनालयस्वाहा ॥ॐदं
दमस्येयायप्रिकुय ॥ॐगन्धर्वयाय
प्रिकुतद्वानायायप्रिकुनसिवा
कृणस्वानाथकामउयधमिवोया
स्येयन्मध्वीगनूस्नामस्येनालय
स्वाहा ॥ॐदंगन्धर्वीययायप्रिकु
य ॥ॐयजायगथस्वाहा ॥ॐदंय
जायगथ ॥ॐवक्रादिसकलसंघ
गाद्रुगिदिय ॥ॐगाद्रुगियुधु ॥
गतकिलाद्रुगिधुगाद्रुगिकुम ॥
समिधसुहवक्रादिसृत्वागिलाद्रु
गियुधु ॥ॐसंजधूनक ॥

गगावधयद्रुमिहासनयायीविनस
लासावधन ॥ॐयवधनिमीकृती
॥ॐनद्राहर्न ॥ॐवलि ॥ॐअधुवा ॥अ
धुवागलखनकाय ॥ॐसुसिनून्दी
॥ॐवधनवक्रादिसस्वाननक ॥ॐय
दीयकाय ॥ॐनिधूनकाउ ॥ॐनग
गाठयानकाय ॥ॐयजायनकाय ॥
॥ॐयवधयसिधलमलिहाल
॥ॐविधिधेययायगिनखनमध
न ॥ॐसलिसिलासयाकलन
हाय ॥ॐयगयगिधुवधुधुगुरुय
मध्वीतिदिगागनूस्नामस्येनालय
मि ॥ॐसाजायवसयासुसाविनि ॥ॐ

मकदवीगिसवीदटी ॥ॐयवधलख
नकाय ॥ॐसिधुमदकाय ॥ॐयगलयास
काय ॥ॐसिधुकाययनखटा ॥ॐयगला
नगावधुवक्रादिसकलन ॥ॐयकादि
वक्रादिसवि ॥ॐसिधुवागहन
सुसुहकेसमु ॥ॐतंजविददा ॥ॐमि
धनसर्वसिधुर्थनिसमाधुयतवया
स्वामिनादीर्घमायययगयोगादि व
धन ॥ॐवदनायालीवद ॥ॐसिधुमद
काय ॥ॐपीधन ॥ॐयनिहा ॥ॐवध
लासावावक्रादिसस्वाननक ॥ॐय
॥ॐयवधनयायक ॥ॐयवधनहि
यावक्राता ॥ॐमकु ॥ॐयवाहसुयाजल
दधमिसिधुमिधिनस्मिसा ॥ॐसमी ॥ॐसा
नित्वावावधमिति ॥ॐसुसिनामिमी
ता ॥ॐयवधनकिसकाय ॥ ॐ ॥

गतसंस्थाद्रुगि ॥ॐनिककयोद्रिक ॥ॐ
मिजवृजा ॥ॐवधुहदयालरुनी ॥ॐय
कससीमिमदयदिविचन्द्रमसिर्ग
॥ॐवदाहर्गदिशालय ॥ॐम ॥ॐनद ॥ॐ
मजावमलनद ॥ॐन ॥ॐपृष्ट ॥ॐयामपृष्ट
यामलनद ॥ॐन ॥ॐयवधनयादि ॥
धनमामधियाय ॥ॐवलिपृजन ॥ॐदीय
दिककाहर्ग ॥ॐयायप्रिकुहर्ग ॥ॐव
लकन ॥ॐदकिवधन ॥ॐनग ॥
संयुधुद्रुगि ॥ॐयवागल ॥ॐय

या यस्याः आसीत् ॥ उं मन्त्रार्थः ॥ जायमानः
 ॥ उं मृगदः ॥ वक्रादिमालका मुनि
 ॥ उं मंग मनु ॥ मृगगंधादि ॥ वक्रांश
 ॥ नीर्वादि ॥ वक्रांशनीगविमर्जन ॥
 उं तनूया नमि ॥ मध्याकननी ॥ वक्रा
 यालखनमृगिधकं ॥ यन्दनसिद्धन
 मृगुगानी वीद ॥ मृगमृगनियुति
 ॥ लातामृगिता ॥ यन्त्रविमर्जन ॥
 मृग्येनदि ॥ वक्रालखयालनमृग
 गनमृग्यावधलखनमृगिधकं ॥
 वक्राकमितयात ॥ मृगकलनम
 र्जनाथेकाय ॥ पीवत्स ॥ प्राहित ॥
 ॥ यन्त्रा ॥ वृद्धिदि ॥ २ ॥ ध्रुवा ॥ धर्माविश्व
 कलनमिसार्थकादि ॥ ४ ॥ चामनना
 का ॥ ५ ॥ मृगमृगान ॥ ६ ॥ मृगमृगः
 कान ॥ ७ ॥ मृगमृगन ॥ ८ ॥ मृगलक्ष्मी ॥
 कर्मग ॥ यितायकाठकायाधर्म
 कय ॥ १ ॥ मयसामधमालकासर्वि
 य ॥ २ ॥ मयसामधिसमाल ॥ वृत्तिचतु
 र्थाकर्मविधिः समाप्तः ॥ ❖ ॥

अधनारुतविधिः ॥ वाननखयकथ
 ववद्वययाथेचनलिथे ॥ कायना
 ययुजामय ॥ वाहनदयक ॥ मृ
 ध्वचनमाला ॥ मृगलिहावयावः

दगुलिद्वय ॥ वृत्रयाय ॥ यगुनयध
 दिश्वरुतवा ॥ ॥ धनरुतिनिगमवृ
 न्दकायसावयिनिनिधिसिन्धुयवृ
 यथवृगुलिद्वानकलमाय ॥ निमो
 क्त ॥ उं नकाहर्त ॥ वलि ॥ उं मृधवा
 ॥ मृगहर्त ॥ मृगुगमवाय ॥ मृ
 कावर्तवधमाधमृगितासावयन ॥
 धरुतिनिगमवृन्दकायसावयिनि
 निदगुलिसकाय ॥ दासनयाकर्मः
 लादगुलिसकाय ॥ यवादकसल
 र्दकाय ॥ कोमात्रीयागदिधनक ॥
 वनदनादिमाहानिनिविस्त्रिहर्षण
 सप्तयननाहर्त ॥ शार्ङ्गकलकान
 ॥ धतिनाहर्त ॥ ॥ वृत्तिदलकर्म
 विधिः समाप्तः ॥ ❖ ॥

र्मवृत्तः ॥ २ ॥ मयसामधिसमाल ॥ १० ॥ बृहस्प
 तिवातः ॥ मयसामधिसमाल ॥ ११ ॥ वक्रनिधिसमाल
 निवासिगणीमर्वरुनागनन्दायाध
 यस्यामेजणीमासनामानन्दायाध
 यनः ॥ दंदशकर्मपुरुकं ॥ लिखन
 मृगमृग ॥ मयसामधिसमाल ॥ १२ ॥ वृत्तिचतु
 र्थाकर्मविधिः समाप्तः ॥ ❖ ॥
 यगुनामालिखत्तम ॥ रुद्रहया
 रुद्रिवावृत्तः ॥ रुद्रान्मिदः ॥

राजसायनमंगिक ॥ जागस्यजागकर्म ॥ दिक्पियाकालुसलषगषययिगाकधीगलषप्रस
दयात्मक ॥ यगात्येकेसदणभ्रमन्नवासनकगथ ॥ चूडाकाथीवगचेवनास्त्रियंनयिव ॥
याजिगुरुयतिष्ठायायिव ॥ नववर्षमनः ॥ नष्टद्विकर्नेनामगुरुसुस्यविधीअग ॥ कन्यायुगवि
वारुचयवर्षनववर्षमनः ॥ नासकर्मलिवात्तानाचूडाकनलदिक्कगथ ॥ सिमकानयनचेव
यगादिमुखदर्शन ॥ मागृजाजमगग ॥ अष्टमंयिगृजंनदतकर्न ॥ नान्दीमुखानयिगृजजन्
यूजाथयुयन्नगृही ॥ यिगृजंनूयमाकुयदवाक्रनसमन्न ॥ गस्मात्सशानदागश्विद्विजम
उदागृशि ॥ दध्रयवः ॥ सवदनमिषानेयिगृजंनूयमाकुयदवाक्रनसमन्न ॥ गस्मात्सशानदागश्विद्विजम
वः ॥ मागृजमगग ॥ अष्टमंयिगृजंनदतकर्न ॥ गगमागोमरुनाष्टयुद्धि ॥ अष्टयुक्किर्न ॥ नान्दी
मुखविवाकचययिगामरुयुर्वर्क ॥ वाअसुचानयदीना ॥ न्यागयिगृजंनूयमाकुयदवाक्रनसमन्न ॥ गस्मात्सशानदागश्विद्विजम
वर्णुर्कगदकोयवर्षयक्त्या ॥ नान्दीकवसुसुक्तेचकन्यायाधिनिलाचनो ॥ कालकामोदुविहङ्गा

थिहियाग ॥ गनगानदियागुल ॥ चित्तर्म ॥ सिधुमं ॥

अग्निकाथीदिजोरुम ॥ विष्णुदवा ॥ समाख्याग ॥ अष्टकर्मसर्वदा ॥ अष्टादधियववन
दध्रकदरिन्नमः ॥ क्रियायुर्व ॥ सशानयप्रिमसुखः ॥ यवमवद्विजवर्क ॥ यो ॥
१ ग ॥ अक्षतया ॥ धवचूनविम
हय ॥ यषवनीयाग ॥ यद्रुकुद्रु
कुकुचकनमगुलीममाल ॥ व
कुजा ॥ मर्मगुल ॥ कालकुचकनथ
कलिमगुल ॥ ॥ अधगुलिका ॥ चि
कननयषवनीवायक ॥ रोककव
यक ॥ ॥ धनलि ॥ खद्रुकुद्रु
कुकुद्रु ॥ खल ॥ डामगजा ॥ कालविक
न ॥ खलम ॥ मगुल ॥ ॥
आकुकुद्रु ॥ मगुल ॥ जा ॥ यनखयाग
यषवनीयाग ॥ वम ॥ कालचकन
थकलि ॥ क्रुर्क ॥ थकलियवान
उक ॥ जाककातन ॥ २ ॥ मय ॥ १ ग ॥ ३ ॥
काटलसजाकयादवननया ॥ स्वा
नवनाया ॥ यषवनीयाग ॥ मगानी
यालासय ॥ सवालनसा ॥ ॥ व
जिकुधनिमकल ॥ कूचाकूगवयि
कूगव ॥ निरूगव ॥ धवधिथिया
कवान ॥ नागयतद्वननया ॥ वा
लस ॥ कूचून ॥ चकन ॥ माधकन
मि ॥ यो ॥ ग ॥ धनिवनिवकूद्रुवि
संकाय ॥ ॥ ॥ जिनमन ॥ कूमि
खानवूयक ॥ वानसदगुलिसस्याय
॥ मधकनमिन ॥ कूचूननिनमा ॥ धकूय
क ॥ माधकनमियात ॥ सार्थक ॥ म
नवियमाल ॥ ॥
धनिवाधावया ॥ ॥

वकनमगुलि ॥ ६

२०
 १५
 १०
 ५
 ० cmts. 5 10 15 20

रलि लाइने नें कुकुं कलागन लालभाया क्रवयक ॥ थकुन वि भहुया सुगुन कन
 गने रात्रभा आग विअ ॥ कनागन रात्रभा थव कुन वि भहुया सुगुल धदि मकन
 वनि विअ धन सा खवल दिहा दे रात्रभा न क ॥ धुन निभा सिव काव ॥
 कनागन क र्क विअ नम आल थ दाव ग आ नुव ॥ छाल मक य क ॥
 थन लि स मि निन म भो वया व भव नु खी न थिनी न रात्र भा या गुन वि
 आव मुन इ व ल न इ का यी ॥ थनु नि थि का दिनी न रात्र भा या गुन
 सुगुल विअ ॥ भकु ॥ ना द्या सा म दि म न द य का व भ कु सह रात्र न
 जो व क ॥ भा सिव क ॥ य दि ग या न द द्वि ल विअ ॥ म भ इ ने स्थ
 दाव थ व कु न ॥ यन कि से भव ॥ ० ॥ ध नि नि का इ न ॥

कार्तिक
विष्णु

20

सिंह

कर्कट

五

मिथून

मार्जनि

२३

श्री

サカサ

साध

卷之四

102
104

五五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

एकलण (गुठ ३) दाला खयूर शिवा
 ग २ (गुठ ३) खाल ५ नवल
 वलि ६४ मलान वल २० वयगा
 यज ५० जलसि (गुठ १) सिजलव
 गंयूर नाहा कयं वयगाय ३ व
 लिखाल वेकुल ममलसि (गुठ
 ३) वलियाग सिद्ध नल मिदल
 कयाग १ खं दिवू ग २ अद्वान
 ११ दृष्टि ३ कर्णयगाय (ज २२) सु
 रं दि ११ वरु मधिज २० खाल स
 र्का १२ सिद्ध १ धुनि जजं कागा
 वय ४० वरु जजं का ११ गुगु
 नि ०० गाव सलि मिला (ब १) न
 ०० आवगि ४ यं वरु दिजा १५ दव
 आवमग या १२ दस सिद्ध मू
 कवदन ० खानला खान ११
 मालखान १५ द्यादुति नसाक
 निजलोक यं वधी नायाग या
 दास ॥ जलालयग ॥ मूकसिल ॥
 माधुवार्ध यरु जवधी जलगत
 हल ॥ यरु जलन मालका सासि
 कायनाययाग यज हाय माल
 यज २ मलान वले १ दृष्टि ज
 १ कर्णयगाय ज १ यं वयगाय ॥

॥ मधुवार्ध ॥ ज ११ ॥

॥ मधुवार्ध ॥ ज ११ ॥

वरु मधिमालका अर्ध ३० ॥ यज १
 दिजा ३ ॥ मधुवार्ध ॥ ज ११ ॥

जा १ नाययादास धं जजं अर्ध
 नयाग ११ मरुजा (गुठ १) वरु
 मधि समयधी ना ददिध १२
 सि ॥ कायनाययाग हात सा
 धमजं न महाल सा भव मव
 मदगसा आचान ॥ मगरु गाल
 वा संगुगयाग ६ ॥ वाजं बिका
 हाव ॥ आचानयाग खाल सयाथ
 नाकलं वियमाल ॥ कायनाय
 अद्व म आचानयाग कलं ममा
 लयरु याक क आचानयाग
 रुका कलं विय ॥ र्ध ज (गुठ
 ६) सिया रुल कि १४ म्वागयाल
 आक स ॥ यं दू कतक आक
 सक अधक होय माल ॥ स
 निव दू जाडुल ॥ चगामधिया
 १५ कनि कनि विय ॥ कलं दू
 लियार्थ कादिय मान रु सिया नयं ॥
 आचानयाग ममाल ॥ ॥ मतिकू दू
 जाडुल लाकतक यदू कतक नयं ॥
 कायनाय मयुजा अनयाग ०० हिया
 इति मदन मनेव ॥ ॥ धमिदू
 मुलियुजाया विधि ॥ यंचलि
 सह मयाक क आचानया
 ग रु सिया धू नाकलं ॥ काय
 नाय अद्व म आचानयाग मू

॥

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

२७॥

20

15

10

5

ॐ वक्राद्यतमः ॥ दलक्रियावि
 धानीलियाग ॥ गङ्गाधनं यं पवर्ण
 लीमकानयनं तथा चूठावर्णवि
 वाहपुत्राका ॥ यद्वदलक्रिया ॥ १॥
 ॥ गङ्गाधनं धनं वक्रादि ॥ ॥
 वाधवशवक्राद्यवतीमाठ
 द्रुयक ॥ धिकादिनीतसगुणवि
 यक ॥ प्यालनचक्रसिद्धनसान
 टा ॥ निधिसावगमूलद्वालस
 खमयनियास्यगय ॥ वाक्काठय
 इनसाकालसाधुगुलि ॥ द्रुयि
 द्रुवसाधुगुलिमूलद्वालसानि
 यिसावतनायखमयनियास्यग
 ॥ द्रुसकनद्रुससखास्यगय ॥ वधु
 स्यमसावक ॥ ॐ वक्राद्यगायाक
 र्णयचय ॥ धवशाकगकगयच
 द्रुगवियक ॥ वकन ॥ खद्रुक्रद्रुधव
 चूनविभद्रयासगुणार्थकादिनी
 नवियक ॥ याद्रुक्रद्रुययवतीम
 धमालद्रुयक ॥ गवमननिय
 का ॥ अमिकुणुदनी ॥ धिकादिम्यन
 वदकयाय ॥ वाक्काठय ॥ सुखल
 नलाठठगाहनथान ॥ रुलकि

८२

नवलिरुजावनादिमालकानिया ॥
 यचलनकोमावीनया ॥ सगुणस
 द्रुक्रयगय ॥ रासद्रुविनसिय
 ॥ वठसिथाल ॥ कलव ॥ चसावला
 ॥ दनककयी ॥ उकाककयी ॥ व
 लंगगहल ॥ लसथगा ॥ गङ्गालसा
 ला ॥ ककालका ॥ यातका ॥ द्वाकाल
 खान ॥ अकत ॥ ममगुलयासिद्धन
 लंद ॥ मवक्रालचयानलंद ॥ धानि
 सगुणसदक्रयगय ॥ वदमगुल
 रासकलनगयमाल ॥ द्रुस्यसि
 धमगय ॥ यनधकाकगदिकमि
 याय ॥ यथायथाविधिमकुक
 लनधनी ॥ कलननी ॥ धदकनध
 न ॥ ॐ गवायासिचक्राद्यगिसव
 दानाद्यनय ॥ १०० ॥ ॐ वक्राद्यगा
 यनिमूर्कयद्रुदमासनं शय्य ॥
 ॐ वक्राद्यद्रुन ॥ अय ॥ यीनयानी
 चतुर्विद्रुवक्रानिचतुनातनी ॥ द
 मया ॥ नसमावृष्टं नमेवक्राननभा
 युन ॥ ॐ वक्राद्यगायनिमूर्कय
 नसर्वविधियनियुक्तमसु ॥ ॐ वक्र
 कललयाद्रुदमासनं शय्य ॥

cmts.

5

10

15

20

वक्ताकलनयाजवलिधनगमया
 वधयाजवननधनका॥३॥धनराय
 शा॥३॥युद्धनमनउतयुद्धनधिया
 धियावियस्यवृद्धस्यनावियध
 नशाविहारादधवयूनाविदक
 नमहाददस्यविरुद्धयनिमुनिस्वाः
 हा॥३॥धनरायशा॥३॥वृद्धविष्णु॥
 ३॥सामायशा॥३॥नानीधनमती
 हिरण्यस्यवसिनीमनवदलस्य
 यस्कन्यावादसीविष्णुवतदाधक
 कृष्णधिवीमरिनामयुखेस्वाहा॥
 ३॥अहा॥३॥दवृणोदवस्थाधाव
 नीयावीथनमध्वनकलयनी॥३॥
 र्वयस्तनयतमाजिह्वनगर्भं॥३॥
 हमावदतंदवीदुर्धरायुमीनि
 वीनिर्वोदिष्टयजामानिर्वोदिष्टम
 ग्नमध्वनिर्विर्मम्यधिया॥३॥अनि
 लायनमहा॥३॥विष्णुनृकवीर्याति
 यवाच्ययथाधिवानिर्विममकृता
 सायासुस्करायदकव॥३॥सधस्कः
 विचक्रमाकृष्णनृमयाविष्णु
 वत्ता॥३॥अनलाय॥३॥दिवावाः
 विष्णुउतवांमहावाविष्णुउतानीत

पृथिव्या

विहारा॥३॥हिरण्यस्यवसिनीयदस्य
 पयस्वदक्षिणमदानमयाविष्णुवः
 त्वा॥३॥ययुषायनमः॥३॥युनद्विष्णु
 सुवनवीर्यममगतनीमृकचनी
 निविष्णु॥३॥अस्यानृयविष्णुविक्रम
 यधिविष्णुयन्निवृत्तनातिविष्णु॥३॥
 पुरासायशा॥३॥विष्णुवनाटमसिधि
 व्या॥३॥यथा॥३॥विष्णु॥३॥सूत्रमिद्विष्णु
 वासिर्विष्णुवमसिद्विष्णुवत्ता॥३॥३॥
 वक्ता॥३॥नमः॥३॥वक्तायज्ञानं॥३॥अ
 वक्ता॥३॥वक्तायतनत्वदतान्यः
 याविष्णुवयाजियवितावत्वाय
 क्तमासुस्करममनासुस्वरय॥३॥
 स्यामयतयानयीनीं॥३॥गहला
 कयालादि॥३॥तातानमिद्विनि॥
 ॥३॥अष्टकमादि॥३॥वाक्तामस
 वितन॥३॥समुदा॥३॥दक्षिण॥३॥
 र्ववृक्षमयजाष्टयजामिष्या॥३॥सुवीवावी
 ग्रामयायथाखे॥३॥वलंगतया॥३॥
 अस्वत्कथानिषदनीयस्वयानंधय
 स्तनवधयुवर्ष॥३॥कलवाया॥३॥यवि
 र्ववावेवृष्टीमविष्णुवष्टयसदउत्त
 नामिद्विदवायविष्णुवष्टयसदउत्त
 रि॥३॥कृष्णलकाया॥३॥नकाहनव

वसतिविष्णुयाजातजन्तुविलासयः॥३॥

20

15

10

5

लगहर्तव्येषुमिदमहर्तव्यलगम्
 क्तिनामियः भूमिनिश्चयममास्यानिच
 खामदमहर्तव्यलगम् क्तिनामिय
 भूमिमानायमममानानिचखामद
 महर्तव्यलगम् क्तिनामियभूमि
 धर्ममममधर्मिचखामदमहर्तव्य
 लगम् क्तिनामियभूमिमानायमः
 समानानिचखानात्कृत्याक्तिनामि ॥
 लसत्तना ॥ **उ**दिव्यगर्हसमवा ॥ स
 याल ॥ **उ**यसाऽयविनामसि ॥ सिधुम्
 ॥ **उ**लीलुत ॥ **उ**दधिक्रायाति ॥ **उ**दी
 द्यायिस्त्रा ॥ **उ**याऽरुलनी ॥ **य**तिमु
 दम ॥ ॥ गजयति ॥ **उ**यगृध्वनैश्च
 कावन्नलसीवृद्धमगजयत्यमथार
 नहिउर्वकनिक्षुदीहिस्वस्तिगश्रुति
 नरयातिहृदयुष्मासयजामह ॥ ॥
 बलि ॥ **उ**स्वस्तिनक्षत्रालायमूर्कथ
 द्दमासर्तयुय्य ॥ **उ**रुडावैस्त्रि
 नादुतारुडावाति ॥ **स**रागुरुडाध्वन ॥
 रुडाउगयनस्य ॥ ॥ **कोमावी** ॥ **उ**
 कोमावीमयुनामनालकिमहिनाय
 मूर्कथद्दमासर्त ॥ **उ**वाक्काठीम
 मगय ॥ **य**स ॥ **स**गाम ॥ **यु**यम ॥ **यु**यकि
 रुताम ॥ **डि** ॥ **ग**नाम ॥ **स**गय ॥ **यु**यकु
 माचरुवीवगस्तनअच्य ॥ ॥ **यदि**

२४

२४

दानामनादिमूर्कथद्दमासर्त ॥ **उ**
 विष्णुगश्रुतिना ॥ ॥ **उ**मादि
 द्यादितवयद्दमासर्त ॥ **उ**मा
 कृष्ण ॥ ॥ **उ**यलोकयाल्लय ॥ **द**मास
 र्त ॥ गठनान्ति ॥ ॥ **उ**यचवकुल
 दानिवायमूर्कथद्दमासर्त ॥ **उ**
 सद्याजानायममीति ॥ ॥ मासादि
 यद्वादिमूर्कथद्दमासर्त ॥ **उ**
 मूर्धमासा ॥ **उ**स्वस्तिन ॥ **उ**य
 यऽयुधिया ॥ **उ**विष्णुबलाटमसि
 ॥ **उ**मनिद्वेता ॥ **उ**डोन्मक्ति ॥ **उ**धू
 नसि ॥ **उ**नजान्तिनुकम ॥ **उ**याऽरु
 लनी ॥ **अ**नयतन ॥ **उ**मनायुति ॥
यति ॥ **स**रा ॥ **य**ीनयी ॥ **य**चयुधिया
 कावचिनुवानन ॥ **स**यानसमावृ
 ट्तमेवर्तनमयुत ॥ **स** ॥ **य**त्कामा
 यलीयासरुनम ॥ **यु**विशीय ॥ **य**य
 ययनुवाम ॥ **यु**मार्क ॥ **यु**यायतनम
 ॥ **वि**ष्णुवायवीनायविष्णुवाय
 तनम ॥ **स**र्वविष्णुनंदवर्तन ॥ **य**नि
 कवाउम ॥ **नि**त्यानन्दयन ॥ **न**नि
 ॥ **य**नयतिनामयी ॥ **य**मातीतयन
 यरेनवर्तनमाम्यद ॥ **न**मस्कयि
 लदविनमस्कसूत्रयुजितायवि

0

cmts.

5

10

15

20

सर्वदा धनपुङ्गवममाम्यहं को
मात्रीमयूना वृत्तानकाज्ञानकवासि
नीगकाद्विन्दुमडाउगुङ्गध्वित
ममुत ॥ १ ॥ ददवतममुयंकलदव
नमानमः कानदवगणः सध्वयूजा
गृह्णतमायुत ॥ यथावानयुहानां
कचचरुवतिवानर्णतगदेवविद्या
र्णानाकिरुवतिवानर्ण ॥ यउमान
स्यवधुगर्कधनसूर्यवद्वानिमि
त्यर्थवक्ता चनविधीनसर्वविद्यवि
युक्तममु ॥ धनिकलनयूजा ॥ ॥

ततः कुलपुत्रमवा ॥ ततार्थयदासाध
न ॥ कुलपुत्रमवायनसाधनयाय
मलि ॥ अनियानाम ॥ ३ ॥ मनुगायनय
हा ॥ तिलाह्मियुयुययनयायकम
र्ण ॥ ॥ ततार्थयकर्मस ॥ वधुगन
ययावकागदया ॥ यवकिवायाव
यककियालिवनस्वसिगकयाया
धमगतया ॥ यथासिम्खयायमा
स ॥ ॥ यनूयननिर्मकनयाया ॥ ३ ॥
नकाहर्ण ॥ वलि ॥ ३ ॥ अथवा ॥ लय
नहाया ॥ ३ ॥ स्वसित ॥ ३ ॥ यनूयनव
धुययकलननमानयायक ॥ ३ ॥ य

३ ॥ मनुतउत ॥ १ ॥ ३ ॥ दद्विषु ॥ २ ॥
३ ॥ नोवगी ॥ २ ॥ ३ ॥ दद्विषु ॥ २ ॥
द्यावर्गयाचीयनमधुवकल्ययनी
३ ॥ यरुतयगमाडिद्वनर्ण ॥ स्वर्ग
वमावदगदवीदृश्यमायमीनिवः
निदिष्टयुजामानिवा निदिष्टमगुनम
यविष्मनृथिद्या ॥ ३ ॥ विष्मनृकवीथ्य
जियवाचयः ॥ यार्थिवा निविममकडा
० सि ॥ यास्वरायदरुन ॥ सधुक्कमि
चकमानकधुगमयाविष्मवला ॥
३ ॥ ३ ॥ दिवावाविष्मउतवायुथिगमि
हा वाविष्मउतवावर्तनेकाग ॥ ३ ॥ हि
हकावसूनायुगस्वाययचुदद्विग
दागसयाविष्मवला ॥ ३ ॥ ३ ॥ यतः
द्विष्मवतवीथ्यमृगमीमः कय
जानिनिर्क ॥ यस्यानृयविष्मविकम
० यविष्मयानिउवनानिविष्म ॥
३ ॥ ३ ॥ विष्मजलाट ॥ ३ ॥ नाथियूजा
याचकयनूयन ॥ कुलनदद्विगाल
वद्वय ॥ नउनधुगुलिलसिचद्व
मगुलसगयक ॥ लसियाचक ॥ व
धुमवर्लखनमालकयक ॥ दवया
वकुगायनाच ॥ रिवकुननियक ॥ अ
लकनगादिनिष्क ॥ ययगयविद्य

॥ यनः प्रकलनया लख निहाय ॥
 मूर्धा ध्याय चक ॥ कागालमल खेतय
 वक्रमकनसमर्धविय ॥ नखससादू
 इलखचदनाकनयव्यलनयगर्हस
 ॥ थवधनजानक ॥ यूर्ध्वारिमूख ॥ यन
 यनयउय ॥ उं अघवालाहल्यमि ॥ उं
 अघादि ॥ यजामानस्यमि ॥ उं दमर्धगृ
 हानखाहा ॥ उं अदि ल्यगर्हययसास
 मन्निमरुप्रस्ययमिमाविप्रवूर्ययविः
 वृद्धिरुनमासिमि ॥ उं स्तु ॥ नमायूखैक
 गृहित्रीयमान ॥ ॥ नखयूजा ॥ सूर्यका
 कनकाययानवयूजा ॥ ॥ श्रीसूर्याय ॥
 दमासमर्ध ॥ ॥ नखवाकन ॥ चन्दनय
 यधूयदीयनेवयधविवा ॥ ॥ साग ॥
 उं यवाकसमर्धकास ॥ अगर्धकादि
 ॥ कागालमथाहलखनयनयनम
 रिषकविय ॥ उं स्वस्तिन ॥ ॥ ॥
 नीर्घाद ॥ उं श्रीगुणलक्ष्मी ॥ ॥ लयूना
 हितनकाय ॥ ॥

धनानस्यमिमाथकादिद्वयमवधला
 मालावलखधधयावदययकसिहा
 सनसगय ॥ स्वस्तिकस ॥ यनयनकन
 नधियावगितनमसाधनयायक ॥
 वीर्यारुणि ॥ उं ह्रीं स्वाहा ॥ घृगनयवा

न ॥ उं वक्रकर्म ॥ यधूवलंगहलनका
 वक्रवानत्ताय ॥ ॥ यनः ॥ ॥ ह्रीं स्वाहा
 ॥ उं ह्रीं दत्रिभू ॥ उं धीवाय ॥ यनः ॥ उं
 स्वस्वाहा ॥ उं नमः ॥ नखवाय ॥ ॥ ॥
 धियागादकनहाय ॥ नमयमीन ॥ ॥
 ह्रीं नमः ॥ यवलातधियाव ॥ उं अ
 रिमूर्धननखिमुर्धन ॥ उं यवागममवि
 तामददायुवः ॥ कल्ययतातीरिल
 लाम ॥ लव्हावृयादिस ॥ ॥ स्तु ॥ गुरुका
 येनानवादद्यात् ॥ ॥ नारि ॥ नमः ॥
 ॥ उं गुरुद्विनिनीवालीगर्हद्वि
 यथयुक्त ॥ गर्हकमृष्टिनोदवावाध
 र्कायकनमः ॥ उं नमः ॥ ययययय
 नस्ययनयनयन ॥ अस्याययय
 कार्यगर्हमादहिनयमान ॥ ॥
 वसाय ॥ असाधुमाय ॥ नारिवासा
 धयत् ॥ उं वनामिर्गुद्विडाहोतिना
 निवदिगदिद्विद्य ॥ गर्हकाययय
 वृत्तउल्लङ्घातिडमना ॥ ॥ ॥
 कादिनीनमगुरुताउवानत्ताय
 ॥ सगुणदक्षरानत्ताय ॥ उं स्वस्ति
 निनामिमीना ॥ ॥ यनयनयन
 दिविय ॥ उं वसाययविगमसि ॥

द्विनसिन्धुकायावधयामालसा
य॥लीमकिनीयाय॥उंरु॥उंरु॥
सुयडा॥पुडा॥लि॥स्या॥सुवीनावीने
सुयायथावे॥क॥व॥साय॥तय॥उं
यविगु॥क॥क॥यिन॥स॥या॥य॥उंरु॥
युव॥स्व॥स॥जा॥या॥जा॥लि॥स्या॥सुवीना
वीनेसुयायथावे॥य॥सि॥व॥लान॥सं
खन॥उं॥सु॥न॥नि॥मि॥न्द॥स॥खं॥उ॥व
ख॥व॥या॥सं॥लि॥व॥न॥ग॥वि॥ष्टि॥या॥य॥थ॥या
सं॥या॥स॥दा॥क॥ल॥मान॥क॥न॥या॥व॥लि॥व
न॥ख॥क॥या॥य॥उं॥क॥न॥व॥ध॥न॥सु॥मू॥दू
रु॥म॥सु॥॥क॥न॥न॥का॥न॥हि॥ने॥उ॥३॥॥उं
न॥का॥रु॥न॥॥ल॥स॥य॥न॥ा॥या॥दि॥न॥मो॥उ॥स
सा॥क॥या॥य॥॥व॥उ॥सि॥मा॥क॥या॥य॥॥या
न॥का॥न॥हि॥न॥॥व॥र॥सि॥या॥व॥द॥॥उं॥उ॥मू॥रु॥
व॥टा॥वृ॥क॥उ॥रु॥॥व॥रु॥लि॥नी॥रु॥व॥॥मि॥म
द॥ल॥नी॥सि॥ध॥मू॥वि॥या॥॥उं॥व॥सा॥य॥वि॥ग
म॥सि॥॥स॥रु॥या॥य॥ल॥ख॥न॥दा॥य॥॥॥थ॥का
दि॥नी॥न॥सि॥ध॥मू॥रु॥न॥वा॥या॥॥उं॥ग्री॥ध॥न॥॥
य॥न॥ख॥न॥मि॥दू॥न॥क॥या॥॥३॥॥उं॥सि॥दू॥न॥
न॥रु॥न॥सु॥मू॥दू॥रु॥म॥सु॥॥उं॥रु॥उ॥वि॥ष्ट
दा॥॥सि॥ध॥मू॥वि॥या॥॥उं॥ग्री॥ध॥न॥॥उं॥
ल॥न॥उ॥ला॥व॥रु॥उ॥ल॥सा॥ला॥सा॥क॥या॥

य॥उं॥सि॥ध॥मू॥रु॥न॥क॥द॥म॥नी॥नी
घृ॥ग॥म॥न॥स॥ध॥म॥रु॥न॥मा॥न॥॥वा॥उ॥
व॥रु॥न॥वा॥जि॥न॥जा॥न॥व॥दा॥द॥वा॥न॥वि॥दि
धि॥य॥मा॥स॥ध॥रु॥॥स॥गु॥न॥ली॥वा॥दा॥उं
य॥घृ॥ग॥॥सि॥ध॥॥उं॥रु॥उ॥वि॥ष्ट॥दा॥॥स
गु॥॥उं॥द॥धि॥का॥या॥नि॥॥स्वा॥न॥॥उं॥दी
घा॥धि॥स्वा॥॥य॥न॥॥ह॥या॥ली॥रु॥न॥य॥नू
ख॥न॥॥उ॥व॥लान॥धि॥या॥॥उं॥य॥रु॥स्व॥सी॥म
ह॥द॥य॥दि॥धि॥व॥न॥द॥म॥नि॥गु॥न॥॥व॥दा॥रु
न॥मा॥न॥दि॥घा॥त॥य॥॥म॥न॥न॥द॥॥न॥गं
जी॥व॥मू॥न॥न॥द॥न॥ग॥॥गु॥रु॥या॥म॥॥न॥
द॥न॥गं॥॥आ॥दू॥नि॥धु॥नि॥ष्टा॥॥उं॥म॥ना॥दू॥नि
॥॥थ॥का॥दि॥नी॥न॥व॥धू॥ना॥सा॥उ॥रु॥ति
न॥ख॥सि॥क॥स॥न॥य॥॥च॥न॥या॥स॥न॥या
च॥क॥॥य॥न॥ा॥दि॥न॥न॥ख॥सि॥क॥वा॥च॥न
य॥॥॥॥॥च॥न॥या॥स॥न॥ध॥न॥का॥व॥च
न॥खा॥सं॥त॥व॥य॥व॥लि॥सं॥त॥व॥च॥य
क॥॥य॥न॥॥व॥ध॥य॥न॥य॥या॥ख॥व॥स॥य
इ॥सि॥का॥स॥न॥स॥न॥य॥॥॥ग॥न॥॥सं॥ख
रु॥न॥॥न॥जा॥द॥न॥य॥ज॥मा॥न॥द॥न॥या
नि॥म॥नि॥क॥य॥ष्टि॥क॥॥वा॥क॥न॥य॥जा
॥उ॥व॥ध॥न॥या॥दि॥॥सा॥म॥धि॥॥थ॥सा॥म
धि॥ने॥व॥य॥द॥न॥नी॥॥घृ॥त॥दी॥य॥ष्टि॥क॥

वसथकाव संगाड ॥ धाल ॥ समल
 स ॥ कलस ॥ नागायनस ॥ स्वाय ॥
 रुनस ॥ ॥ लहवा मध ॥ लायवहा
 मन्वा लहवा ॥ मासलहवा ॥ मास
 ललहवा ॥ ठवालहवा ॥ मंगलह
 वा ॥ धतिमधिता ॥ ॥ सुवर्णदकि
 वा ॥ दानविचक्रयात ॥ यीगवृ
 ण्डीमालका ॥ पूजायदानयात ॥
 क्रादुमकगसलिव ॥ नकचंद
 ननयक्रायवीतययमालुकी ॥ धू
 न ॥ क्रादुमकग ॥ थकन ॥ नाय ॥
 सधुवनवि ॥ विमह्वसार्थकादि
 नीन ॥ थवालखस ॥ विधिथ्रुमा
 लथालमायमाल ॥ दकायावक
 मानकलससथाठ ॥ जाकथानक
 ॥ दयथो ॥ पुचिवभुनयविधाय
 ॥ ॥ पुचोद ॥ लयीगच ॥ पुनदाद
 नयग ॥ १२ यमलित्वा ॥ अहण्ड ॥
 चपुयकृत्वा ॥ चपुदीनकृत्वागय
 कमानकलन ॥ ४ कृयथ ॥ ७ ॥ दानम
 गणयति ॥ कृययालमगुणमालका
 तय ॥ ॥ पुचलदवगनसाचकन ॥
 यजमानमपुर्वादिमुखकृत्वायु

वि ३

३ क्रादुसंययनासिक्कादुसंगमंगल

जय ॥
 र्थकादिनीनवधूलासावरुय ॥ स्व
 सिकसयवययाखवमवसावक
 ॥ निमिर्कन ॥ ३ ॥ वक्राहर्न ॥ वलि ॥ ३ ॥
 मधुवा ॥ कलखलकावगय ॥
 थवालखसवाचंनकाय ॥ म्नीयन
 थगकुमानमयून ॥ यथाविधान
 न ॥ ॥ भासिवा ॥ ३ ॥ अद्यादि ॥ ३ ॥ वधुय
 जवगमदलकमानकवल्मश्चननि
 मित्यर्थकर्तृधीसूर्यायमूर्ध्वश्चय्य
 ॥ यथराजन ॥ पुननमस्कार ॥ न्यासाध
 यागपूजा ॥ अतयूजा ॥ मगकमाले
 कलन ॥ ॥ धर्न ॥ मभुगयादग ॥
 ३ ॥ यथादयामक्रायरुत ॥ धूयक ॥
 ३ ॥ यथादयादक्रायरुत ॥ अहम
 नगाठनी ॥ ३ ॥ नममवदमन्याव ॥ ३ ॥
 धीमहीतिकवचायक ॥ अमेकव
 थनावगुठनी ॥ धनमूडादिर्नथत
 ॥ दारुलखानलगकसगय ॥ कन
 तकीयववन ॥ कवलखव ॥ ३ ॥ क
 मानायनकि सहितायधीममय
 र्योत्या ॥ ४ ॥ यवर्गनिमित्यर्थ ॥ ३ ॥
 गक ॥ ३ ॥ रुनिष्कारिकयायम

युयात ववून दयक १३

धिय गय २ ॥ ददि ॥ उं घम कमुचि
 कलाधिय गय २ ॥ उं उरु ॥ उं लम्बा
 दवाय नम लम्बाधिय गय २ ॥ उं नि
 वउदी यवउदी ॥ ॥ पूर्वादिदान
 ॥ उं लुदाय २ ॥ उं मृन्मय २ ॥ उं यमा
 य २ ॥ उं वनूनाय २ ॥ उं वायव २ ॥ उं
 कवनाय २ ॥ उं लम्बनाय २ ॥ उं मृध
 म २ ॥ उं उरु २ ॥ ॥ चउ ८ ॥ न ॥ म
 ॥ उं गलाय गय २ ॥ उं लम्ब ॥ उं
 गुनवनम ८ ॥ ने मृत्वा ॥ उं आगि नो २
 ॥ वा ॥ उं दयया लोय २ ॥ ॥ पूर्वा
 ययय ८ ॥ न ॥ य ॥ उं नूलमृखा
 य २ ॥ म ॥ उं उयवीगाय २ ॥ द
 दि ॥ ककुटाया ॥ ने मृत्वा ॥ उं म
 निमृत्वाय २ ॥ य ॥ उं मृन्मलह
 माय २ ॥ वा ॥ उं मृन्मि मृत्वाय २
 ॥ उरु ॥ उं दावमय २ ॥ लम्बना ॥ उं
 विद्यन्मृत्वाय २ ॥ ॥ ॥ नम ८ ॥ पूर्वा
 दिददलय ॥ उं उं स्कुन्दाय २ ॥ ॥
 उं विन्मृत्वाय २ ॥ उं कोश्रुदानम
 य २ ॥ उं उमानन्दाय २ ॥ उं मृन्मि ग
 रुय ॥ उं नजमृत्वाय २ ॥ उं मरु
 मनाय २ ॥ उं मृयवृमय २ ॥ उं क
 किमनाय २ ॥ उं य ८ ॥ य ८ ॥ य ८ ॥

उं कमानाय २ ॥ उं दवसनाय २ ॥ उं
 गुहाय २ ॥ म ॥ उं कमानाय नकि
 सहिताय २ ॥ उं नित्य ॥ ॥ २ ॥ उं म
 दिद्यादिनवग्रहया २ ॥ उं मखादि
 द्वादलनालिखा २ ॥ उं यगियदादि
 निधिया २ ॥ उं कालाये २ ॥ वलिय
 जा ॥ उं नमावमृन्मया ॥ गवयनि ॥ उं
 गलाया गवयनिरु ॥ उं न ॥ उं वृह
 स्यनमृन्मि मृत्वा ॥ उं मृन्मि मृन्मि क
 ॥ मृन्मि ॥ उं वा ८ ॥ मृन्मि मृन्मि ॥ ॥
 मृन्मि ॥ उं व ८ ॥ मृन्मि मृन्मि ॥ ॥
 मृन्मि ॥ उं व ८ ॥ मृन्मि मृन्मि ॥ ॥
 कायाति ॥ उं दीर्घाय २ ॥ उं या ८ ॥
 लनी ॥ कसकन ॥ उं समित ८ ॥ मृन्मि
 ल्यथ ८ ॥ मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि
 मानो ॥ उं मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि
 यायना ८ ॥ मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि
 मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि
 मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि मृन्मि
 ॥ मृन्मि ॥ मृन्मि मृन्मि मृन्मि ॥ यहि
 दाना ८ ॥ मृन्मि मृन्मि मृन्मि ॥ उं
 मृन्मि मृन्मि ॥ उं य ८ ॥ मृन्मि मृन्मि ॥
 उं विद्य ८ ॥ ललाट ॥ उं मृन्मि मृन्मि
 ॥ उं मृन्मि मृन्मि ॥ उं मृन्मि मृन्मि ॥

निरुक्तम् ॥ प्रणिष्ठा ॥ ॐ मनाहनि ॥
 ॥ नतः स्त्रीयवर्णकतिशकलः
 मसथडाडा विद्याडारुयागुलिजाक
 स्वप्नासन ३ धनकमानकलनसथ
 न ॥ यद ॥ ॐ याः रुलनी ॥ कतन ॥ ॐ
 रुलाद्येनकसुनेष्वनकसकामचन्द
 ने ॥ गुतादकेष्वगन्धेष्वनेवेद्यवलिपु
 उयत् ॥ ॐ यत्तमात्तकरुल्यव्यगा
 मूलधूयदीयकक ॥ यूगजानमया
 चिन्तामूर्त्ययङ्ककमानक ॥ ॐ नि
 रुयणी ॥ ॐ कमानायसगयविवाय
 वगत्त्वाननकचन्दनसिद्धनरादन
 यूयधूयदीयनेवेद्यादिसर्वत्रमः ॥
 ॐ कमानायनमः ॥ ॐ निमन्कुणजा
 यः ॥ १० ॥ मणुलकम् ॥ नकाक
 नजास्यति ॥ ॐ यद्वनगद्यनिः सो
 म्यः नका माल्या नयनः ॥ मवालावा
 रुनूयायययुक्तः ॥ लिखिवाहनः ॥ यू
 लुम्बवदनः ॥ श्रीमान्गिलिखालकि
 मयूगः ॥ कृत्तिकावक्रिन्डाद्रसम्
 रुतः ॥ मन्त्रिन् ॥ वालवृद्धासदाय
 तागुतनलुलसयूतः ॥ एवमानाधि
 नातः ॥ स्वस्वगदयीर्तायथाहुः ॥

ॐ यन्मन्त्राणां रविश्चन्द्रसर्वदाय वि
 बर्हिर्गङ्गामालकासु मुनियाम् ॥ ॐ
 वायार्हयाय कर्माहयायामायाः
 यस्मिन् वराणां हि मादित्यवर्णसर्वः
 याय रुवास्व ॥ ॐ ये मानयन्त्याश्च
 सवल्गुहर्णसुगर्गध्वादि ॥ ॥ धृतिदि
 धीमाल ॥ कुमानकलनयूजा ॥ नी
 मकानयनना ॥ अद्यादिगुप्तनमस्क
 न्यासादिआत्मयूजायाकावहावा
 र्जमादिधलनातिर्यङ्मना ॥ ॥ गता
 वाक्कणयूजा ॥ गूढमासन ॥ रुक्मा
 धीवन्दनयस्याधूयदीया ॥ अन्नम
 कल्या ॥ अगुगर्गध्वादि ॥ ॥ ॥
 कुमानकलनयाहवनउल्लिख
 ल ॥ कूणद्ववा ॥ गुनिल्लिख ॥ लाहमा
 लायायूजायाय ॥ कतन ॥ ॐ निर्व
 यश ॥ ॐ उमायश ॥ ॐ नमः ॥ रवाय
 ॥ ॐ र्वायसुमिक ॥ अवसवल्लिख ॥
 ॐ नमः ॥ रवाय ॥ खवसकूल ॥
 ॐ गूढविमू ॥ दधूसगुनिल्लिख ॥ ॐ
 वक्रयज्ञान ॥ लाहोमास सुनिल
 खगयावउल्लिखालिख ॥ पुन
 र्वायकूल द्ववायाल्लिख ॥ ॐ

थागल ॥ उं स्वस्तिनामिमीता ॥ स्वस्तिव
 चन ॥ उं लिखालदियधनकावका
 याउमयालविद्यं जवसगय ॥ ग
 मयमगुलमयइयासनथायाउता
 जाकुलामदकास्यंगय ॥ धधृकुण्वा
 लचूर्णकायालमयालविद्यावधया
 खवसगय ॥ ॥ धउमधीयूजाया
 य ॥ कतन ॥ उं उमधगामेन ॥ हि
 ०सी ॥ नगियूयनयूजायाय ॥
 धधनकाव ॥ ५ ॥ गत ॥ मिमार्थका
 दिनीनवधूमतरुतालवानत्वा
 य ॥ सगुलनवमुदिनत्वाय ॥ उं
 स्वस्तिनामिमीता ॥ क्रादुसययना
 मि क्रादुसगमिधुलविद्य ॥ उं व
 सा ॥ यविग ॥ यूरकामचिंतिता ॥ वी
 र्यवानिनिचिंतिता ॥ यन ॥ ॥ उ
 उमियालयायालकायावयून
 वलवधूयाउवमक्रासमगिसि
 स्यंग ॥ उं मसूनागिमिदुसर्व ॥ उं
 दिनवधुगर्क ॥ ॥ कूलयालकार्य
 वख ॥ क्रासमगिसिस्यधन ॥ उं
 म ॥ ४ ॥ मरुत ॥ ४ ॥ पृथिवीवसाचवि
 धकर्म ॥ ४ ॥ समवर्कता ॥ पुनस्यउ
 द्याविदधु यमगितनृगस्यध

यत्त्वमाजानमः ॥ वध्याग
 र्कसाधिर्यतय ॥ मन्त्र ॥ उं सूर्योऽसि
 गन्तव्यं गिरिवृक्षनिवागं ययं च द्रव्यं
 उधनं वयं दोषां समात्मा कुन्दा ॥ सा
 इति सामं वदं ययं ययं ययं ययं
 धृष्ट्या मन्त्रा ॥ सूर्योऽसि गन्तव्यं
 र्गं च सूर्यतः ॥ अयं नित्यं मन्त्र
 ॥ ॥ उं यदकं सूर्योऽसि नित्या
 न विष्णु कर्म ॥ ॥ ययं ययं
 ध्यातव्यं वध्याग र्कसाधिर्यतय ॥ उं सूर्योऽसि
 विष्णु दासखात्रायाः कियन् ध्यातव्यं
 नलदाता कर्म दत्तनात् ॥ ॥ तः
 तः कर्मान् कलनं ययं ययं ययं
 ॥ कर्तव्यं ॥ उं दद्यात् यथादि ॥
 दम्यत्यो कर्माणि लिखन् ध्यातव्यं
 ययं ॥ उं ययं ययं ययं ययं
 मर्लं लिखन् दत्तं गगनं लवित्रा
 ययं ययं ययं ययं ययं
 वनना ॥ ययं ययं ययं ययं
 लनं ययं ययं ययं ययं
 नित्या ॥ तः ॥ उं नमः ॥ तस्मै
 नायस्व न्यायना किध्वानि ॥
 मयूत्रं वनं वाहाय विष्णुं ययं

नमास्तुत ॥ उं यमादकनूमदवय
 ययोगादिवर्द्धनं लक्ष्मीसोराय
 सकान्तधनधनयप्रवर्द्धनं ॥ उं
 नमस्तस्मैकुमानायय कान्तये
 वराधितं दिशारननरुस्वोच
 विलम्बवायनमास्तुत ॥ उं सासा
 सद्यद्यतवर्द्धिः सासतिः सेवरा
 ना ॥ महाधनादृणः कृयायाष्ट
 लीरवतिद्युयं ॥ उं अस्त्युगजा
 तकामनार्थकुमानाश्चनविधि
 मृगर्धयुयधुयदीयनयद्याश्च
 नतस्मैविधियनियुर्गुममृ ॥
 ततावाक्कणदिदक्षिणदार्म ॥
 अगर्धमादि ॥ ततावाक्कणनवा
 चनगृष्ट वाचनजलनारिष
 कं ॥ चन्दनमिदृनसगुणनीर्ष
 द ॥ उं वक्रास्यत ॥ उं यगवाण
 ॥ धकादिनीनवधुमरुलय ॥
 उं याः रुलनी ॥ मानगि ॥ उं गजा
 निपुक्रम ॥ गायनहाला ॥ उं म
 नाहृति ॥ इरवारिखावाचकनर्क
 य ॥ दययोसृष्टीजाययक ॥ द
 किवियद्यानम ॥ दम्ययोसगुण
 धनिचयंथिचक ॥ ततावाक्कण
 वाक्कणराजान ॥ दम्ययोकुमा

नकलनक्रिथीयुजायायमाल
 ॥ नर्कमनं क्रिथीक्रिथीयुवाक
 स्वद्यालध्वानकुमानकलन
 मर्थनमाल ॥ क्रिथी ॥ चालाला
 खनद्यावाचनकतीनरुवा ॥
 यावत्कुमानयुजायविधिगाव
 न्नलद्यथतानदीगनगमान्च
 हनकमीनेकानयत ॥ ॥
 नियुस्तवनविधिसमायक ॥ ॥

अथ ॥ सीमकानयनविधिर्वक् ॥
 यथामंरुमासंयष्टमंवा पुनरिवस
 वाक्कणदिस्मानकृत्वा ॥ अग्निर्कृ
 दनं ॥ वक्रायाल्याखनकलनगन ॥
 ध्याखवमजवसमृष्टकलन
 नं ॥ सादृतीर्थलखधनं ॥ ॥ उं
 लंयययययलजाकलवियं
 गुर्क ॥ स्तानेरुलादकं कृयनीमका
 नयनेविधि ॥ उं नलहा ययखा
 नाठाय अवन वियगु धकागा
 रुलादक ॥ धरुलादकतनक
 लस्यति ॥ गृष्टमृद्वीहितक
 लस्यति ॥ चययलव नाजअला
 यठरुल ॥ कलस्यतिगिन ॥ धम
 हवसकलसनवक्राकलनया

जवदालिधनकायकायका
नननधननक॥धयाजवसे
गुणसगन॥कलवकुर्मिदुन
ल॥नोलियतासि॥यनिमेश
नतासर्वयान्यातसजीवता
दिअष्टमंगलथाय॥नमो
चनन॥यनिमेशयान्यातस
अष्टमंगलनद॥नखचकन
दायप्रथाय॥मधुवासुद
वयानामथाय॥सगुणया
दवभक्तसगन॥द्विनसि
य२॥कनव३॥चसिवला
वर्लंगगलयाग॥डाहा
लककथि॥अजरासानो
॥दतककथि॥लसथेता
॥वठसि॥१॥कनलका॥या
तका॥रुलदुर्वा॥तादिपू
थसिधुययागसिधुम
दससिधुनगस्यगन॥॥व
क्राकलनयाह॥भलद्री
नायायलचन॥जवलाख
नकाखायकावगन॥धका
खामघा॥ललसुलि॥वा

कूटा॥मकुसि॥यतक॥न
सारुमि॥१॥रुलथक॥वा
लेमस॥२॥दथस॥क्राक
यातनकचासुयाव॥थ
थन॥नका॥यका॥विय
यु॥समुख॥वृयकनन॥
अकत॥मडु॥रुस्वान
धतथन॥धयाजवखव
ससिजलनन॥नयवका
नहिडाउ॥लयाडुकोउ
वस॥डाहायाडुकोखव
स॥रुदावतय॥धउनल
खतलकीनानायलका
खायकाउवय॥क्रक
सिधुमनय॥नममस॥
कुमान॥सूर्य॥दिरुलकि
नगय॥चन्दन॥दियुयय
हायवीनखलावगन॥न
यसकायावर्थकादिनय
वदकयाय॥नममसक
गुलिगक॥वाक॥उंयडा
मसिधुवधुनीमनानय
ननिमिथय॥आयदेवकः

यथादकवृद्धिप्रसङ्गः॥ यथा
 दकधनकाडा॥ यथायथा
 ॥ॐ अथादि॥ वाञ्छुः॥ सु
 यार्थः॥ ॐ मन्त्रिभ्यः॥ नीम
 कामयमानं रवकादिः
 कलनाञ्जननिमित्तार्थः
 यथाजननी॥ यथायथा॥ ॐ
 मुखपुमन्तुलाकोलंति
 मन्त्रेण पुनः समर्पणं॥ न्यासा
 यामयुजा॥ ॐ ॥
 ततः कलान्तिकर्मकान्तरं
 त॥ यथायथाविधि मन्त्रेण
 कलनाञ्जनं॥ ॐ ॥ ॐ तः
 स्त्रायामि॥ ॐ तिष्ठानाञ्जनं
 कान्तरं॥ २७॥ ॥ ततः
 विष्णोवाहकलनयुजा॥
 कंतनं॥ ॐ धनं यथा॥ ॐ य
 उक्तं मनः तयं न धियावि
 यावृहताविद्यया विहा
 रादधेययुनाविधेयकं न
 महिदं यस्याविदुः यन्निमृति
 स्वाहा॥ ॐ धनं यथा॥ ॐ
 ॐ दं विष्णु विद्यकमन्त्रः॥

निदधेयदं॥ समस्तमस्याया
 ॐ स्रव॥ १॥ ॐ सामा यथा॥ ॐ
 ॐ नावती धनमती हिरण
 ॐ सूर्यवसिनी मन्त्रदलस्या॥
 ॥ यस्मिन्नादमी विष्णुवत
 दाधकृष्टविमी मरिता मः
 सूर्ये॥ १॥ ॥

॥२॥ उं अह्या
 २॥ उदव प्रनोदवद्या घाय
 गयाचीयतमध्वनकल्यनी। उ
 द्ययकृतयगमाडिकनग। स्वर्ग
 धर्मवदतद्वीदथमायुमा
 निव्यादिष्टयडामानिदिष्टमगेन
 मध्यादिष्टयिधिया॥४॥ उं अनिला
 य॥ उं विष्णुर्कवीर्याविषवा
 र्वय॥ याधिवानिविमभनजा॥ सि
 याभूस्तरायदहन॥ मध्वं वि
 चकमानम्। धनगयाविष्णुव
 त्वा॥ ५॥ उं अनलाय॥ उं दिवा
 वाविष्णुडतवायुधियानहावा
 विष्णुडनोवगनिहा। उराहिरुर्क
 वसनायुगस्त्रययक्तदा। नमदा
 तसयाविष्णुवत्वा॥ ६॥ उं ययुया
 यशयितद्विष्णुस्त्वगवीर्यामृ
 (मनरीम॥ कृचनानिनिष्ठा॥ य
 स्थानययिष्णुविकनस्त्रधिक्षियनि
 दुवनानिनिष्ठा॥ ७॥ उं ययुया
 १॥ उं विष्णु॥ नलाटमसि॥ ८॥
 यष्टकलनार्चन॥ ॥ म॥ ॥ उं
 बुद्धा॥ ९॥ उं दमसर्न॥ ॥ उं हं मास
 नाय॥ १०॥ ॥ ध्यान॥ उं यीनीयीनीच

कोमाना	सयुग	मृष्टकल	कलेन	मृष्टकल	म	मज्जा	वालि
--------	------	---------	------	---------	---	-------	------

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ क्रमानकलेन॥
 अमर्त्यक
 आवयक॥
 मग

हूँ नमः ॥ नमः ॥ उँ आ य नमो ॥
 कोमावी ॥ उँ अ ग वा नमः ॥ हूँ याः
 दि ॥ उँ आ कृष्ण ॥ आदि त्यादि नव व
 हा ॥ उँ आ कृष्ण ॥ द न ला क या ला ॥ उँ
 या ता न मि द ॥ य व ला क या ला ॥ उँ
 न न नां वा ॥ य व व क ॥ उँ म था ज
 ना ॥ मा मा दि ॥ उँ म ह मा मा ॥ क र्क
 ॥ उँ म मि त ॥ म क ल्य थ ॥ म सि धि याः
 वा विष्णु म म न स्य मा नो ॥ ॐ य मूर्ति
 भ र्ति म व सा नो म था य मा नो ॥ मिस
 म चि र्का न्या क र्क म न य नि ष्ठा धि र्य
 ग व त्व न ॐ य मूर्ति य ज मा ना यः
 धि र्ति ॥ मि ध र्म ॥ गी श्रु त ॥ उँ स्व मि न
 ॐ द्या ॥ धू य ॥ उँ धू न सि ॥ दी य ॥ उँ न
 जालि तु ॥ उँ या ॥ रु ल नी ॥ उँ म न्न य
 त न्न ॥ ला ज्ञा न य ति क्ता ॥ उँ म ना स्ति
 ॥ जा य मा ग ॥ उँ हं न स्तु ॥ य म था नि
 हू ल धि म ख ध न ॥ म गु वी र्घ य ला
 मा वी ता वृ द्ध ॥ गि द गु ष्ठ व म यि ज य
 धृ क् क णि का य क र्क र्क ॥ यि ज्ञा की
 सा रु नी वे स न चि न ज टि ला ल व कू
 र्गि द गु ष्ठे न यी था ग य द्वा द्वा चि
 त त स क ल सृ क र्ग न म यूर्व क र्क ॥
 उँ ल क्श ना ना य न य गि रु व न मि
 न वे न त ज्ञा म न स्तु वा म य द्वा द्वा द

लस्वमितकनयनाधर्ममादाथद
 पु॥ विष्णु चक्रे वासादतज्जुत
 कनाददि (७) चक्रे (७) राकोमादा
 लस्वयद्विधवगिकनतले४यस्त
 स्मेनमासु॥ ॐ अष्टकमावली॥ ॐ
 विष्णु चक्रे वासादतज्जुत॥ ॐ
 मस्तकयिलदवि॥ ॐ कोमावीम
 यूनाचूटा॥ ॐ ॐ दव॥ ॐ यथः
 वानं॥ ॐ अजमानिस्यवधूनीमका
 नयननिमित्तार्थवक्त्राच्चननिः
 मित्यर्थअपगंधादि॥ ॥ तना
 थयदासाधनं॥ कलत्रिकमंगल
 कालीमाधनिधायनियर्तकं॥
 कोकाय॥ ॐ वागयस्वाहा॥ यथ
 विधानेन॥ ॐ दवस्व४संध्यं॥ कि
 चित्कंदलकियत॥ लस्वयन
 इगु॥ चनूसर्गया॥ कलनचन
 यागदिनं॥ ॐ ॐ उजायतनत्वं
 ॥ चनूयागयज्जर्न॥ ॐ (७) तमाय
 ॐ ॐ ॐ ॥ कलत्रिकमंगल
 लसांवावनादनं॥ इतिनाचनमा
 नर्न॥ घृतादिघातर्न॥ ॐ अग्नि
 गच्छस्वर्गमानायविन्दुस्वाहा
 ॥ ॐ विष्णुगच्छस्वर्गमानायविन्दु
 स्वाहा॥ ॥ ॐ कावगचनसर्न

खनकाय ॥ गत ४ कर्म ॥ कल य
 मनह सायव नादि मृगिमय
 कर्ण ॥ कर्म ० मृगमर्दन किया ॥ मृ
 सादण समिध काम ॥ मृगमर्तम
 कनर्ण ॥ उर्मगलाय स्वाहा ॥ वधून
 यनूययाददिगर्कधस्युल्ल ॥ ॥
 जिह्वाहाम ॥ वदाहर्गि ॥ गत कि
 यश्मनिग्राहति ॥ वक्त्रादिया ग
 घृताहति ॥ यूजुर्न ॥ गिलाहति
 समिधमरु कल्लमदियुति ॥
 गिलाहति यूजुर्न कृत्वा ॥ ॥ ग
 ता यथा कर्म कानर्थ ॥ ॥
 चवहाम ॥ उं वजाय स्वाहा ॥ घृत
 न ॥ उं दयजाय गृय ॥ उययम
 न कृन्मय याग ॥ उं मृगयमृ
 दिकृतय स्वाहा ॥ ॥ गिचवृदाय
 चलहन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

यज्ञयायुधालिनगागवा यिवन
 चवकिचवकि थायाव कयति
 गव ॥ धिन वधूलासावहयाव
 गय ॥ थकादिनीन ॥ निर्ममृन ॥
 उं वकाहर्म ॥ मगगय ॥ कल्लव
 हनकाडीगन ॥ उं मृधवाचद ॥

यनूययाददिगर्कधस्युल्ल ॥ ॥
 द्रुयक ॥ उं यजुर्न ॥ ॥ ॥ उं दयवि
 मृ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दग ॥ मृययमिनीमनवदलस्या ॥
 यस्तत्रावा दसी विष्णुवतदाधक
 दृधिवीमरिता मयूखे ॥ ॥ ॥ ॥
 दवपुतो दववाधावर्गयाचीयत
 मध्वर्कल्ययनी उर्ध्वयज्ञनयत
 मा डिह्नत ॥ स्वर्गमृमावदत
 दवीदृथ्य मयूमा निर्वीदिष्ट
 मगनमवविर्मनयुधिया ॥ ॥ ॥
 उं विष्णुर्कवा र्या विषवाच
 यथाधि वानि विममनका ॥
 सिया मृकलाय दूरन ॥ मध
 र्कविचक मागुं गृध्वानमया
 विष्णुवत्वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 गवायुधिया महावा विष्णु उवा
 नत विस्था उरा हिह सोव
 सनायुवस्वयुय कुदकिगम
 विष्णुवत्वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नर्थनमृगमनलीम ॥ कचवा
 निविष्ठा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कमल सधिदियानि विष्म
 धान ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ दधिका प्राणि ॥ जंजन डालका ॥
 ॐ नीललाहि रीतवमि कृत्वा लोणाः
 किं र्थं जने नध कं अस्या जागय ४ य
 तिव ध्वषवधत ॥ जंजन सावा सं
 मसाकथाका ॥ खान सं विय ॥ ॐ
 या ४ रु लनी ॥ जंजन कचक ॥ ॐ
 दीर्घा यस्त्रा ॥ वधू गित त्वन साध
 थ ॥ विरिदाय ॥ ॐ रु स्वाहा ॥ घृ
 तं ॥ ॐ व प्र यज्ञा न ॥ वधू लाय ॥
 ॐ स्व स्वाहा ॥ ॐ नम ४ र्ण र वाय ॥ य
 धू लाय ॥ पुन ४ व ग खान विय सा
 नी वा द ॥ ॐ य ग व ति द क्षि ण त
 ॥ गि ना यु ला ही मि वा सी षु स्या
 धिय गि क वा यु ता ४ जा ता ० व दः
 मा म रु थ य जा म गा ॥ गि य जा म
 व य मू ना त्म ध रु त थ रु य गी य
 य नू ता र्ते र व ति ॥ ॥ विरिदाय ॥
 ॐ रु ४ शु व स्त्र ४ स्वाहा ॥ घृ तं न य ति
 द्वा ॥ ॐ म ना दू षि ॥ वधू ता य त हा
 ल ॥ ॥ र्थ का दि नी त व ला सा डाय
 नं क रित ख सि क सं वृ षा रि मुख
 न त य ॥ पुन ४ व ग व डि न धा वि न
 मा ल का आ गी त य ॥ च न न म त
 व ॥ पुन ४ व ग व रि डा ड न र्क ॥ वधू

न च न र्थ य म सा का य क ॥ न कं
 ॥ पुन ४ व ग व सि वा च न य थ र
 ॥ ध लं का व य क ल की म सा य ॥
 पुन ४ न र्क य र्क म धा न ॥ ला सा
 मा ल का ड डाय ॥ ॥ य ग व ग
 स धा य ल या कू मा न क ल न या
 त ग र्क विय ॥ ॐ य द क न य
 कू मा न क ल न ला य य गी न ॥
 कू मा न क ल न वि स र्क न या य
 ॥ ॐ उ द र्थ ग म स्त्र ॥ सु र्थ ग दि
 थ य ॥ ॥ ध न कू मा न वा क
 व या का य क न कू य ॥ वा स
 म खा हा मा ल ॥ दा न स वा य
 का ड ड वान ॥ वि ना ख सि क
 स य वि मा रि मुख न त य ॥ ॥
 त त ४ कू मा न यू जा ॥ पुन ४ व ग
 का द ग त न ॥ ॐ कू मा न मू र्क
 य ॥ द मा म र्क ४ य ४ ॥ ॐ व
 वा क न या द ध रु सा ध न क
 व न न सि दू न न क य कू य यी
 त य य मा धू द न स म व ग वि
 म रु या व कू विय ॥ धू य दी य
 अ न र्क क ल ॥ नि ल व ड ग मा
 ला ॥ म र्ग धा दि ॥ ॥ कू मा न

तजलं गृहीत्वा वाच ॥ उं नीम
कानयनादलयुक्तमनाथ
कमानकलनदानेदागर्था ॥ अ
थै ॥ ददस्य ॥ कलनिलजल
कमानकलनडाहृतय ॥ वा
च ॥ उं वालाहकल्यति ॥ उं अ
थादि ॥ उं यत्रिस्तानादिमर्थक
त्वादभादकसंयतं ॥ उर्ययद
कलनयुगजातामुमङ्गलं ॥
उं यथा नाम्ना ॥ अमक ॥ द
ध ॥ नीमकानयनयज्ञादि
॥ ॥ कृतेष्टुगुडागकामनाथ
नीकमानकलनदानेदुत्थमह
संयदद ॥ ॥ अथनवाच ॥
न ॥ स्त्रि ॥ उं कादात् ॥ उं
दकामति ॥ यटलुवा ॥ स
माविय ॥ उं नगस्यदोठकंठ
स्यमहंसंयुगद ॥ ॥ स्त्रानक
जाहावतय ॥ उं यसादकनभ
दवयुगयोगादिवर्द्धनी ॥ लक्ष्मी
सोराग्यसक्तानधनधान्ययव
र्द्धनी ॥ उं नमस्तुमेकमानायस्क
दायलकिधनि ॥ मयूनवन
वाहायविभ्रयाभनमासुग ॥

कमानाचनविधौ अगर्गधदि ॥
॥ अथवधूनकमानवाचकवा
वयावयक्तुमिहासनसगतय ॥ क
मानकलनदिहवनगतय ॥ ॥
तालथचकयहन ॥ नावायग
सनाठधनमुनियदय ॥ नाजमु
नि ॥ नाजमवधिनीगीगहाल ॥
धयाआकृतविय ॥ उं नाजं गम
॥ ॥ वीगधचक ॥ धयाआक
तविय ॥ ॥ उं यावकान ॥ वीगम
त्वाय ॥ ॥ वंलययक ॥ आकृत
॥ उं वय ॥ साम ॥ वंमत्वाय ॥
॥ नंखययक ॥ उं यत्रिस्ताना
॥ ॥ मूनजादिर्वंनवन ॥ आक
ता ॥ उं विष्टुगुद ॥ ॥ उं सवि
गस्यविगसनस्वत्मावाचाल
क्षान्वयेष्टुयुगुगुनिविदगामवृ
हस्यतितावक्कणवन ॥ नोऊ
सानिनातजसामामनना ॥ वि
युनादगम्यादवनयायसुग ॥ य
संयामि ॥ ॥ वीनकधयाथा
न ॥ वाचन ॥ आकृत ॥ उं विष्टु
नलाटा ॥ उं सनस्वतीयान्यागर्क
मकनस्ययस्त्रीसुकृतं विर
क्ति ॥ अथा ॥ नमनवन ॥ ननसा

नन्द० लिखे जनयं नयनाडा ॥
॥ यन्मथयययमकु ॥ वध
नठनक ॥ ॐ सामप्रवनावाडा
नामामूखी ॥ यजाअविमूकचक
मासीप्र० मीयदृश्यं प्रीममूकद
वीदि यानदीयममर्निता नम्या
नाममूकानि ॥ प्रीममूकदवीय
गुवतीरवदु ॥ ॥ आचार्यसं
धधगंजाखादुनि ॥ ॐ वक्रगण
त ॥ यूगुयनिष्ठ ॥ ॥ तत० सं
खादुनि ॥ दलमयाति ॥ लमि
कयोद्विक ॥ वाक्रगयूजा ॥ य
वधम्यादि ॥ सामधिवि० साम
धियाय ॥ धधसामधममूकग
धनमाल ॥ ॐ ॥ वलियूजा ॥ न
वेद्यदर्शन ॥ धृतवृत्तिकाराम
॥ वलिरुनगंदद्विजादानी ॥ क
लमदियाग वाक्रगयान ॥ ॥
संप्रवद्युतयानन ॥ ॥ तत० सं
यूगुदुनि ॥ वधुजवसधवक
जानकग ॥ यन्मथययवस
यूगुजानकन ॥ मूदवाल
नय ॥ ॐ दवागम ॥ ॐ मया
यस्व ॥ मूसमायथन ॥ ॐ न

नूया ॥ नमि ॥ मनिवकाकाय ॥
वकायकूविसरुन ॥ वध
खवसगयावधोहितनवका
कललनमूरिथकी ॥ चदन
सिद्धनसगुणनीवीद ॥ उव
लाकाखावधयागविय ॥
ॐ मूकद ॥ वधमयआनति
यतिष्ठ ॥ इखायिखावलिवा
वाचकलकूय ॥ मगनमाल
कासगयावसामधुका ॥
कमानवाक्रगयाशयनक ॥
कमानवासमसंविद्यावक
छाय ॥ ॐ ॥

वाक्रगशर्य ॥ शकनकनक
॥ सामधिविय ॥ यविनिर्क
विय ॥ वधमगुणधनियय
नथियकाडा ॥ संधाजग ॥
वासवायकलकूयवय ॥
धनसगिकूदुनिर्कनिर्कस
नंदिथं प्रीलक्ष्मीनायायव
यूजायायमाल ॥ ॐ निनाम
कानयन ॥ ॥ ॐ ॥

॥ मथमीयनथगदिथं लक्ष्मी ॥

नाना यवपूजाविधिः ॥ ॐ अथा
 दि॥ अममदधनीमुक्तानयना
 दलयुगकामनार्थं लक्ष्मीनाम
 यवपूजाविधिर्यथैकैर्नृणां
 यो योर्ध्वं यथै ॥ गुप्तनमः
 कान॥ चामाध्यागुपूजा॥ ग
 तोजासपूजा॥ ॐ ॥ ततोद्वा
 नावर्तनं ॥ ॐ तत्त्वायामि ॥ २४ ॥
 तत्त्वगतं ॥ ॐ साधनालकथ
 २ ॥ ॐ अनकाय २ ॥ ॐ स्कंदाय
 २ ॥ ॐ स्कंदाय २ ॥ ॐ नालाय
 २ ॥ ॐ यद्माय २ ॥ ॐ यगाय २ ॥
 ॐ कलनाय २ ॥ ॐ कर्णिकाय २
 ॥ ॐ कलवादिद्यादलमूर्कथ
 प्रियादिद्यादलमूर्कथ ॥ दमा
 मर्तयथै ॥ ॐ गन्धसमोय २
 ॥ तत्त्वपीखपुष्पगृहीत्वा ॥
 ध्यानं ॥ ॐ पुष्पसूटिकसंयुक्ता
 ननिचयायमी ॥ एकवर्कविष्ण
 लाकूमयवाकंधनं हर्षि ॥
 चैव यो नृप धरुदवीनृपः
 गथयनं ॥ दवलीयुषर्णकाः
 र्णलक्ष्मकलतरोडर्ण ॥ अवि
 र्णगदार्णखैयर्कचैव काल
 यर्ण ॥ दक्षिणपुडुडौ वन्द्यव

भवेवायवपूजा ॥ कललदयर्ण
 नालयसकं लक्ष्मरुमर्कम ॥ यम
 पुष्टिसमारगर्णखैयर्कम
 यत ॥ अक्षहिरुगन्विष्टा लाका
 नृगुरुकानर्ण ॥ अगुष्ट ४ सांमव
 दात्मनासुदवनमं मुत ॥ ॐ ल
 क्ष्मीनामाय ॥ अयध्मनयथै ॥
 मूलनमसकृष्णार्ण ॥ ३ ॥ नानाः
 गन्धसमार्ययथानिचन्दनाः
 कर्ण ॥ अगद्विष्टुयादय ॥ गमया
 दलागियाज्जिलि ॥ २ ॥ ॐ कः
 लवायपीसहिताय २ ॥ ॐ नाः
 नायलमयवागीध्वनीसहिता
 य २ ॥ ॐ साधवायकाकीसहि
 ताय २ ॥ ॐ लमविन्दायक्रियास
 हिताय २ ॥ ॐ विष्टुवल्मकिमहि
 ताय २ ॥ ॐ मधुसुदमायविष्टुति
 सहिताय २ ॥ ॐ निष्टिकमाय ॥
 सहिताय २ ॥ ॐ वामनायपीतिस
 हिताय २ ॥ ॐ धीधनायवतिसहि
 ताय २ ॥ ॐ दृष्टीकलमयमायास
 हिताय २ ॥ ॐ यदनाययधुतिस
 हिताय २ ॥ ॐ दामादनायमहिमा
 सहिताय ॥ ॐ गिलाकिमहिताः
 दाननामायनाय ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ यन्त्रात्ममाय २ ॥ ॐ लक्ष्मी २ ॥
 ॐ आदित्यादिवर्गहस्त्या २ ॥ ॐ
 नृदिदललाकयालाय २ ॥ ॐ
 अग्निनादिमहाविंशतिनक्षत्र
 ८ नमः ॥ ॐ विष्णुनादिसकाविंश
 गित्यागत्या २ ॥ ॐ मयादिद्वादश
 बालि २ ॥ ॐ युगित्यागिंदुदि
 यचदलति २ ॥ ॐ गणयथ २
 ॥ ॐ गुन्या २ ॥ ॐ रुद्रयादि ॥
 यादित्याग ॥ ॐ आवाहनादि ॥
 चन्द्रनाक्षत्र २ ॥ ॥ गंगाधराचरिणी
 ॐ यज्ञत ॥ ॐ ॐ विष्णु ॥ ॐ ॐ नाव
 ती ॥ धनुर्मगीहिस्त ८ सूर्यवसि
 नीमनवदलस्या ॥ यस्कस्यानाद
 लीविष्णुवर्गदाधरुयुधिर्वीम
 रितामयुखे ८ ॥ ॐ दवधुतोदवः
 आद्यायार्थ्याथितमध्वनकल्य
 यनी ॥ ॐ यज्ञनयर्गमाजिह्वा
 नगर्हि ॥ गृहमावदतद्वीहृथ
 मायमीनिर्वादिहृयुडांमाभि
 वीदिष्टमग्नमयविष्मयुधिः
 या ८ ॥ ॐ विष्णुर्गर्कवीर्यादियः
 वार्चय ८ याथिवीनिविममन्त्र
 ८ मि ॥ या मस्कगायद्रुक्न ८ स
 धर्कविचक्रमागम् ॥ धनवर्ग

आविष्कृतत्वा ॥ ॐ दिवावाविष्क
 उतवायुधिग्यामहावाविष्क
 नानगानिष्ठा ८ उरुहिहस्माय
 ८ स्ययचक्रदकि ८ दागसः
 याविष्कृतत्वा ॥ ॐ यगद्विष्मसुव
 गवीर्यमृगमनरोम ८ कंचः
 नागिह्वा ॥ यस्यानयुगिष्मविष्क
 ८ स्यमिहियनिरुवनाभिः
 विष्म ८ ॥ ॐ विष्णुनलाठ ॥ ॐ ग
 दित्यासाविष्मनयायागुगवा ८
 नसमिधमाविष्म ८ यनर्म
 यद ॥ ॐ विष्म ८ कर्मादियन्मसि
 यगावितानियन्मस ॥ ॐ नृस्यः
 हृष्टसखाविष्मार्थ ८ यनर्मयद ॥
 ॐ गीतियदा ॥ ॐ नद्विष्म ८ यनर्मय
 द ८ सदायन्मनिसूनय ८ दिवी
 वचक्रनातर्ग ॥ ॐ निद्वादलना
 नायसवद ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ लीधन
 ॥ ॐ आविष्मगयथ ८ डिमीन
 कसागममसागहृयतमहृलि
 म्पिरुनधनोमनिमोमनिमोवि
 मृधर्गवा ८ हृनान ८ ॥ ॐ हृमना
 नृक्ष ८ यथीदमयमाय ८ डि
 यनृचान ८ मनिनृसुतामराव
 दथारिथ्यदधन ८ योवजनयः
 सूनता ८ ॥ ॐ लीधनमदानाधन

ननु त्वां विवृणोति नाना यच्चिद्वदुदयं
नृणां मेदं यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा यथा

अनयीनीमनीषा हायाथेन
आमगाया ॥ वसुसुनः सह
साधुनाजा विराजते गडयसा
निधाने ॥ ॐ वसुनः कर्णं वृद्धि
यश्च गेमिसगिता प्रियः ॥ सगा
मायसमाचलदधाना यरुः
मासग ॥ ॐ वृद्धि मवुक्ता प्रकर्ण
यारु प्रियसंगतः । मयिदवदधाः
प्रियमरुमां गमेत स्वाहा ॥ ॐ अरु
अककक कयुधिया धनगायाः
जनासक सिधु हिनव्यका विर्ग
दधउत्त निने मुखवसवा श्रीनि
॥ ॐ हिनव्यया विः सविता वि
चर्य विनूरुद्या वायुधिवी अरु
नीयस । आया मिमा विधनव
निसूर्यमरि कृष्ण ननजसाय
मृदोनि ॥ ॐ हिनव्यहको अरु
नः सनीथः ॥ सृष्टीकः सवाया
लवीरु । अयसधमुदसाजा उ
धानातका दवः ॥ यनिदार्थमृः
गमः ॥ ॐ मनसः काममाकृष्टि
वाकं मयमनीयः ॥ यनूना ॥ नू
यमनव्यडासाजसः ॥ पीलयम
महि स्वाहा ॥ ॐ सनस्वगीयाः
न्यागर्कमनवम्यायनीसकः

नयको कामजात्मा कृदः ॥ सृगति सामगत
हा । सृवे ॥ सिगनूत्मा दिवंगकसः नतः ॥ २

न विवृणोति नाना यच्चिद्वदुदयं
धाम्ना प्रियेजतयका यनाजा ॥
ॐ समशयदया धिया मदिदिगः
आनचकसा । मामआयः ॥ यमाः
वीभा अरुं नववी नम्वदयं तवद
विर्मदलि ॥ ॥ ॐ निष्ठा दिद्यादः
नदयावद ॥ ॥ वरिद्यावनि
दि ॥ ॐ सहसुगीयी ॥ ॐ हिनव्यव
धु ॥ ॐ मयः ॥ धुमि ॥ ॐ यसा कर्म
॥ ॐ अरुक् ॥ ॐ गता नमिद ॥ ॐ गवा
नीवा ॥ ॐ वृहस्यन ॥ ॐ अम्वमृदिक
॥ ॐ नमा सुनीय ॥ ॐ वाक्मणीसः
वितन ॥ ॐ अरुमासा ॥ ॐ अरुनय
कनि ॥ ॐ वृद्धा ॥ अयकति ॥ ॐ न
कयथर्यु स्वाहा ॥ ॐ या नया न
॥ ॐ अरुमयका ॥ ॐ सवत्सना
॥ ॐ वक्रयज्ञान ॥ ॐ वृद्धि विद्यु ॥ ॐ न
मः ॥ रवाय ॥ ॐ विद्युतप्रद्विना
॥ ॐ अग्निमीठ ॥ ॐ अरुनाजायः ॥
ॐ समित ॥ ॐ जीवत ॥ ॐ स्वस्ति
नवृद्धा ॥ ॐ ययः ॥ यथिया ॥ ॐ
विद्यु वलाट ॥ ॐ अग्निद्विता ॥
ॐ धीनानि ॥ ॐ धूय ॥ ॐ धूनसि

[illegible]

नाद्यमगर्भमादि ॥ मधुलवि
 मर्जत ॥ मध्यागदकनाम
 मयदणी ॥ यतनतयकवध ॥
 डंयदयक ॥ सिद्धवर्गयक ॥
 डंनडविष्टदा ॥ आनीष्टदस्वा
 नविय ॥ डंणीष्टत ॥ मध्यमादि
 थाय ॥ नादीमुखमयातावध
 थद्विथयूजायायमाल ॥ धन
 लिसलाययूजायायमाल ॥ नि
 थिनियाताल ॥ वनिद्यालात्या
 वनलक्ष्मीनायाययूजा ॥ ॥

अथ जातक मंत्र वदामि ॥ वालः
कजागश्लहावनान्दीमुखया
वदकयाय ॥ ॐ ॥ सयवाक
शसयकि १ ॥ श्यावगय ॥ माल
कायचलगय ॥ रुलकन ॥ च
सायागयवाकनन ॥ ॐ ॥ का
यकायलान ॥ ॐ ॥ य ॥ ॐ ॥ १ ॥ ॐ ॥
थिवकायकूट १ ॥ सिधुमनय ॥
यावदकमालावयनमवनतुः
लिग ॥ वा ॥ श्ला ॥ डा ॥ सा ॥ न ॥ ॥ थः
कादियजमानय ॥ श्रिमा ॥ लिम
ख ॥ यथमसंथकादिन ॥ ॐ ॥ या ॥

कासुर्थीर्ध्याय ॥ वाक् ॥ उं यज
मानामकस्ययुजातादलना
न्दीमुखस्य ॥ एकध्वसुर्थी
र्ध्व ॥ उं मुकुट ॥ वायध्वनः
काअधयसुजान ॥ विविधध्या
वदवाय ॥ उं मादयितामही
ययितामहीत्यः पिठयितामह
ययितामहस्यः दमासनवृ
द्धि ॥ धनिमादुप ॥ वाक् ॥ वा
यालवानसा ॥ ॥ विष्टदवादि
दवागास्यः दमासन ॥ ॥
यादिसकलगडि ॥ विष्ट
वयानामइकाविनेत्य ॥ उं मत्या
यशः ॥ उं यमव ॥ ॥ दमास
नादि ॥ यगवासनयात् ॥ उं स्वका
थविष्टकमे ॥ दमासन ॥
यादि ॥ सुमायात् ॥ उं उगाकाकमे
उक्तिष्ट ॥ यमव ॥ दमासन ॥
वीर्यागर्गयः स्वादुवृद्धि ॥ यथ
गोधनक ॥ ॥ गताविनेत्य ॥
वायन ॥ उं यिवालागयाजा
वद्युगादिवाडाजागइवध
यवन ॥ वायनकायत्वलेख

नहाय ॥ उं उजपुद ॥ मास्थगध्व
जनायुधमसह ॥ यथात्रवाभूजगि
यथासमुद्रजगि ॥ उवायंद ॥ मा
स्थाभूमर्कुनायुधमसह ॥ उं यमे
नयक्तिथागध्वयिमेथानिहिन
ध्वयी ॥ भूममेद्रुगायम्यगमाग
समजीगम ॥ स्वाहा ॥ ॥ पुनः ले
खनहायमकुः ॥ उं भूवेपुष्टि
रहीवल ॥ सुनेजलायंगवनेवमा
॥ मनपीवनीधकसिं ॥ भायग
मवजनायुययतां ॥ धनवालव
स्त्रानयाचक ॥ नाडीमदं स्पंशला
॥ ॥ घृगमधुसुवर्ण ॥ उवालाव
वालकनक ॥ वायनभूनामिका
हसन ॥ उं हः स्वयिदधामि ॥ उं उ
वस्वयिदधामि ॥ उं स्वस्वयिद
धामि ॥ उं हर्षुवस्वयिदधामि ॥ क
मानयानाहिसंगव ॥ उवदससं
गव ॥ उयलयमकु ॥ उं भूग्निना
युष्मानुवनस्यगीरिनायुष्मांक
नत्वायुष्मायुष्मांककनामि ॥ उं
मामभायुष्मानुसउवधीरि
नायुष्मांकनत्वायुष्मायुष्मांकक